THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 167 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.6 2083 गुरुवार, 17 सितंबर-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

शहजाद भट्टी नेटवर्क आतंकी संगठन घोषित किया गया

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान स्थित शाहजाद भट्टी नेटवर्क यानी एसबीएन को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत आतंकी संगठन घोषित किया है। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह कार्रवाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के विजन के तहत की गई है। मंत्रालय के अनुसार, नेटवर्क सीमा पार से हथियार, विस्फोटक और मादक पदार्थों की तस्करी के अलावा युवाओं और छोटे अपराधों में शामिल लोगों को आतंकवाद की ओर धकेलने में शामिल रहा है। केंद्र का मानना है कि शाहजाद भट्टी नेटवर्क आतंकवाद में शामिल रहा है और भारत में आतंकवादी गतिविधियों के विभिन्न मामलों में उसकी भागीदारी रही है।

यूपीआई शुल्क मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

✻ एमडीआर के खिलाफ अदालत में याचिका दाखिल

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। यूपीआई से 2,000 रुपये से अधिक के भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर लगाने के केंद्र के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। इस मामले में जनहित याचिका दाखिल कर आरोप लगाया गया है कि नई व्यवस्था मनमानी और भेदभावपूर्ण है और इससे पूरे देश में कारोबारियों पर आर्थिक बोझ पड़ेगा। याचिका में 14 सितंबर 2026 की राजपत्र अधिसूचना और 15 सितंबर को घोषित एमडीआर व्यवस्था को चुनौती दी गई है। नई व्यवस्था 15 अक्तूबर से लागू होनी प्रस्तावित है।

याचिका अधिवक्ता अंजन दत्ता ने अधिवक्ता आशुतोष दुबे के माध्यम से दाखिल की है। इसमें कहा गया है कि 2,000 रुपये से अधिक के कुछ व्यक्ति से कारोबारी यानी पी2एम यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगाया जाएगा। 75,000 रुपये या उससे अधिक के लेनदेन पर यह शुल्क अधिकतम 300 रुपये तक सीमित रहेगा। कुछ क्षेत्रों के लिए अलग दरों का भी प्रावधान है। याचिका में भुगतान व्यवस्था की सुरक्षा और मजबूती के उद्देश्य पर सवाल नहीं उठाया गया है, बल्कि आरोप लगाया गया है कि शुल्क लगाने की पूरी प्रक्रिया और उसके आधार को पर्याप्त रूप से सार्वजनिक नहीं किया गया।

याचिकाकर्ता ने कहा है कि नई व्यवस्था में अलग-अलग सीमा और श्रेणियां तय की गई हैं, लेकिन उनके पीछे का आंकड़ा और आधार सार्वजनिक नहीं किया गया। याचिका में 2,000 रुपये की सीमा, हर महीने 1 लाख रुपये की यूपीआई प्राप्ति वाली श्रेणी, अलग-अलग क्षेत्रों की शुल्क दर और 75,000 रुपये की अधिकतम सीमा पर सवाल उठाया गया है। याचिका के मुताबिक 2,001 रुपये के लेनदेन पर प्रतिशत के हिसाब से शुल्क लग सकता है, जबकि 2,000 रुपये के लेनदेन पर ऐसा शुल्क नहीं होगा। याचिकाकर्ता ने ऐसी अचानक बदलने वाली सीमाओं को समान स्थिति वाले कारोबारियों के साथ अलग व्यवहार का आधार बताया है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि देशभर में लागू होने वाला आर्थिक बोझ पैदा करने से पहले शुल्क तय करने का पूरा आधार सार्वजनिक किया जाना चाहिए था। इसमें एमडीआर तय करने से जुड़े दस्तावेज, कानूनी आधार, लागत का अध्ययन, बैठक की कार्यवाही, प्रक्रिया और सुरक्षा उपायों की जानकारी मांगी गई है।

यूपीआई टैक्स वापस लीजिए : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगाने के सरकार के फैसले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोला है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने और अमेरिका को बड़ी रकम देने का फैसला कर लिया है। उन्होंने सरकार से यूपीआई पर लगाए गए शुल्क को तुरंत वापस लेने की मांग की। राहुल गांधी ने अपने बयान में सरकार की इस नीति को आम भारतीयों से जोड़ते हुए सवाल उठाया कि यूपीआई जैसी रोजमर्रा की डिजिटल भुगतान व्यवस्था पर शुल्क लगाने की जरूरत क्यों पड़ी। सरकार ने मंगलवार को यूपीआई के जरिए कारोबारियों को किए जाने वाले 2000 रुपये से अधिक के भुगतान पर 15 अक्तूबर से 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाने का फैसला किया है।

झीरम घाटी नक्सली हमले में 10 दोषियों को फांसी की सजा

> 29 लोगों की हत्या पर 13 साल बाद आया फैसला

रायपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। झीरम घाटी हत्याकांड मामले में जगदलपुर की एनआईए कोर्ट ने 10 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर नक्सली हमला हुआ था। इसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 29 लोगों की मौत हुई थी। करीब 13 साल चली सुनवाई के दौरान 101 गवाहों के बयान दर्ज किए गए और दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर लिया गया। जज ने अपने फैसले में कहा है कि आदेश की पुष्टि हाईकोर्ट करेगा। दोषियों को 30 दिन के अंदर हाईकोर्ट में अपील करने का अधिकार है। अभियोजन पक्ष ने दोषियों के लिए फांसी की सजा की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने सजा कम करने की दलील दी थी। सभी दोषी अभी केंद्रीय जेल में बंद हैं। अदालत ने कुल 11 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई की थी। मुकदमे के दौरान एक आरोपी की मौत हो गई थी, जिसके बाद अदालत ने शेष 10 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई जारी रखी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने वर्ष 2015 में लगभग 1000 पन्नों का आरोप पत्र अदालत में पेश किया था। अभियोजन पक्ष ने आरोपियों का दोष साबित करने के लिए पूरी सुनवाई के दौरान 101 गवाहों के बयान दर्ज कराए थे।

'टैक्स पॉलिसी पर बहस जरूरी'

वित्त मंत्री की व्यापारियों से अपील-अपने बिजनेस से पहले देश के बारे में सोचें

बंगलूरू, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि टैक्स पॉलिसी पर स्वतंत्र रिसर्च को सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि टैक्स प्रोफेशनल्स को क्षेत्रीय-विशेष के हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देनी चाहिए। सीतारमण बंगलूरू में 'इंटरनेशनल टैक्स रिसर्च एंड एनालिसिस फाउंडेशन' की ओर से 'न्यू एज टैक्सेशन' (नए दौर की टैक्स व्यवस्था) पर आयोजित आठवें इंटरनेशनल टैक्स कॉन्फ्रेंस में बोल रही थीं।

उन्होंने कहा, टैक्स पॉलिसी पर एक समझदारी भरी बहस में सिर्फ किसी खास सेक्टर या क्षेत्र के हितों से आगे बढ़कर सोचना चाहिए।' उन्होंने टैक्स प्रोफेशनल्स से अपील की कि वे 'सेक्टर-विशेष की सोच से ऊपर उठें और देश को सबसे पहले रखें।' सीतारमण ने कहा कि सरकार ने जान-बूझकर टीडीएस (सोर्स पर टैक्स कटौती) और टीसीएस (सोर्स पर टैक्स वसूली) से जुड़े नियमों को तर्कसंगत बनाया है। इनकी सीमाएं बढ़ाई हैं और अनावश्यक आपराधिक परिणामों को कम किया है। इंटरनेशनल टैक्सेशन के मुद्दे पर वित्त मंत्री ने कहा कि भारत ने मॉरीशस, सिंगापुर और साइप्रस के साथ अपनी टैक्स संधियों पर फिर से बातचीत की, ताकि कैपिटल गेन्स (पूंजीगत लाभ) पर सोर्स पर टैक्स लगाने का अपना अधिकार वापस हासिल किया जा सके।

'अमेरिकी दबाव में झुकी मोदी सरकार'

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बुधवार को सरकार पर आरोप लगाया कि उसने अमेरिका की मांग के आगे झुकते हुए यूपीआई पर जीरो एमडीआर की व्यवस्था खत्म कर दी है और अब 2,000 रुपये से अधिक के कारोबारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने नोटा का नया मतलब 'नरेंद्रस ऑनगोइंग ट्रंप अपीजमेंटच कर दिया है।

भारतीय युद्धपोत से भिड़ा पाकिस्तानी जहाज

✻ दिल्ली से लेकर इस्लामाबाद तक हलचल ✻ भारत ने पाक राजनियक को किया तलब

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अरब सागर में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र के भीतर भारतीय नौसेना के एक जहाज और पाकिस्तानी नौसेना के पोत की टक्कर के बाद भारत ने पाकिस्तान के प्रभारी राजनयिक को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत के मुताबिक घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन पाकिस्तानी नौसैनिक पोत का आचरण 1991 के भारत-पाकिस्तान समझौते के अनुच्छेद 10 के विपरीत था। भारत ने इस्लामाबाद में भी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष विरोध दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तानी प्रभारी राजनयिक को बुधवार को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया। उन्हें पाकिस्तानी अधिकारियों तक भारत की कड़ी आपत्ति पहुंचाने को कहा गया। भारत ने स्पष्ट किया कि समुद्र में सभी सैन्य इकाइयों को पूरी सावधानी बरतनी चाहिए और दोनों देशों के बीच लागू संबंधित समझौतों के प्रावधानों का सम्मान करना चाहिए, ताकि इस तरह की घटना दोबारा न हो। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'सीडीए को आज विदेश मंत्रालय में तलब किया गया और समुद्र में पाकिस्तानी नौसैनिक इकाइयों के अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर आचरण को लेकर उनके समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया गया, जिसके कारण भारतीय नौसेना की एक इकाई से टक्कर हुई।' विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह घटना अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुई।

हालांकि, टक्कर से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी नौसैनिक पोत का आचरण अप्रैल 1991 में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य अभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिकों की आवाजाही के लिए अग्रिम सूचना देने संबंधी समझौते के अनुच्छेद 10 का सीधे तौर पर उल्लंघन था।

'अमेरिकी दबाव में झुकी सरकार'

यूपीआई मुद्दे पर कांग्रेस का आरोप- प्रधानमंत्री ने नोटा का नया मतलब समझाया

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बुधवार को सरकार पर आरोप लगाया कि उसने अमेरिका की मांग के आगे झुकते हुए यूपीआई पर जीरो एमडीआर की व्यवस्था खत्म कर दी है और अब 2,000 रुपये से अधिक के कारोबारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने नोटा का नया मतलब 'नरेंद्रस ऑनगोइंग ट्रंप अपीजमेंटच कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि क्या एमडीआर में बदलाव अमेरिकी कार्ड कंपनियों को यूपीआई के मुकाबले प्रतिस्पर्धा करने का मौका देने के लिए किया गया है।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि गुरुवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ (टैरिफ) लगाने वाले विधेयक पर मतदान करने वाली है। जबकि, अमेरिकी सीनेट पहले ही इस कानून को मंजूरी दे चुकी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन भारतीय प्रवासियों पर कार्रवाई तेज कर रहा है और उनके लिए नियम कड़े किए जा रहे हैं। एच-1बी (एच-वन-बी) वीजा की लागत बढ़ाई गई है और नौकरी जाने की स्थिति में ऐसे वीजाधारकों को तुरंत देश से बाहर भेजने की व्यवस्था भी जल्द लागू हो सकती है। एच-1बी वीजा धारकों में बड़ी संख्या आईटी (आई-टी) पेशेवरों की है। ऐसे में मोदी सरकार ने यूपीआई पर जीरो एमडीआर खत्म करने और शुल्क लगाने का फैसला किया है।

0.4 प्रतिशत शुल्क पर सवाल

अपने पोस्ट में रमेश ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की उस पहले की आलोचना का हवाला दिया, जिसमें यूपीआई के मुफ्त होने और उसके कारण वीजा (वीजा) तथा मास्टरकार्ड (मास्टरकार्ड) जैसी कंपनियों के कारोबार पर असर पड़ने की बात कही गई थी। उन्होंने पूछा, '0.4 प्रतिशत एमडीआर क्यों? क्या इसलिए कि डेबिट कार्ड पर भी एमडीआर 0.4 प्रतिशत है? क्या यह फैसला अमेरिकी कार्ड कंपनियों को यूपीआई के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाने के लिए किया गया है?' उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या सरकार का दावा है कि इससे यूपीआई अधिक टिकाऊ बनेगा।

यूपीआई चलाने की लागत पर तर्क

कांग्रेस नेता ने कहा कि पूरे यूपीआई तंत्र को चलाने की अनुमानित सालाना लागत करीब 20,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने दावा किया कि यह रकम पिछले कुछ वर्षों में भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई की ओर से केंद्र सरकार को हस्तांतरित की गई रकम के 10 प्रतिशत से भी कम है। उनके अनुसार, इन हस्तांतरणों से मोदी सरकार को सरकारी वित्त की बेहतर स्थिति दिखाने में मदद मिली है। रमेश ने एक अन्य पोस्ट में एमडीआर के फैसले को '2017 जीएसटी (जी-एस-टी) रिडक्स' भी बताया और सरकार की नीति पर सवाल उठाए।

सरकार ने उपभोक्ताओं पर शुल्क से किया इनकार

सरकार ने एक दिन पहले 15 अक्टूबर से 2,000 रुपये से अधिक के व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू करने की घोषणा की थी। हालांकि, इसमें आम लोगों के बीच होने वाले व्यक्ति-से-व्यक्ति यानी पीटूपी भुगतान और छोटे भुगतानों को शुल्क से बाहर रखा गया है। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यूपीआई से भुगतान करने वाले ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, एमडीआर व्यापारी भुगतान व्यवस्था के भीतर लिया जाने वाला शुल्क है, ग्राहकों से यूपीआई भुगतान के बदले वसूला जाने वाला शुल्क नहीं। आम लोगों के लिए यूपीआई का इस्तेमाल पहले की तरह असीमित और मुफ्त रहेगा; न तो मासिक कोटा होगा, न लेन-देन की संख्या पर सीमा और न ही किसी तरह की टियर आधारित पाबंदी।

मंदिरों में चोरी करने वाला गिरोह पकड़ा गया, 21 किलो चांदी ज़ब्त

अनंतपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। कल्याणदुर्ग रूरल सर्कल पुलिस ने मंदिरों में चोरी करने वाले एक अंतर-राज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ़्तार किया और उनसे 21 किलो चांदी के गहने, पिघली हुई चांदी की सिल्लियां और एक दोपहिया वाहन बरामद किया। इन सबकी कुल कीमत लगभग 40 लाख रुपये है। यह गिरोह कथित तौर पर आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के मंदिरों को निशाना बनाता था और देवी-देवताओं के चांदी के गहने और चांदी की मूर्तियां चुराता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी सबूत न छोड़ने के लिए मास्क और दस्ताने पहनते थे और या तो सीसीटीवी लेंस पर स्प्रे करके फुटेज धुंधली कर देते थे या फिर डीवीआर ही चुरा ले जाते थे।

अनंतपुर के एसपी पी। जगदीश ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बारे में जानकारी दी। गिरफ़्तार किए गए लोगों में अनंतपुर के नंदमुरी नगर का कुरापति साईं कुमार (27), अनंतपुर रूरल मंडल के अक्कमपल्ली गांव का कनुमुक्काला चांद बाशा (29) और श्री सत्य साईं ज़िले के परिगी मंडल के कोडिगेनाहल्ली का गुंडाप्पागारी सुदाम (32) शामिल हैं। गाड़ी सर्विसिंग का काम करने वाले साईं कुमार और टाइल लगाने का काम करने वाले चांद बाशा ने कथित तौर पर आसानी से पैसे कमाने के लिए मंदिरों में चोरी करना शुरू किया। सुदाम के उनके साथ जुड़ने के बाद, तीनों ने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में नौ चोरियां कीं।

ये मामले कंबदुर, ब्रह्मसमुद्रम, सेत्तूर, पमिडी, बुक्कारायसमुद्रम, रामगिरि-नासनकोटा, रोद्धम, कोराटागेरे और कर्नाटक के तुमकुरु ज़िले के क्यासासंद्रा में दर्ज किए गए थे। पुलिस ने बताया कि साईं कुमार और चांद बाशा पहले भी सिंगनामला, नरपाला, अनंतपुर, गरलादिन्ने और बुक्कारायसमुद्रम में छह मामलों में शामिल रहे थे। सुदाम के खिलाफ भी मामले दर्ज थे। रामपुरम मारेम्मा मंदिर में हुई चोरी के बाद पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी और उन्हें गिरफ़्तार कर लिया।

मंत्री वंगलापुडी अनिता ने पात्र लाभार्थियों को घर के लिए ज़मीन के पट्टे देने का भरोसा दिलाया

विशाखापत्तनम, 16 सितंबर (एजेंसियां)। गृह मंत्री वंगलापुडी अनिता ने कहा कि पायकाराओपेट विधानसभा क्षेत्र में जिन पात्र लाभार्थियों के पास घर तो हैं लेकिन घर के लिए ज़मीन के पट्टे नहीं हैं, उन्हें जल्द ही पट्टे जारी किए जाएंगे। नक्कापल्ली एमपीडीओ कार्यालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए, अनिता ने उन्हें रुके हुए कामों में तेज़ी लाने और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। बैठक में चार मंडलों के अधिकारी शामिल हुए।

इस दौरान मंत्री ने सिंचाई, पंचायत राज, बिजली, पीआर प्रोजेक्ट्स, एंडोमेंट्स और पीआर इंजीनियरिंग विभागों के तहत चल रहे कामों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के बीच तालमेल की ज़रूरत पर ज़ोर दिया और चेतावनी दी कि सरकारी कर्तव्यों में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की जाएगी। पोलावरम लेफ्ट कैनाल का ज़िक्र करते हुए, अनिता ने अनाकापल्ली ज़िले में गोदावरी का पानी पहुँचने का स्वागत किया और कहा कि पायकाराओपेट में नहर के किनारे वाले इलाकों के विकास की संभावना है।

बर्फबारी से पहले घुसपैठ की चुनौती, सीमा से अंदरूनी इलाकों तक सुरक्षा तंत्र अलर्ट

श्रीनगर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बर्फबारी शुरू होने से पहले जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा शुरू हो गई है। सीमा से लेकर अंदरूनी इलाकों तक सुरक्षा तंत्र की तैयारियों को परखने के लिए सेना और पुलिस के शीर्ष अधिकारी फील्ड में पहुंच रहे हैं। उत्तरी कमान के प्रमुख पिछले दस दिनों में लद्दाख, दक्षिण कश्मीर व अखनूर के अग्रिम इलाकों का दौरा कर सुरक्षा स्थिति और सैन्य तैयारियों की समीक्षा की।

वहीं पुलिस महानिदेशक ने डोडा, जम्मू, पुंछ-राजोरी और कश्मीर संभाग के बडगाम समेत विभिन्न जिलों में पहुंचकर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। उत्तर कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने चार सितंबर को लद्दाख के अग्रिम इलाकों का दौरा कर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात जवानों की ऑपरेशनल तैयारी देखी। लद्दाख में सेना के सामने चीन और पाकिस्तान की चुनौती है। बर्फबारी के दौरान यह चुनौती और ज्यादा बढ़ जाती है। इसके बाद छह और 12 सितंबर को उन्होंने सुरक्षा दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण दक्षिण कश्मीर के अंदरूनी इलाकों का दौरा किया।

काउंटर टेररिज्म ग्रिड की समीक्षा की। यहां सुरक्षा स्थिति, आतंकवाद रोधी अभियानों और जवानों की तैयारी पर जानकारी ली थी। दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम व शोपियां जिले आते है जो सुरक्षा दृष्टिकोण से काफी संवेदनशील है। 14 सितंबर को उन्होंने अखनूर सेक्टर के अग्रिम क्षेत्रों में सुरक्षा स्थिति और सैन्य इकाइयों की तैयारी का जायजा लिया गया। लगातार हो रहे ये दौरे सीमा सुरक्षा के साथ आतंकवाद रोधी मोर्चे पर भी सेना की सक्रियता को दर्शाते हैं। दूसरी ओर डीजीपी नलिन प्रभात भी अलग-अलग जिलों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर रहे हैं।

डोडा, जम्मू, पुंछ-राजोरी और कश्मीर संभाग के बडगाम समेत अन्य इलाकों में पहुंचकर उन्होंने अधिकारियों से स्थानीय सुरक्षा स्थिति और चुनौतियों की जानकारी ली है। सुरक्षा एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सर्दियों में ऊंचे पहाड़ी दर्रों पर बर्फ जमने के बाद घुसपैठ के रास्ते सीमित हो जाते हैं। ऐसे में उससे पहले सीमा पार से आतंकियों को भेजने की कोशिश की आशंका बनी रहती है।

हिट एंड रन केसः आरोपी को दो दिन की पुलिस रिमांड मिली

गुरुग्राम, 16 सितंबर (एजेंसियां)। हिट एंड रन मामले में आरोपी कल्याण बैंसला को कोर्ट ने दो दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया है। लंच के बाद कोर्ट का आदेश आया। इससे पहले गुरुग्राम पुलिस आरोपी कल्याण बैंसला और लवनीश को कोर्ट लेकर पहुंची थी। पुलिस ने कल्याण बैंसला की दो दिन की रिमांड मांगी। पुलिस का कहना है कि हादसे का क्राइम सीन रीक्रिएट कराया जाएगा और यह पता लगाया जाएगा कि घटना के वक्त कार में कौन-कौन लोग मौजूद थे। वहीं, बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि मीडिया ट्रायल की वजह से हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है।

पालघर में शिवसेना की महिला पार्षद पर मारपीट के आरोप में एफआईआर

मुंबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले के नालासोपारा में पुलिस ने शिवसेना की एक महिला पार्षद के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक व्यक्ति की टिप्पणी को लेकर उसके साथ मारपीट करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायतों के बाद, पीड़ित और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में मुख्य आरोपी शिवसेना नेता हेमलता सिंह, जो वसई-विरार शहर नगर निगम की पार्षद हैं और कई अन्य संदिग्ध फरार हैं।

पुलिस ने बताया कि विश्वकर्मा नाम के व्यक्ति ने फेसबुक पर पोस्ट शेयर किया था, जिसमें आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। इसे ही लेकर ये मामला भड़क गया। अपनी शिकायत में विश्वकर्मा ने कहा कि उन्हें अर्जुन दुबे नाम के एक व्यक्ति ने होटल में बुलाया। विश्वकर्मा जब होटल में पहुंचे, तब वहां शिवसेना पार्षद हेमलता सिंह और उनके सहयोगी अमरीश मौजूद थे। एफआईआर के मुताबिक, विश्वकर्मा को धक्का दिया गया, थप्पड़ मारा और बांस की लाठियों से पीटा।

विश्वकर्मा ने यह भी आरोप लगाया गया है कि मारपीट के दौरान उनकी सोने की चेन छीन ली गई और लगभग 20,000 रुपये कीमत का उनका स्मार्टफोन चोरी हो गया। नालासोपारा में वार्ड नंबर 18 का प्रतिनिधित्व करने वाली हेमलता सिंह के खिलाफ मामला तुलिंज पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है, जिसमें एक क्रॉस-एफआईआर भी शामिल है। इस मामले में विश्वकर्मा और पार्षद के सहयोगी मनीष सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

एक किलो 442 ग्राम गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद, 16 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिस चौकी बस अड्डा फतेहाबाद की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को 1 किलो 442 ग्राम गांजा सहित काबू किया है। मामले में आरोपी मिथिलेश सिंह निवासी गांव श्रीपुर बासा, जिला मधेपुरा बिहार, हाल सिरसा रोड फतेहाबाद को गिरफ्तार किया है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी उप निरीक्षक संजय कुमार ने बतया कि पुलिस चौकी बस अड्डा फतेहाबाद के ईन्चार्ज पीएसआई सुमित कुमार 15 सितंबर को अपनी टीम के साथ थाना रोड क्षेत्र में गश्त एवं अपराधों की रोकथाम को लेकर मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि एक युवक सिरसा रोड की तरफ से शहर फतेहाबाद की ओर गांजा लेकर आ रहा है।

12 साल के मासूम की मौत पर एचसी सख्त

गैरकानूनी बाड़ में छोड़ा था करंट; जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। जमीन के टुकड़े पर लगाई गई बिजली वाली बाड़ के संपर्क में आने से 12 साल के बच्चे की मौत के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने एक व्यक्ति को जमानत देने से इनकार कर दिया। जमानत याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने कहा कि बिजली अधिकारियों से मंजूरी लिए बिना बाड़ में बिजली का कनेक्शन दिया गया था। पीठ ने कहा कि बिजली वाली बाड़ लगाना बेहद खतरनाक कृत्य था।

आरोपित यह कहकर जिम्मेदारी से इनकार नहीं कर सकता कि उसे पता नहीं था कि बाड़ के संपर्क में आने वाले किसी व्यक्ति की मौत हो सकती है।

अभियोजन पक्ष ने जमानत याचिका का विरोध किया। उसका कहना था कि आरोपित करण सिंह ने जमीन पर गैर-कानूनी तरीके से बिजली वाली बाड़ लगाई थी। अभियोजन के अनुसार, बाड़ में 220 से 225 वोल्ट का करंट था। अभियोजन के अनुसार, जमीन पर लगाई गई बिजली वाली बाड़ के संपर्क में आने के बाद 12 वर्षीय बच्चे की मौत हुई थी। इसी मामले में आरोपित ने जमानत के लिए हाई कोर्ट का रुख किया था, जिसे पीठ ने खारिज कर दिया।

पाकिस्तान और दुबई से संचालित तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़

अमृतसर में 27 किलो हेरोइन व विदेशी हथियार बरामद

अमृतसर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अमृतसर पुलिस की खुफिया शाखा ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने बुधवार सुबह एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़े तीन तस्करों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 27 किलोग्राम हेरोइन की विशाल खेप और एक आधुनिक विदेशी पिस्तौल बरामद की गई है। इस पूरी कार्रवाई के बाद संबंधित थाने में एनडीपीएस अधिनियम और हथियार कानून के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों द्वारा की गई शुरुआती पूछताछ और जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

पकड़े गए तीनों आरोपी आपस में गहरे दोस्त हैं और उन्होंने अपने आवास पर ही इलेक्ट्रॉनिक सामान की मरम्मत की दुकान खोल रखी थी।

इसी दुकान की आड़ में वे पिछले तीन वर्षों से लगातार अवैध रूप से नशे का कारोबार चला रहे थे। वे स्थानीय स्तर पर हेरोइन की आपूर्ति और वितरण का काम मुख्य रूप से संभालते थे। गहन पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ है कि इन आरोपियों के तार खाड़ी देश में बैठे एक प्रमुख सरगना से सीधे जुड़े हुए हैं। वह विदेश में बैठकर पाकिस्तानी तस्करों के संपर्क में रहता है और वहीं से भारत में हेरोइन तथा अवैध हथियारों की खेप पहुंचाता है। पुलिस पूर्व में भी इस अंतरराष्ट्रीय गिरोह के कई गुर्गों को भारी मात्रा में नशे की सामग्री के साथ सलाखों के पीछे भेज चुकी है।

फिलहाल पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य सहयोगियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड के वकील को धमकी भरा पत्र, नैनीताल में वकीलों का आक्रोश

नैनीताल, 16 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में पीड़ित पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता नवनीश नेगी को कथित तौर पर धमकी भरा पत्र मिलने से हाई कोर्ट के अधिवक्ता आक्रोशित हैं। उन्होंने भवाली कोतवाली में तहरीर देकर मामले की जांच की मांग उठाई है। हाई कोर्ट के अधिवक्ताओं ने बार सभागार में पत्रकार वार्ता कर सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग उठाई है। अधिवक्ता नेगी के मुताबिक पत्र में उन्हें पहले हादसे का शिकार बनाने और फिर हमला करने की धमकी दी गई है। पत्र कई भाषाओं में लिखा गया है और गूगल से किए गए अनुवाद में इसकी भाषा धमकी भरी है।

पुलिस को तहरीर देने के साथ ही पत्र और लिफाफा भी जांच के लिए सौंपा है। साथ ही बार एसोसिएशन से भी मामले का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। अधिवक्ताओं का कहना है कि धमकियों के जरिए न्याय की लड़ाई को प्रभावित करने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनका कहना है कि वकील बिना भय के न्यायालय में अपनी जिम्मेदारी निभा सकें, इसके लिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। कई राज्यों में अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू हो चुका है, ऐसे में उत्तराखंड में भी इसी विधानसभा सत्र में एक्ट लाया जाना चाहिए। इस दौरान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीसीएस रावत, पूर्व अध्यक्ष एमसी पंत, महासचिव सौरव अधिकारी, पूर्व सांसद डा. महेंद्र पाल, भुवनेश जोशी आदि मौजूद थे।

पुंछ के ऑपरेशनल ठिकानों पर पहुंचे व्हाइट नाइट कोर के जीओसी, सुरक्षा हालात की ली जानकारी

पुंछ, 16 सितंबर (एजेंसियां)। व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल पीके मिश्रा ने मंगलवार को पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में ऑपरेशनल ठिकानों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की मौजूदा सुरक्षा स्थिति और आतंकवाद विरोधी अभियानों की समीक्षा की। जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि कोर कमांडर को पीर पंजाल रेंज में दबदबा बनाए रखने, मजबूत संयुक्त खुफिया नेटवर्क और सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के लिए चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी दी गई।इस दौरान रोमियो फोर्स के जीओसी भी लेफ्टिनेंट जनरल मिश्रा के साथ मौजूद रहे। रोमियो फोर्स पुंछ और राजोरी समेत सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए जिम्मेदार सेना की प्रमुख इकाइयों में से एक है। ब्यूरो पोस्ट के मुताबिक, जीओसी ने अभियान में शामिल सभी कर्मियों के पेशेवर रवैये और अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की।

उन्होंने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और खराब मौसम के बावजूद आतंकवादियों को किसी भी तरह का ऑपरेशनल अवसर नहीं देने के लिए लगातार चलाए जा रहे अभियानों की भी प्रशंसा की। लेफ्टिनेंट जनरल मिश्रा ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाए रखने और आतंकवाद विरोधी अभियानों को प्रभावी ढंग से जारी रखने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय पर जोर दिया। पुंछ के सुरनकोट में व्हाइट नाइट कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल पीके मिश्रा ने ऑपरेशनल ठिकानों का दौरा कर सुरक्षा स्थिति और आतंकवाद विरोधी अभियानों की समीक्षा की। उन्होंने पीर पंजाल में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के लिए मजबूत खुफिया नेटवर्क और सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया।

गंगा स्नान कर रही महिला को वीडियो में सेमी-न्यूड दिखाया पुलिस तक मामला पहुंचा

हरिद्वार, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के जमाने में कुछ लोग एआई का दुरुपयोग कर रहे हैं। धर्मनगरी हरिद्वार में एक ऐसा ही मामला सामने आया था। कुछ शरारती तत्वों ने एक महिला का एआई जेनरेटेड वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। घटना हरकी पैड़ी क्षेत्र में मालवीय घाट के पास की है। यहां एक महिला के गंगा में स्नान वाले वीडियो को बनाकर किसी ने एआई की मदद से सेमी-न्यूड बनाया और फिर वायरल कर दिया। इस मामले में श्री गंगा महासभा में आक्रोश है। पुलिस से मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। महिला के स्नान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद तीर्थ पुरोहित आक्रोशित हो उठे। आरोप है कि महिला के मूल वीडियो को डाउनलोड कर उसमें एआई की मदद से कपड़े बदल दिए गए और उसे आपत्तिजनक तरीके से सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। मामला सामने आने के बाद धार्मिक स्थलों को बदनाम करने के लिए इस तरह की सामग्री प्रसारित किए जाने पर कार्रवाई की मांग उठी है।

श्रीदेवी की संपत्ति को लेकर विवाद, एससी ने मध्यस्थता से समाधान का दिया सुझाव

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की पारिवारिक संपत्ति से जुड़े एक विवाद को सुप्रीम कोर्ट ने आपसी बातचीत के जरिए सुलझाने का सुझाव दिया है। चेन्नई के शोलींगनलूर इलाके की करीब 4.77 एकड़ जमीन को लेकर चल रहे विवाद पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह हाई कोर्ट के किसी पूर्व जज को मध्यस्थ नियुक्त करेगा। मामला चेन्नई के शोलींगनलूर इलाके में ईस्ट कोस्ट रोड के पास की करीब 4.77 एकड़ जमीन से जुड़ा है।

श्रीदेवी, उनकी मां और बहन ने 1988 में चार अलग-अलग सेल डीड के जरिए यह जमीन खरीदी थी। 2018 में श्रीदेवी की मृत्यु हुई। 2023 में इस संपत्ति से जुड़े राजस्व रिकॉर्ड में श्रीदेवी के पति बोनी कपूर और उनकी बेटियों जाहनवी कपूर और खुशी कपूर का नाम दर्ज किया गया। यहां अभी फिलहाल बोनी कपूर के परिवार का एक फार्म हाउस है। राजस्व रिकॉर्ड में नाम परिवर्तन के बाद एक महिला एम।सी। शिवकामी, उसके भाई एम सी नटराजन और माँ चंद्रभानु ने चेंगलपट्टू की सिविल कोर्ट में मामला दायर किया। उन्होंने दावा किया कि 1988 में हुई बिक्री अवैध है। वह 1943 में इस जमीन को खरीदने वाले एम।सी। संबंद मुदलियार के वंशज हैं। उनका संपत्ति पर 1/5 हिस्सा है।

हाई कोर्ट का आदेश

निचली अदालत में दाखिल मुकदमे को कपूर परिवार की तरफ से मद्रास हाई कोर्ट में चुनौती दी गई। इस साल मई में हाई कोर्ट की जस्टिस टीवी। तमिलसेल्वी की बेंच ने बोनी कपूर और उनकी बेटियों को राहत दी। बेंच ने निचली में दाखिल सिविल सूट को खारिज कर दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि 1988 में हुई बिक्री को करीब 40 साल बाद चुनौती दी गई है। यह दावा कानून में तय समय-सीमा यानी लिमिटेशन के चलते स्वीकार नहीं किया जा सकता। हाई कोर्ट ने यह भी कहा था कि मुकदमा दाखिल करने वालों की तरफ से कुछ अहम तथ्यों को सामने नहीं रखा गया। उन लोगों का कानूनी वारिस होने का दावा और वारिस प्रमाण पत्र पहले ही रद्द किया जा चुका था। ऐसे में उनकी तरफ से मुकदमा दाखिल होना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

याचिकाकर्ताओं की दलील

शिवकामी और दूसरे याचिकाकर्ताओं ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने दलील दी कि हाई कोर्ट की तरफ से मिनी ट्रायल किया गया। अगर उनका दावा गलत भी है, तो उसे निचली अदालत सुनवाई के बाद खारिज कर सकती थी। हाई कोर्ट ने मामले में अति सक्रियता दिखाई। एम सी मुदलियार के बेटे चंद्रशेखरन ने 2 शादियां की थीं। एक शादी को कानूनन अमान्य बताकर उससे पैदा हुई संतानों का हक खत्म नहीं किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

जस्टिस के। विश्वनाथन और जस्टिस अरुण पल्ली की बेंच ने संपत्ति को लेकर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है। यानी अगली सुनवाई तक जमीन की मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 18 दिसंबर को होगी। कोर्ट ने पक्षकारों को मध्यस्थता प्रक्रिया में शामिल होने और आपसी बातचीत से विवाद सुलझाने की सलाह दी है।

तड़ीपार गैंगस्टर को पकड़ने गई पुलिस पर हमला, 6 गिरफ्तार

मुंबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई गणपति बप्पा के प्रति आस्था एक कुख्यात तड़ीपार गैंगस्टर को भारी पड़ गई।मानखुर्द इलाके में गणपति विसर्जन जुलूस में शामिल होने पहुंचे मकोका आरोपी और तड़ीपार गैंगस्टर श्रवण जनार्दन चव्हाण (26) को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर उसके परिजनों और समर्थकों ने हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर बरसाए और घूंसे से हमला किया। इस दौरान एक महिला ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी की आंख पर जोरदार मुक्का मार दिया, जिससे अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। मामले में पुलिस ने तड़ीपार आरोपी श्रवण चव्हाण समेत कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, श्रवण चव्हाण को मुंबई और ठाणे से जून 2027 तक तड़ीपार किया गया है। इसके बावजूद वह गणपति उत्सव के दौरान चोरी-छिपे मानखुर्द-गोवंडी इलाके में पहुंचा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि गणपति बप्पा के प्रति अपनी आस्था के चलते वह एकता मित्र मंडल के गणेशोत्सव और विसर्जन जुलूस में शामिल हो सकता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: सुख सुविधाओं में नहीं, बल्कि मन की संतुष्टि में छिपा होता है।

विधानसभा में हंगामे को लेकर बीआरएस पर बरसे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने विधानसभा सत्र में कथित तौर पर व्यवधान पैदा करने को लेकर विपक्षी बीआरएस पर तीखा हमला बोला। बुधवार को विधानसभा में 22-ए निषिद्ध सूची पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीआरएस ने इस आशंका से सदन की कार्यवाही बाधित करने की साजिश रची कि भूमि संबंधी मामलों सहित उसके कथित गलत कार्यों पर सदन में चर्चा हो सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी जमीनों की कथित लूट, शुल्क प्रतिपूर्ति, सूखे की स्थिति तथा कुछ लोगों द्वारा किए गए कथित तांत्रिक अनुष्ठानों जैसे मुद्दे चर्चा में आने की आशंका से विपक्ष ने सदन में हंगामा किया। उन्होंने कहा कि बीआरएस विधायकों ने आसन का अपमान करने के बावजूद विधानसभा अध्यक्ष द्वारा उन्हें सदन में शामिल होने का अवसर दिया था। रेवंत रेड्डी ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को सदन में सभी सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करने वाला माना जाता है और उनका सम्मान करना प्रत्येक सदस्य की परंपरा है। मुख्यमंत्री के अनुसार, अध्यक्ष को उम्मीद थी कि बीआरएस विधायक अपने व्यवहार के लिए माफी मांगकर जनहित के मुद्दों पर चर्चा में भाग लेंगे, लेकिन इसके बजाय उन्होंने सदन में हंगामा किया, जिसके बाद उन्हें निलंबित करना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन की कार्यवाही के संचालन से संबंधित कुछ नियम पिछली बीआरएस सरकार के कार्यकाल में ही बनाए गए थे। अध्यक्ष ने उन्हीं नियमों के अनुरूप निर्देश जारी किए और पुलिस ने विधानसभा के गेट नंबर तीन पर उन निर्देशों को लागू किया। उन्होंने विपक्ष के उस दावे पर भी आपत्ति जताई कि राहुल गांधी संसद में काली टी-शर्ट पहनकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ने संसद में ऐसे कपड़ों पर प्रतिबंध संबंधी कोई निर्देश जारी नहीं किया था। यदि ऐसा कोई निर्देश होता, तो उसका पालन किया जाता।

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार में महिलाओं को दिए जा रहे महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने महिलाओं के आत्मसम्मान की रक्षा करने का संकल्प लिया है और एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

हैदराबाद मुक्ति दिवस पर राज्यपाल ने दी बधाई

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने हैदराबाद मुक्ति दिवस के अवसर पर प्रदेश की जनता को शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने 17 सितंबर 1948 को तत्कालीन हैदराबाद राज्य के इतिहास और देश के राष्ट्रीय एकीकरण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण दिन बताया। राज्यपाल ने कहा कि 15 अगस्त 1947 को भारत की स्वतंत्रता के बाद तत्कालीन हैदराबाद राज्य 17 सितंबर 1948 को मुक्त हुआ। उस समय राज्य में वर्तमान तेलंगाना के साथ मराठवाड़ा और हैदराबाद-कर्नाटक के क्षेत्र भी शामिल थे। उन्होंने मुक्ति आंदोलन में शामिल लोगों के योगदान और बलिदानों को श्रद्धापूर्वक याद किया। शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि हैदराबाद मुक्ति दिवस मुक्ति आंदोलन के संघर्ष, कठिनाइयों और बलिदानों को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि इस इतिहास को सुरक्षित रखते हुए आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना जरूरी है, ताकि युवा उस दौर के संघर्ष और हैदराबाद राज्य के भारतीय संघ में एकीकरण के महत्व को समझ सकें।

साइबराबाद पुलिस ने लौटाए 1,218 गायब मोबाइल

बरामद मोबाइल का मूल्य 2.43 करोड़ रुपए

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद करने के अभियान के 11वें चरण में 1,218 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोन की कुल कीमत करीब 2 करोड़ 43 लाख 60 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने सभी मोबाइल फोन संबंधित पीड़ितों को सौंप दिए। मोबाइल वापस मिलने पर पीड़ितों ने पुलिस के प्रति आभार जताया। साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश के निर्देश पर चलाए गए अभियान में सीसीएस कूकेटपल्ली पुलिस ने 410, सीसीएस शेरिलिंगमपल्ली ने 407 और सीसीएस कुत्बुल्लापुर ने 401 मोबाइल फोन बरामद किए। इस तरह तीनों टीमों ने कुल 1,218 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाया। साइबराबाद सीपी डॉ. एम. रमेश ने कहा कि आधुनिक तकनीक की मदद से गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन को ट्रैक कर बरामद किया जा रहा है।

भारत सरकार के सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल के जरिए मोबाइल फोन को आसानी से ट्रैक किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि मोबाइल फोन खोने या चोरी होने के तुरंत बाद सीईआईआर पोर्टल पर उसकी शिकायत दर्ज कराएं। सीपी ने लोगों को साइबर अपराधों के प्रति भी सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने जॉब फ्रॉड और बेटिंग एप समेत अन्य ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए सावधानी बरतने को कहा। उन्होंने अनजान लोगों के साथ अपना मोबाइल नंबर और निजी जानकारी साझा नहीं करने की अपील की। बाजार, बस स्टॉप और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सामान की निगरानी रखने की भी सलाह दी गई। पुलिस आयुक्त ने घर में चोरी की घटनाओं से बचाव के लिए भी लोगों को सावधानी बरतने को कहा।

मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने जताई खुशी

सिक्योरिटी गार्ड का चोरी हुआ फोन मिला

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मोबाइल फोन वापस पाने वाले कई पीड़ितों ने अपने अनुभव भी साझा किए। सृजना नामक महिला ने बताया कि करीब दो महीने पहले वह केपीएचबी के टी-प्वाइंट के पास चाय पीने गई थीं, जहां उनका आईफोन 17 प्रो छूट गया। उन्होंने तुरंत केपीएचबी पुलिस से शिकायत की। फोन पर कॉल करने पर लगातार स्विच ऑफ आने से उन्हें मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद कम हो गई थी। साइबराबाद पुलिस के प्रयास से फोन वापस मिलने पर उन्होंने पुलिस का आभार जताया।टीसीएस में कार्यरत नारायण चौधरी ने बताया कि उनका मोटोरोला मोबाइल कोकापेट के एक रेस्टोरेंट में खो गया था। उन्होंने नारसिंगी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। काफी समय बीत जाने के बाद उन्हें लगा कि मोबाइल शायद अब नहीं मिलेगा, लेकिन पुलिस का फोन आया और मोबाइल बरामद होने की जानकारी दी गई। फोन वापस मिलने पर उन्होंने खुशी जताई। मेड़क निवासी मोहम्मद मुखीब ने बताया कि वह कूकेटपल्ली में जोमैटो और स्विगी के लिए काम करते थे। करीब एक वर्ष पहले अलसबा होटल के पास चाय पीते समय उनका मोबाइल छूट गया। कुछ देर बाद लौटकर देखा तो फोन वहां नहीं था। कॉल करने पर मोबाइल स्विच ऑफ मिला। उन्होंने बताया कि उस समय उनके पास पैसे भी नहीं थे और उनकी मां की तबीयत भी खराब थी। मोबाइल में बैंक खाते और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी होने के कारण उन्हें उसके दुरुपयोग की चिंता थी। पुलिस ने फोन बरामद कर उन्हें सौंपा तो उन्होंने खुशी जताई। बिहार निवासी एक अन्य पीड़ित ने बताया कि वह सत्व नॉलेज सिटी में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करते थे। इसी दौरान उनका मोबाइल किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया। उन्होंने रायदुर्गम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उन्हें मोबाइल बरामद होने का भरोसा दिलाया था। बाद में सीसीएस पुलिस ने फोन कर मोबाइल मिलने की जानकारी दी।

सॉफ्टवेयर कर्मचारी ने हॉस्टल की बिल्डिंग से कूदकर जान दी

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को माधापुर में पुरुषों के एक प्राइवेट हॉस्टल की छत से कूदकर 23 वर्षीय सॉफ्टवेयर कर्मचारी ने आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार, युवक की पहचान आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के रहने वाले यशवंत के तौर पर हुई है, जो गाचीबोवली की एक जानी-मानी सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करता था। वह नौकरी के सिलसिले में करीब 10 दिन पहले ही माधापुर के एक को-लिविंग हॉस्टल में रहने आया था।

मंगलवार को यशवंत ने हॉस्टल मैनेजमेंट को बताया कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है। बाद में वह बिल्डिंग की छत पर गया और नीचे कूद गया। उसे गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। माधापुर पुलिस इस घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच कर रही है।

फर्जी नंबर प्लेट पर ट्रैफिक पुलिस की सख्ती, पांच मामले दर्ज

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाहनों पर फर्जी, छेड़छाड़ की गई अथवा अनधिकृत पंजीकरण नंबर प्लेट के बढ़ते मामलों को देखते हुए हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने विशेष प्रवर्तन अभियान तेज कर दिया है। अभियान के तहत पिछले एक सप्ताह में फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल कर वाहन की पहचान छिपाने, यातायात नियमों से बचने और कानून का उल्लंघन करने के आरोप में पांच आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान कई वाहनों की पहचान कर उन्हें जब्त भी किया गया।पुलिस के अनुसार, मामले बंडलागुड़ा, उस्मानिया विश्वविद्यालय और मीरपेट पुलिस थानों के अलावा मल्काजगिरी आयुक्तालय के वनस्थलीपुरम तथा भद्राद्री कोठागुडेम जिले के अश्वरावपेट पुलिस थानों में दर्ज किए गए हैं।ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया कि वाहनों पर केवल सरकार द्वारा स्वीकृत हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) ही मान्य है। नंबर प्लेट में किसी भी प्रकार का बदलाव, अंक हटाना, गलत अंक लगाना अथवा अस्थायी स्टिकर का इस्तेमाल गैरकानूनी है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) डी. जोएल डेविस, आईपीएस ने वाहन मालिकों से निर्धारित नंबर प्लेट नियमों और यातायात कानूनों का पालन करने की अपील की। पुलिस ने चेतावनी दी कि फर्जी नंबर प्लेट के मामलों में आपराधिक कार्रवाई के साथ वाहन जब्त किया जा सकता है। अभियान आगे भी जारी रहेगा।

एमपी के मज़दूर जोड़े की संदिग्ध फ़ूड पॉइज़निंग से मौत

पेड्डापल्ली, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामागिरी मंडल की सेंटेनरी कॉलोनी में मध्य प्रदेश के एक प्रवासी मज़दूर जोड़े की संदिग्ध फ़ूड पॉइज़निंग से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि रविवार रात वकीलपल्ली स्थित अपने घर पर खाना खाने के बाद अजय (28) और उनकी पत्नी दिनेश्वरी (25) ने पेट में तेज़ दर्द की शिकायत की थी। सोमवार को गोदावरीखानी के अस्पताल ले जाते समय अजय की मौत हो गई, जबकि दिनेश्वरी की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिवार वालों को शक है कि जोड़े की मौत फ़ूड पॉइज़निंग की वजह से हुई हो सकती है। यह जोड़ा चार साल पहले रोज़गार की तलाश में वकीलपल्ली आया था। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है। पुलिस ने जोड़े के विसरा और अन्य अंगों के सैंपल जांच के लिए लैब भेजे हैं।

गणेश विसर्जन की तैयारियों को लेकर पुलिस-महापालिका अधिकारियों ने किया निरीक्षण

सभी विभाग आपसी समन्वय से करें काम : सीपी

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस एवं नगर निकाय विभागों को आपसी समन्वय के साथ पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश साइबराबाद के पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने दिए। बुधवार को उन्होंने साइबराबाद पुलिस एवं नगर निकाय के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विसर्जन की तैयारियों की समीक्षा की। इसके बाद सीपी ने आयुक्तालय क्षेत्र के विभिन्न विसर्जन स्थलों का क्षेत्रीय निरीक्षण किया। डॉ. रमेश ने सूराराम सहित विभिन्न तालाबों और विसर्जन स्थलों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पुलिस और नगर निकाय के कर्मचारी संयुक्त रूप से कार्य करें। उन्होंने विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, बैरिकेडिंग, विद्युत प्रकाश व्यवस्था तथा प्रशिक्षित तैराकों की तैनाती सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। सीपी ने कहा कि विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और वाहनों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पहले से विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए।

यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था करने के साथ ही आवश्यकता वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल और बैरिकेड लगाए जाएं। उन्होंने विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा मानकों की लगातार निगरानी करने तथा सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से जिम्मेदारियां निभाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जीएचएमसी आयुक्त जी. सृजना, नगर निकाय के क्षेत्रीय आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त सनप्रीत सिंह, डीसीपी कोटि रेड्डी, डीसीपी रीतिराज, यातायात डीसीपी शेषाद्रिणी रेड्डी, एसबी डीसीपी सुवेंद्र, अतिरिक्त डीसीपी, एसीपी तथा अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा बिजली, नगर निकाय, राजस्व और देवदाय विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

चोरी के मामले का आरोपी रिम्स से भागा, अगले दिन गिरफ्तार

आदिलाबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंदरवेल्ली का रहने वाला चोरी के मामले का एक आरोपी, जो न्यायिक रिमांड पर जेल में बंद था, मंगलवार को रिम्स में इलाज के दौरान अपने सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर भाग निकला। हालांकि, बुधवार को उसे ढूंढकर गिरफ्तार कर लिया गया।

जेल अधिकारियों ने बताया कि 29 अगस्त को इंदरवेल्ली मंडल में दर्ज चोरी के मामले में जेल में बंद अदे अनिल को मानसिक बीमारी के इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया था।

वह अपने दो सुरक्षाकर्मियों को धोखा देकर भागने में कामयाब रहा। अगली सुबह उसे पकड़ लिया गया।

अनिल को पहले एक बुजुर्ग महिला को 4,000 रुपये की पेंशन दिलाने के बहाने 2,000 रुपये ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उसे 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर आदिलाबाद जेल भेजा गया था। शुक्रवार को अदालत ने उसे ज़मानत दे दी थी। उसके परिवार वालों को ज़मानतदार पेश करने की सलाह दी गई थी।

फ्यूचर सिटी में निवेश के लिए सिंगापुर की कंपनियों को प्रोत्साहित करें : श्रीधर बाबू

हैदराबाद,16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल से अपील की कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा विकसित की जा रही महत्वाकांक्षी 'भारत फ्यूचर सिटी' में सिंगापुर की कंपनियों को निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सिंगापुर के तकनीकी और औद्योगिक अनुभव को तेलंगाना से जोड़कर राज्य में फैब उद्योगों के साथ-साथ सहायक उद्योगों और आपूर्ति श्रृंखला के विकास में सिंगापुर की कंपनियों की भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए। सिंगापुर के व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय के ऊर्जा एवं व्यापार विभाग के स्थायी सचिव ऑगस्टिन ली के नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में मंत्री श्रीधर बाबू से मुलाकात की।

इस दौरान मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के माध्यम से तेलंगाना को 'ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब' के रूप में विकसित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। श्रीधर बाबू ने कहा कि उच्च मूल्य वाले उद्योगों, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी आधारित उद्योगों के लिए आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र राज्य में विकसित करने के लिए सरकार योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आईटी एवं आईटीईएस, उभरती प्रौद्योगिकियों, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, उन्नत विनिर्माण, जीवन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस, हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स एवं आपूर्ति श्रृंखला, शहरी बुनियादी ढांचे, अनुसंधान एवं विकास, कौशल विकास तथा नवाचार जैसे क्षेत्रों में सिंगापुर की कंपनियों के लिए तेलंगाना में निवेश के व्यापक अवसर हैं।

50 लाख रुपये के विवाद में इन्वेस्टर के पिता की हत्या

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शेयर बाजार में निवेश से जुड़े एक आर्थिक विवाद में एक व्यक्ति की जान चली गई। मंगलवार रात चिलकलगुडा में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर उस व्यक्ति के पिता की हत्या कर दी, जिसने कथित तौर पर बड़ी रकम का भुगतान नहीं किया था।

पुलिस के अनुसार, भोलाकपुर, मुशीराबाद के रहने वाले मोहम्मद निजामुद्दीन (36) की पहचान कुछ साल पहले चिलकलगुडा के नमालागुंडु निवासी सुमन से हुई थी। सुमन ने कथित तौर पर शेयर बाजार में ट्रेडिंग और निवेश के नाम पर निजामुद्दीन से लगभग 50 लाख रुपये लिए थे, लेकिन बाद में पैसे वापस नहीं किए और फरार हो गया।

पैसे के नुकसान से नाराज और सुमन का पता लगाने में असमर्थ निजामुद्दीन ने कथित तौर पर उसके परिवार को निशाना बनाने का फैसला किया। रात करीब 8 बजे, वह माइलरगड्डा में एवरग्रीन टेंट हाउस के पास सुमन के पिता श्रीनिवास (56) के पास पहुंचा और चाकू से उनके पेट में दो बार वार किया। श्रीनिवास को बहुत ज़्यादा खून बहने लगा और स्थानीय लोग उन्हें अस्पताल ले गए। बेहतरीन इलाज के बावजूद बाद में उनकी मौत हो गई। चिलकलगुडा पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने निजामुद्दीन को हिरासत में ले लिया है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I army no 15435789K RANK -HAV/ORA RAM CHANDRA BEHERA,serving at MILITARY HOSPITAL GOLCONDA, LANGAR HOUSE, HYDERABAD,TELANGANA,Have changed my Mother's name from SUBASHINI BEHERA to SUBASINI BEHERA in my service record, affidavit date 11/09/2026

I, No. 14655049K, Hav, Rajnish Kumar Patel, R/o, Dist: Satna, Madhya Pradesh, changed my Mother's name from Thagiya Bai to Thagiya Patel, vide Affidavit No. 995656 dt. 15.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14655049K, Hav, Rajnish Kumar Patel, R/o, Satna, Madhya Pradesh, changed my Father's name from Ram Darsh Prasad Pat to Ramdaras Patel, vide Affidavit No. 995658 dt. 15.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14654629 M, Hav, Prasanta Gogoi,R/o, Dist: Tinsukia, Assam, changed my Mother's name from Champabewti Gogoi to Champawati Gogoi, vide Affidavit No. 995663 dt 15.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14655529N, Hav, Dipak Roy, R/o, Dist: Jalpaiguri, West Bengal, changed my Son's name from Divya Roy to Dibya Roy, vide Affidavit No. 995664 dt. 15.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14679919P, NK, Anil M, R/o, Vill & PO : Vattappara, Dist: Trivandrum, Kerala, changed my Son's name from Navadev A S to Nived A S , vide Affidavit No. 995665 dt. 15.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

खम्मम रेलवे स्टेशन का 25.41 करोड़ से हो रहा है कायाकल्प

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेजी से चल रहा पुनर्विकास कार्य

रोजाना 20 हजार यात्री, 55 ट्रेनों का है ठहराव

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल में स्थित खम्मम रेलवे स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 25.41 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। स्टेशन पर यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही उनके आवागमन को सुविधाजनक और आरामदायक बनाने के लिए विभिन्न कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। कई प्रमुख कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि शेष कार्य अंतिम चरण में हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेलंगाना के 40 रेलवे स्टेशनों का करीब 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2023 और फरवरी 2024 में राज्य के विभिन्न स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी थी। इसी क्रम में खम्मम रेलवे स्टेशन को भी आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है।खम्मम रेलवे स्टेशन को नॉन-सबर्बन ग्रेड-3 (एनएसजी-3) श्रेणी में रखा गया है। यह काजीपेट-विजयवाड़ा रेलखंड पर स्थित है और यहां प्रतिदिन औसतन करीब 20 हजार यात्रियों का आवागमन होता है। स्टेशन पर लगभग 55 ट्रेनों का ठहराव है। नई दिल्ली, हावड़ा, चेन्नई, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, सिकंदराबाद और तिरुपति समेत कई प्रमुख शहरों के लिए चलने वाली महत्वपूर्ण सुपरफास्ट ट्रेनों का भी यहां ठहराव होता है। पुनर्विकास परियोजना के तहत स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज, लिफ्ट, एस्केलेटर और प्लेटफॉर्म के फर्श से जुड़े कार्य पूरे किए जा चुके हैं। इसके अलावा रिटायरिंग रूम, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कक्ष और एसी लाउंज में भी सुधार किया गया है। नए स्टेशन भवन, लैंडस्केपिंग, सर्कुलेटिंग एरिया और स्टेशन के बाहरी स्वरूप को आधुनिक बनाने का काम तेजी से चल रहा है।

खम्मम रेलवे स्टेशन दिल्ली-चेन्नई और हैदराबाद-विजयवाड़ा रेल मार्गों के महत्वपूर्ण जंक्शन क्षेत्र में स्थित है। इसके कारण उत्तर और दक्षिण भारत के बीच रेल यातायात में इसकी अहम भूमिका है। खम्मम जिला मुख्यालय होने के साथ यहां प्रमुख शिक्षण संस्थान, केंद्र और राज्य सरकार के कार्यालय भी हैं। आसपास के कई कस्बों और गांवों के लोगों के लिए यह प्रमुख रेलवे स्टेशन है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण स्टेशन के पुनर्विकास से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं, आसान पहुंच और अधिक सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। रेलवे के मुताबिक, परियोजना पूरी होने के बाद स्टेशन का आधुनिक स्वरूप स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देने में सहायक होगा।

फंड को लेकर बीजेपी एमएलए राकेश रेड्डी ने इस्तीफ़ा देने की धमकी दी

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फंड और विकास परियोजनाओं की मंज़ूरी में अपने आर्मूर निर्वाचन क्षेत्र के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए, बीजेपी पी. राकेश रेड्डी ने बुधवार को विधानसभा में घोषणा की कि वे अपने पद से इस्तीफ़ा दे देंगे।

राकेश रेड्डी ने आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और अन्य मंत्रियों से बार-बार अपील करने के बावजूद, उनके निर्वाचन क्षेत्र के मुद्दों को हल करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई। राकेश रेड्डी ने कहा, मंत्रियों के निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मंज़ूर किए गए फंड और परियोजनाओं की तुलना में, आर्मूर के लिए 50 प्रतिशत भी मंज़ूर नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में राजस्व कार्यालय की खराब स्थिति को उजागर करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि उन्हें मंत्रियों के निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मंज़ूर किए जा रहे फंड के बारे में जानकारी है और उन्होंने आर्मूर में 27 करोड़ रुपये की लागत से एक इंटीग्रेटेड ऑफिस कॉम्प्लेक्स के निर्माण की मांग की। राकेश रेड्डी ने कहा अगर मेरे निर्वाचन क्षेत्र के मुद्दों का समाधान नहीं किया जाता है और फंड जारी नहीं किया जाता है, तो मैं अपना इस्तीफ़ा सौंपने के लिए तैयार हूं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि फंड और विकास कार्यों के लिए लोगों को सरकार से कितनी बार गुहार लगानी चाहिए।

भारतीय रेल खानपान & पर्यटन निगम लि.
(भारत सरकार का उपक्रम—नवरत्न)
दक्षिण मध्य क्षेत्र-सिकंदराबाद
सीआइएन:एल74899डीएल1999जीओआय101707
IRCTC

योग्य पेशेवरों हेतु वॉक-इन इंटरव्यू

भारतीय रेल खानपान और पर्यटन निगम लि. (आईआरसीटीसी लि.), दक्षिण मध्य क्षेत्र-सिकंदराबाद द्वारा अनुबंध आधार पर योग्य पेशेवरों ड्क्वालिफाइड प्रोफेशनल्स की सेवाएं लेने हेतु निम्न पदों पर भर्ती करने का इरादा रखती है।

1 हास्पिटालिटी मॉनिटर्स 2 टुरिज्म मॉनिटर्स 3 सीएडसीएमए

अतिरिक्त जानकारी जैसे अर्हता मानदंड, वॉक-इन-इंटरव्यू दिनांकड्स्थान & तत्संबंधित भर्ती की अन्य नियम & शर्तें आदि हेतु **वेबसाइटः**www.irctc.com पर जाएं।

होटल में छापा, चार महिलाओं समेत छह लोग हिरासत में

रोहतास, 16 सितंबर (एजेंसियां)। रोहतास जिले के डेहरी ऑन सोन में रात एक होटल में प्रशासन की अचानक छापेमारी से हड़कंप मच गया। डेहरी एसडीएम निलेश कुमार के नेतृत्व में स्टेशन रोड स्थित अनीश होटल में छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान होटल के अलग-अलग कमरों से चार महिलाओं समेत छह लोगों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया। सभी को हिरासत में लेकर फिलहाल पूछताछ की जा रही है। प्रशासन को पिछले कुछ दिनों से होटल में कथित अवैध गतिविधियों और देह व्यापार की शिकायतें मिल रही थीं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतों के आधार पर डेहरी एसडीएम निलेश कुमार मंगलवार रात पुलिस और प्रशासनिक टीम के साथ स्टेशन रोड स्थित अनीश होटल पहुंचे। टीम ने होटल के कमरों की जांच की। इस दौरान कई लोग आपत्तिजनक हालत में मिले। प्रशासन के मुताबिक, मौके से कुछ आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी लोगों को हिरासत में लेकर पूरे मामले की जांच की जा रही है।

मेरठ सेंट्रल मार्केट पर चल गया बुलडोजर

इलाका सील, व्यापारी नेता हाउस अरेस्ट

मेरठ, 16 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में मेरठ के शास्त्रीनगर स्थित सेंट्रल मार्केट में सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के अनुपालन में बुधवार की सुबह अवैध निर्माणों और व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ आवास विकास परिषद और पुलिस, प्रशासन का बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। बुधवार सुबह-सुबह ही भारी मात्रा में पुलिस बल, पीएसी और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई आरंभ की गई। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के बीच नई सड़क से लेकर सेक्टर-6 तक पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया और चप्पे-चप्पे पर बैरिकेडिंग कर घेराबंदी कर दी गई।

जिन 44 चिन्हित और सील किए गए ऐसे भवनों व व्यावसायिक परिसरों में कोर्ट के आदेशों का अनुपालन नहीं किया गया है और तय समयसीमा में अवैध हिस्से नहीं हटाए गए, वहां आवास विकास परिषद द्वारा ध्वस्तीकरण की यह कार्रवाई की जा रही है। सुबह 10.42 बजे- मेरठ व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष, शैंकी वर्मा ने कहा कि शास्त्री नगर में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आज हो रही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के विरोध में मैं व्यापारियों और प्रभावित परिवारों के साथ खड़े होने के लिए सेंट्रल मार्केट जाने के लिये घर से निकला था।

लेकिन पुलिस प्रशासन ने मुझे मेरे आवास से निकलते समय ही रोक दिया और बाहर जाने की अनुमति नहीं दी। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मेरा उद्देश्य किसी कानून-व्यवस्था को बिगाड़ना नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र के व्यापारियों और आम नागरिकों की आवाज़ उठाना है। इस प्रकार हम नेताओ को घर पर रोक देना कोई समाधान नही बल्कि तानाशाही है। सुबह 10.36 बजे- लोगों का आरोप है कि पुलिस और प्रशासन लोगों को वहां वीडियो या फोटो नहीं बनाने दे रहे हैं। इलाके को छावनी में बदला हुआ है। नेताओं के आरोप हैं कि उन्हें घर में बंद किया हुआ है। सुबह 10.25 बजे- विपक्षी और कई व्यापारी नेताओं को हाउस अरेस्ट किया गया है। ध्वस्तीकरण का लंबे समय से विरोध जारी है। सुबह 10.22 बजे- नई सड़क से लेकर सेक्टर-6 तक के इलाकों को पुलिस ने सील किया है। सेंट्रल मार्केट की पुलिस, प्रशासन ने घेराबंदी कर बुलडोजर से ध्वस्तीकरण जारी रखा है।

क्रिकेटर रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज 4 दिसंबर को लखनऊ में सात फेरे लेंगे

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)। क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज की शादी की तारीख और स्थान तय हो गया है। इसके साथ ही शादी को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर भी विराम लग गया है। खेल और राजनीति के इस हाई प्रोफाइल गठबंधन का लंबे समय से प्रशंसकों और समर्थकों को इंतजार था। रिंकू और प्रिया सरोज लखनऊ में 4 दिसंबर को सात फेरे लेंगे।

दोनों की सगाई भी लखनऊ में ही हुई थी। उस समय चर्चा थी कि शादी वाराणसी के होटल ताज में होगी। प्रिया सरोज के संसदीय क्षेत्र मछली शहर में वाराणसी जिले का पिंडरा विधानसभा क्षेत्र भी आता है। प्रिया के पिता जौनपुर के केराकत से विधायक और पूर्व सांसद तूफानी सरोज ने बताया कि दोनों परिवारों की सहमति से तारीख और स्थल तय कर लिया गया है।

लखनऊ के रमाडा होटल में चार दिसंबर को भव्य आयोजन होगा। इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। बनारस में करखियांव (कठेरवा) स्थित प्रिया के गांव में बने घर को सजाया संवारा जा रहा है।

सगाई भी लखनऊ के ही द सेंट्रम होटल में हुई थी। दोनों परिवारों में शादी की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो चुकी हैं। क्रिकेट और राजनीति से जुड़े दिग्गजों के जमावड़े की उम्मीद है। प्रिया सरोज समाजवादी पार्टी की सांसद हैं तो उसके सभी सांसदों-विधायकों के रहने की तो पहले से ही उम्मीद है। रिंकू सिंह जिस कोलकाता राइडर के साथ खेलते हैं उस टीम के मेंबर के अलावा भारतीय टीम के भी तमाम खिलाड़ियों को न्योता देने की उम्मीद है।

पुलिस मुठभेड़ के बाद चार चोर गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर , 16 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर में बुधवार की सुबह थाना तितावी पुलिस और तार चोरी करने वाले गिरोह के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और तार चोरी करने वाले गिरोह के बीच उस समय मुठभेड़ हुई, जब तार चोरी की घटना को अंजाम देने के लिए जा रहे थे। थाना तितावी पुलिस की टीम मुखबिर की सूचना पर मौके पर पहुंची थी।

पुलिस ने सामने से आते बदमाशों को देखकर रुकने का इशारा किया तो आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी और भागने लगे। वहीं पुलिस की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। इसके अलावा, पुलिस ने मौके से 3 अन्य अपराधियों को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से मुठभेड़ में घायल बदमाश की पहचान शाहनवाज के रूप में हुई।

पुलिस ने शाहनवाज को उपचार के लिए हॉस्पिटल भिजवाया। अन्य आरोपियों की पहचान जुनैद उर्फ शाहरुख, ताहिर और आसिफ के रूप में हुई है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे, कारतूस, दो बाइक और दो चाकू बरामद किए हैं। इसके अलावा, पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 कुंतल से अधिक चोरी का तार बरामद किया है। चोरी किए गए तार को दिल्ली ले जाने के लिए इस्तेमाल की जा रही मैजिक गाड़ी भी पुलिस ने बरामद की है।

'सरकार बनने दो, सीएम कोटे से आईएएस बनवा दूंगा

अब मुश्किल में सपा नेता राजन रिजवी, मथुरा में एफआईआर

मथुरा, 16 सितंबर (एजेंसियां)। एक महिला बैंककर्मी को अश्लील चैट भेजने और सरकार बनने पर आईएएस बनवाने का झांसा देने के आरोप में सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश महासचिव राजन रिजवी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। महिला के प्रार्थना-पत्र पर कोतवाली पुलिस ने नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

मुकदमा दर्ज होने के बाद उन्होंने सभा के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद शकील नदवी ने राजन रिजवी को पद से हटा दिया है। स्टेट बैंक चौराहा स्थित एक बैंक में कार्यरत महिला का आरोप है कि राजन रिजवी ग्राहक बनकर बैंक आता था और काफी समय से उनके आसपास रहने व उन्हें असहज करने का प्रयास कर रहा था। आरोप है कि उसने किसी माध्यम से महिला का निजी मोबाइल नंबर हासिल कर संपर्क शुरू किया। विरोध करने पर पर सीडीआर निकलवाने की धमकी देकर मानसिक दबाव बनाया गया। महिला ने आरोप लगाया कि उनकी और उसके वाहन की तस्वीरें ली गईं।

रात में पारिवारिक आवास के आसपास संदिग्ध गतिविधियां देखे जाने की सूचनाएं मिलीं। परिवार की गतिविधियों की जानकारी सुरक्षाकर्मियों और रसोइए से जुटाने का भी आरोप लगाया गया है। महिला के पति वन विभाग में कार्यरत हैं। पीड़िता ने आशंका जताई है कि निजी सुरक्षा संसाधनों का इस्तेमाल कर उनके पति की आवाजाही से जुड़ी गोपनीय जानकारी जुटाई जा रही है, जिसका इस्तेमाल उनके खिलाफ साजिश में किया जा सकता है।

समान नागरिक संहिता पर सांसद संजय सिंह बोले

भाजपा को हर समय में 'झगड़े' की जरूरत

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने रात अपने शहर स्थित आवास पर मीडिया से बातचीत में समान नागरिक संहिता को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपाइयों को मिर्गी के दौरे पड़ते हैं।

जैसे दौरे कुछ-कुछ समय पर आते हैं, वैसे ही भाजपा को लगता है कि देश में कोई झगड़ा नहीं हो रहा है तो नया मुद्दा खड़ा कर दिया जाए। संजय सिंह ने भाजपा को 'भारतीय झगड़ा पार्टी' बताते हुए आरोप लगाया कि वह देश को बर्बाद करना चाहती है।

उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों में जनता को उलझाने से उसकी तरक्की नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अलग-अलग धर्मों में विवाह और धार्मिक परंपराएं अलग हैं। समान कानून लागू होने से इन मान्यताओं पर असर पड़ेगा। संविधान में अलग-अलग धर्मों की मान्यताओं और परंपराओं की स्वतंत्रता की गारंटी दी गई है। सांसद ने दो हजार रुपये से अधिक के लेनदेन पर शुल्क को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा और इसे जनता की जेब पर बोझ बताया।

'राहुल गांधी पर भूत सवार' यूपीआई पेमेंट मामले पर भड़के गिरिराज सिंह

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने यूपीआई ट्रांजैक्शन पर 0.4 फीसदी एमडीआर चार्ज लगाने के आदेश के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। गिरिराज सिंह ने उन पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 'पागल आदमी है, इसको अमेरिका का भूत है।' केंद्रीय मंत्री ने यूसीसी को लेकर अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि इसमें कम्युनल कॉन्सपिरेसी कैसे हो गई। उन्होंने कहा कि देश का बंटवारा किस आधार पर हुआ था और नेहरू जी ने तुष्टिकरण के चलते भारत में मुसलमानों को शरिया कानून मानने की अनुमति दी तथा मस्जिदों को अलग स्टेटस दिया। यूसीसी पर जदयू के रुख को लेकर सिंह ने कहा कि जबरदस्ती कुछ भी नहीं होगा। बातचीत होगी और उसके आधार पर चीजें आगे बढ़ेंगी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर गिरिराज सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता कहां खत्म हो गई, अगर हत्या, चोरी या दूसरे अपराधों में शरिया कानून नहीं माना जाता तो हर मामले में अलग कानून की मांग क्यों। उन्होंने शाहबानो मामले का जिक्र करते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी मुल्लाओं के सामने झुक गए थे, लेकिन "ये मोदी सरकार है, झुकेगी नहीं", देश में एक देश, एक कानून रहेगा।

आईएएस हरजोत कौर बम्हरा कौन हैं

जिन्हें दी गई बीपीएससी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हरजोत कौर बम्हरा को दी गई है। राज्य प्रशासन में लंबे समय से सक्रिय हरजोत कौर अपनी कार्यकुशलता और सख्त निर्णयों के लिए पहचानी जाती हैं।

बीपीएससी जैसे महत्वपूर्ण आयोग की जिम्मेदारी मिलने के बाद उनसे राज्य में पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध परीक्षा प्रक्रियाओं को संचालित करने की बड़ी उम्मीदें जताई जा रही हैं। प्रशासनिक गलियारों में उनकी नियुक्ति को आयोग की कार्यप्रणाली को अधिक मजबूत बनाने के कदम के रूप में देखा जा रहा है। हरजोत कौर बम्हरा 1992 बैच की बिहार कैडर की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। उन्होंने राज्य के विभिन्न प्रशासनिक पदों पर रहते हुए कई अहम जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया है।

मिनीगन फैक्ट्री का खुलासा

5 अर्धनिर्मित कट्टा और 12 कारतूस बरामद; 4 गिरफ्तार

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बाढ़ थाना क्षेत्र के बनारसी घाट गांव में पुलिस ने अवैध रूप से चल रही मिनीगन फैक्ट्री का खुलासा किया है। बिहार एसटीएफ की विशेष टीम और पटना जिला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए हथियार बनाने वाले कारीगर समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान मौके से अर्धनिर्मित हथियार, जिंदा कारतूस, हथियार बनाने के उपकरण और 62 हजार रुपये नकद बरामद किये गये। कार्रवाई 15 सितंबर को की गयी। पुलिस के अनुसार, एसटीएफ की विशेष टीम को बाढ़ थाना क्षेत्र के बनारसी घाट गांव में अवैध तरीके से हथियार बनाने की सूचना मिली थी।

सूचना के आधार पर टीम ने वहां छापेमारी की। इस दौरान मौके पर हथियार निर्माण का काम चल रहा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कौशल कुमार, रेखा देवी, गौरव कुमार पांडेय और सोनू कुमार को गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस को पांच अर्धनिर्मित कट्टा और 12 जिंदा कारतूस मिले। इसके अलावा तीन अर्धनिर्मित बैरल, तीन बेस मशीन, दो ग्राइंडर मशीन और एक ड्रिल मशीन भी बरामद की गयी। हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों के साथ 62 हजार रुपये नकद भी पुलिस ने जब्त किये हैं।

अखिलेश यादव बोले

यूसीसी भाजपा का सांप्रदायिक षड्यंत्र है

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश में समान नागरिक संहिता लागू किए जाने को लेकर बयान दिया है। उन्होंने इसे भाजपा का ध्यान भटकाने पर वाला मुद्दा करार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा जिस यूसीसी (समान नागरिक संहिता) की बात कर रही है उसका फुल फॉर्म अंडरग्राउंड कम्युनल कांस्पिरेसी (अंडरग्राउंड सांप्रदायिक षडयंत्र) है। उन्होंने कहा कि पहले 15 लाख हर खाते में पहुंचाने और दो करोड़ नौकरी देने के पिछले वादों को भाजपा निभाए, उसके बाद नए जुमला लेकर आए। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश का भविष्य के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना लोकतंत्र के हित में है।

यूपी की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था चौपट है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की हद हो गई है। इसलिए भाजपा सरकार को सत्ता से हटाना ही एकमात्र उपाय है। सपा पीडीए को एकजुट करके यूपी से भाजपा सरकार का सफाया करने के संकल्पित है। उन्होंने कहा कि भाजपा कोई नई योजना लागू करने में सफल नहीं हो सकी। दिखाने के लिए भी उसके पास सिर्फ सपा के समय के काम है। भाजपा जबसे सत्ता में आई है, महिला अपराध, फर्जी एनकाउंटर और पुलिस हिरासत में मौतों के आंकड़ों में यूपी अव्वल नंबर पर है।

नाबालिग से हैवानियत गर्भवती हुई तो पत्नी के साथ कराया जबरन गर्भपात महिला हिरासत में

सहरसा, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के सहरसा जिले से नाबालिग के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सलखुआ थाना क्षेत्र के एक गांव में 55 वर्षीय व्यक्ति पर पड़ोस में रहने वाली 13 वर्षीय दिव्यांग किशोरी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। आरोप है कि किशोरी के गर्भवती होने के बाद आरोपी ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर उसे बहला-फुसलाकर निजी अस्पताल ले गया और वहां उसका जबरन गर्भपात करा दिया।

मामले में पीड़िता की मां के लिखित आवेदन पर पुलिस ने बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने नामजद महिला आरोपी को हिरासत में ले लिया है, जबकि मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

'मस्जिद वहीं बनेगी, हम कोर्ट में भी जीतेंगे'

सहारनपुर में इकरा हसन का बड़ा बयान

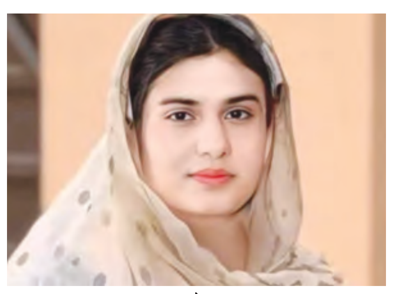

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सहारनपुर उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले सहारनपुर में मस्जिद गिराए जाने का मुद्दा एक बार फिर से गर्माता हुआ दिख रहा हैं। समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने इस मस्जिद को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग सहारनपुर को दूसरा सँभल बनाना चाहते थे। मैं वादा करती हूं कि ये मस्जिद वहीं बनेगी और इंशाअल्लाह जरूर बनेगी। सपा सांसद इकरा हसन सहारनपुर में आयोजित पीडीए कार्यक्रम में पहुंची थी, जहां उन्होंने यूपी सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इनके पास सिर्फ एक मुद्दा है हिन्दू मुसलमान करने का। एक कहावत है कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती और वो हांडी अब चढ़ नहीं रही है लेकिन, मस्जिदों को तोड़ कर उस मामले को तूल देने का काम किया जा रहा है।

सपा सांसद ने कहा कि इनका इरादा सहारनपुर में दंगा भड़काने का था, सहारनपुर को दूसरा संभल बनाने का था और कुछ नहीं था। हमारी जब यहां सबसे बात हुई तो हमारे जो हिन्दू भाई हैं चाहे वो किसी भी जाति के हो सबको इस बात का दुख है कि किसी भी आस्था की जगह को इस तरह से तोड़ना नहीं चाहिए था। ये पाप है, ये जिन्होंने किया वो उनके सामने आएगा। इससे कोई भी हमारा हिन्दू भाई ख़ुश नहीं है। इकरा हसन ने कहा कि ये मस्जिद आज की नहीं है सौ साल पुरानी थी। वहीं पर ये मस्जिद थी वहीं मंदिर भी है। ये एक ख़ूबसूरत जो भाईचारा था उसे तोड़ने का प्रयास था। लेकिन, मैं सहारनपुर की जनता धन्यवाद देना चाहती हूं कि सभी लोगों ने बहुत सब्र से काम लिया। उन्होंने कहा कि मैं आपको यकीन दिलाना चाहती हूं कि मस्जिद भी बनेगी और ये जंग हम अदालत में भी जीतेंगे। क्योंकि हमारे कागज मजबूत हैं।

बस संयम रखिए, धैर्य रखिए। बस तीन चार महीने की बात है उसके बाद किसी तरह से आपकी और हमारी मजबूती साथ ही है तो मैं कह सकती हूं कि हम यूपी में अपनी सरकार बना लेंगे। बता दें कि बीते दिनों सहारनपुर कलेक्ट्रेट स्थित एक मस्जिद को जिला कोर्ट के आदेश के बाद बुलडोज़र से ढहा दिया गया था। मुस्लिम पक्ष का दावा है कि ये ज़मीन वक्फ की थी और सौ सालों से यहां पर बनी हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन ने बिना मौका दिए उनकी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया।

मेरी हत्या की साजिश, कार जलाने की तैयारी थी

बाराबंकी पथराव पर चंद्रशेखर आजाद का आरोप

नगीना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। आजाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने गोंडा जाते समय बाराबंकी रोके जाने, धक्कामुक्की और पथराव को लेकर एक बड़ा आरोप लगाया है। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि एक फार्म हाउस में उनकी हत्या की साजिश रची गई थी। कहा कि बोतल में पेट्रोल-डीजल लेकर लोग घूम रहे थे। मेरी कार जलाने की तैयारी थी। कहा कि पूरे पास इसकी पुख्ता सूचना है। सरकार से पूरे मामले की जांच करा ले। पता चल जाएगा कि कौन साजिश रच रहा था। चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक वीडियो जारी कर पुलिस प्रशासन पर कई आरोप भी लगाए। इशारों में विरोधियों को चेतावनी भी दी।

दरअसल, गोंडा में विनोद साहनी की हत्या के बाद उनके परिवार से मिलने जा रहे चंद्रशेखर को पुलिस ने बाराबंकी में रोक दिया था। इसी दौरान पुलिस से उनकी झड़प हुई। धक्कामुक्की के बीच ही कुछ लोगों बाहरी लोगों पर उनके समर्थकों के साथ मारपीट का आरोप लगा। इस दौरान उनके काफिले पर पथराव का भी आरोप है। चंद्रशेखर ने कहा कि चाहे आरक्षण का विरोध हो या यूजीसी का मामला हो, आजाद समाज पार्टी का चेहरा बनकर मैंने ने अकेले मुखर होकर विरोध किया है। पूरे प्रदेश में हत्याएं हो रही हैं। इसे लेकर भी हमारी पार्टी ही आंदोलित है। रामलखन मौर्य की हत्या हो या विनोद साहनी की, रमेश कोहली की हत्या हो या कौशांबी की पाल समाज की बेटी का मामला रहा हो। जहां-जहां अत्याचार हुआ आजाद समाज पार्टी की ओर से मैं मुखर रहा। सहारनपुर की मस्जिद का मामला हो या बिजनौर का मामला हो हर जगह जाकर विरोध किया और कमजोरों की आवाज उठाने का काम किया है।

कहा कि जब राजनीतिक रूप से मुझे नहीं रोक पा रहे तो हत्या की साजिश रची जा रही है। सरकार इसकी जांच करा ले, दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। चंद्रशेखर ने बिना किसी का नाम लिए विरोधियों को चेतावनी भी दी। कहा कि मेरी मौत आपके हाथ लिखी होगी तो हो जाएगी, लेकिन विश्वास कीजिए अगर आप कामयाब नहीं हो पाए और मेरे लोगों ने मुझे ताकत दी तो आप जैसे गुंडों को पलायन करना पड़ेगा। मौत तो एक दिन आनी है, मौत से डरकर नहीं जिया जा सकता है।

'मैंने पत्नी का सिर काट दिया', हरदोई में अवैध संबंधों के शक में युवक ने की पत्नी की हत्या थाने पहुंचकर चीखने लगा

हरदोई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। हरदोई की कोतवाली शहर क्षेत्र के इस्लाम नगर टिलिया में बुधवार तड़के एक युवक ने अपनी पत्नी का गला काटकर अलग कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद युवक थाने पहुंचा और पुलिस को बताया कि उसने पत्नी की हत्या कर दी है। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लिया और शव का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, हरदोई के वेटगंज निवासी परवेज अपनी 28 वर्षीय पत्नी नगमा के साथ शहर के इस्लाम नगर टिलिया मोहल्ले में किराए के घर में रहता था। बुधवार सुबह करीब 2 बजे जब उसकी पत्नी नगमा गहरी नींद में सो रही थी। उसी समय युवक ने अपनी पत्नी की गर्दन काट दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

सपा नेता पवन यादव हत्याकांड में पुलिस का बड़ा एक्शन

लल्ला यादव, बृजेश यादव और निहाल अली को किया गया गिरफ्तार

प्रयागराज, 16 सितंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में सपा नेता और पूर्व प्रधान पवन यादव हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लल्ला यादव, बृजेश यादव और निहाल अली के रूप में हुई है। तीनों पर पवन यादव की हत्या में शामिल होने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि आरोपी एक ही बाइक से घटनास्थल तक पहुंचे थे और वारदात के बाद फरार हो गए थे। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल बाइक के साथ दो तमंचे भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार वारदात के समय निहाल अली बाइक चला रहा था, जबकि बृजेश यादव उसके बीच में और लल्ला यादव सबसे पीछे बैठा था। पुलिस का दावा है कि इसी दौरान लल्ला यादव ने पवन यादव पर गोली चलाई। इसके बाद तीनों बाइक से मौके से भाग निकले। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में हत्या के बाद तीन बाइक सवारों के भागने की बात सामने आई थी। इसी फुटेज और जांच के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पुलिस की पूछताछ में लल्ला यादव ने पवन यादव के साथ व्यक्तिगत दुश्मनी होने की बात बताई है। पुलिस के मुताबिक वारदात में इस्तेमाल किए गए दो तमंचे और कारतूस करीब 20 हजार रुपये में खरीदे गए थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही हथियारों और बाइक की बरामदगी की कार्रवाई भी की है। अब पुलिस हत्या के पीछे की पूरी वजह और इस वारदात में अन्य किसी व्यक्ति की भूमिका की भी जांच कर रही है। पवन यादव की हत्या के बाद परिवार की ओर से वर्तमान प्रधान के पति विनोद यादव और हिस्ट्रीशीटर लल्ला यादव पर हत्या में शामिल होने का शक जताया गया था।

अमृत ग्रुप पर ईडी का शिकंजा

कोलकाता-इंदौर में 17 ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता, 16 सितंबर (एजेंसियां)। आम लोगों से ज्यादा रिटर्न देने का वादा कर पैसे जुटाने और बाद में रकम नहीं लौटाने के आरोपों को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अमृत ग्रुप ऑफ कंपनीज के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की कोलकाता जोनल ऑफिस की टीम ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 17 के तहत कोलकाता और इंदौर में 17 ठिकानों पर तलाशी और जब्ती की कार्रवाई शुरू की है। ईडी के मुताबिक, ये कार्रवाई अमृत ग्रुप ऑफ कंपनीज से जुड़े निदेशकों और प्रमोटरों, जिनमें केसी दुजारी और काली किशोर बागची समेत अन्य लोग शामिल हैं, उनके आवासीय और कार्यालय परिसरों पर की जा रही है।

जांच एजेंसी का आरोप है कि अमृत ग्रुप की कंपनियों और उनके निदेशकों ने अलग-अलग डिपॉजिट स्कीम के नाम पर आम लोगों से बड़ी रकम जमा कराई। इस दौरान लोगों को उनकी

जमा रकम पर आकर्षक और ज्यादा रिटर्न देने का भरोसा दिया गया था। हालांकि, आरोप है कि बाद में कंपनी ने वादा किए गए रिटर्न का भुगतान नहीं किया और लोगों की रकम भी वापस नहीं की। जिसके बाद शिकायत दर्ज कराई गई। ईडी की टीम तलाशी के दौरान दस्तावेजों, वित्तीय लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री की जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आम लोगों से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल कहां और किस तरह किया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

कोलकाता और इंदौर में 17 जगहों पर तलाशी

बताया जा रहा रह है कि कोलकाता में कुल छह जगहों पर तलाशी ली जा रही है। इसी के साथ इंदौर में भी कई जगहों पर तलाशी अभियान जारी है। ईडी मुताबिक कोलकाता और इंदौर में 17 जगहों पर तलाशी ली जा रही है। बुधवार सुबह 6 बजे से ही ईडी कोलकाता में सक्रिय है। ईडी के अधिकारी कोलकाता के नारकेलडांगा, नेताजीनगर और रवींद्र सरोवर थाना क्षेत्रों में 6 ठिकानों पर पहुंचे हैं। उनके साथ केंद्रीय सेना के जवान भी हैं। आज सुबह ईडी के अधिकारी सबसे पहले नारकेलडांगा और नेताजी नगर में एक व्यवसायी के घर पहुंचे। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय की टीम अन्य स्थानों पर भी पहुंची। जांचकर्ता संबंधित संगठन के वित्तीय लेनदेन, दस्तावेजों और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों की जांच कर रहे हैं।

बंगाल में भाजपा विधायक का परिवार परेशान सीबीआई से हताश; बेटी के साथ हुआ था बुरा

कोलकाता, 16 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के आरजी कर मामले की जांच को लेकर जान गंवाने वाली डॉक्टर के परिवार ने सवाल उठाए हैं। खास बात है कि पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ भारतीय जनता पार्टी की विधायक हैं। अब देबनाथ के पति का कहना है कि आरोपियों को छोड़ा जा रहा है और सीबीआई को पता है कि आरोपी कौन हैं। डॉक्टर को 2024 में दुष्कर्म के बाद मौत के घाट उतार दिया गया था। खास बात है कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अगस्त में नए सिरे से जांच के आदेश दिए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीड़िता के पिता शेखर देबनाथ ने जांच की रफ्तार पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि सीबीआई को पता है कि मुख्य आरोपी कौन हैं, लेकिन इसके बाद भी तीन ही गिरफ्तारियां क्यों की गईं हैं।

उन्होंने कहा, 'हम कह कहकर थक गए हैं कि दूसरों की भूमिका क्या है। उन आरोपियों को क्यों छोड़ दिया गया है। इन सवालों के जवाब नहीं मिले हैं।' उन्होंने कहा, 'जो असली आरोपी हैं, वो अब भी जांच के दायरे से बाहर हैं।' उन्होंने आरोप लगाए हैं कि बार-बार सवाल पूछे जाने पर भी उनका जवाब नहीं दिया जा रहा है। दरअसल, हाल ही में सीबीआई ने सियालदाह कोर्ट में केस की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की है। देबनाथ परिवार ने इस रिपोर्ट पर आपत्ति उठाई है।

सेब उत्पादन पर मौसम की मार, मंडियों में 44% कम पहुंची फसल

शिमला, 16 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष सेब उत्पादन पर प्रतिकूल मौसम का गहरा असर देखने को मिल रहा है। सेब सीजन अंतिम चरण में पहुंच चुका है, लेकिन राज्य की मंडियों में एक करोड़ पेटी सेब की आवक भी नहीं हो सकी। बागवानी विभाग के आंकड़ों के अनुसार विभिन्न मंडियों में केवल 91.20 लाख पेटी सेब पहुंचा है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि तक यह आंकड़ा करीब 1.62 करोड़ पेटी था। इस तरह इस बार मंडियों में 70.80 लाख पेटी कम सेब पहुंचा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 44 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इस बार उत्पादन में कमी का सबसे अधिक असर कम और मध्यम ऊंचाई वाले क्षेत्रों के बागवानों पर पड़ा है।

सर्दियों में पर्याप्त बर्फबारी न होने से पेड़ों को आवश्यक ठंड और नमी नहीं मिल सकी। इसके बाद मार्च-अप्रैल में फूल आने के दौरान हुई बारिश और बर्फबारी तथा फ्रूट सेटिंग के समय पड़े ओलों और ठंड ने फसल को नुकसान पहुंचाया। मौसम के लगातार उतार-चढ़ाव के कारण उत्पादन में भारी गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर बताई जा रही है और वहां अभी भी सेब की तुड़ान जारी है। ऐसे में आने वाले दिनों में मंडियों में कुछ और आवक बढ़ने की संभावना बनी हुई है। मौजूदा आंकड़ों को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि इस बार प्रदेश का कुल सेब उत्पादन पिछले डेढ़ दशक के निचले स्तर के करीब पहुंच सकता है। वर्ष 2011 में हिमाचल में करीब 1.38 करोड़ पेटी सेब का उत्पादन हुआ था, जबकि वर्ष 2010 में रिकॉर्ड 5.11 करोड़ पेटी उत्पादन दर्ज किया गया था। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतिम उत्पादन का आकलन सीजन समाप्त होने के बाद ही संभव होगा, क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों की फसल अभी मंडियों तक पहुंचनी बाकी है। वर्ष 2025 में हिमाचल में करीब 3.51 करोड़ पेटी सेब का उत्पादन हुआ था। इसके मुकाबले इस वर्ष अब तक की मंडी आवक काफी पीछे चल रही है।

काजी कैंप पर मिसाइल वाले बयान से असदुद्दीन ओवैसी भड़के

रामेश्वर शर्मा को दिया चैलेंज, माई के लाल हो तो बताओ कब लॉन्च करोगे?

भोपाल, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी का सियासी पारा इन दिनों सातवें आसमान पर है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भोपाल में आयोजित एक सभा के दौरान बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा के उस चर्चित बयान पर तीखा पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने काजी कैंप पर मिसाइल गिराने की बात कही थी। ओवैसी की इस खुली चुनौती ने सूबे की राजनीति में भूचाल ला दिया है। भोपाल में सभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा के बयान को आड़े हाथों लिया।

उन्होंने कहा कि अगर विधायक में हिम्मत है, तो वह सीधे काजी कैंप आएं और वहां मिसाइल लॉन्च करके दिखाएं। ओवैसी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह किसी भी दबाव के आगे झुकने वाले नहीं हैं और जरूरत पड़ने पर अकेले काजी कैंप में खड़े होकर शहीद होने के लिए भी पूरी तरह तैयार हैं। इस दौरान ओवैसी ने काजी कैंप के ऐतिहासिक और स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए योगदान को याद किया। उन्होंने कई स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों के नामों का जिक्र करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के लोगों का देश की आजादी में अहम योगदान रहा है। गौरतलब है कि बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने करोंद में एक कार्यक्रम के दौरान विवादित टिप्पणी करते हुए कहा था कि करोंद चौराहे से मिसाइल चलाकर काजी कैंप में गिराई जा सकती है।

हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद विधायक ने सफाई दी थी कि उनका इशारा भोपाल के नहीं बल्कि इस्लामाबाद के काजी कैंप की ओर था। सिर्फ स्थानीय बयानों तक सीमित न रहते हुए ओवैसी ने देश के राष्ट्रीय मुद्दों पर भी केंद्र सरकार और संघ को घेरा। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि इसके जरिए आरएसएस का छिपा हुआ एजेंडा आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 26 और 29 का हवाला देते हुए कहा कि देश के हर समुदाय को अपनी धार्मिक परंपराओं और रीति-रिवाजों का पालन करने का पूरा मौलिक अधिकार मिलना चाहिए।

विदेशी टैग वाला कबूतर मिलने से हड़कंप बांग्लादेश कनेक्शन की जांच में जुटी पुलिस

भुवनेश्वर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के मयूरभंज जिले में एक कबूतर के पैर में विदेशी पहचान टैग मिलने के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन सतर्क हो गया है। बैसिंगा थाना क्षेत्र के काशीपड़ा गांव में मंगलवार को मिले इस कबूतर के पैर में लगी धातु की रिंग पर 'बीएएन-2024' और '701831' अंकित मिला है। टैग पर लिखे कोड को लेकर बांग्लादेश कनेक्शन की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इन्कार करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, काशीपाड़ा गांव के एक निवासी की नजर एक कबूतर पर पड़ी, जिसके पैर में नीले रंग की धातु की रिंग लगी हुई थी।

रिंग पर अंग्रेजी में 'बीएएन-2024' और एक क्रम संख्या अंकित होने की जानकारी सामने आने के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। खबर मिलते ही बेतनटी एसडीपीओ और बैसिंगा थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा कबूतर और उसके पैर में लगे टैग की जांच की। पुलिस अधिकारियों ने रिंग पर अंकित कोड और संख्या का ब्योरा जुटाना शुरू कर दिया है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि यह किसी कबूतर पालन या रेसिंग प्रतियोगिता में उपयोग होने वाला पहचान चिह्न हो सकता है। वहीं, 'बीएएन' शब्द को लेकर कुछ लोग इसे बांग्लादेश से जोड़कर देख रहे हैं। इसी कारण पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। बड़ी संख्या में लोग कबूतर को देखने के लिए मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी रही कि कहीं पक्षियों के माध्यम से किसी प्रकार की गोपनीय गतिविधि तो नहीं संचालित की जा रही।

हालांकि अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि रिंग पर अंकित कोड के स्रोत और उसके पंजीकरण संबंधी जानकारी जुटाई जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित एजेंसियों से भी संपर्क किया जाएगा। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि कबूतर वास्तव में कहां से आया और उसके पैर में यह टैग किस उद्देश्य से लगाया गया था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों में विदेशी टैग लगे कबूतर मिलने की घटनाएं सामने आती रही हैं।

19 सितंबर के बाद नया सिस्टम सक्रिय होगा; कोटा फुल होने में 4.3 इंच बारिश बाकी

भोपाल, 16 सितंबर (एजेंसियां)। विदाई से पहले मध्य प्रदेश में भारी बरसात का एक और दौर आ सकता है। मौसम विशेषज्ञ की माने तो 19 सितंबर के बाद नया सिस्टम एक्टिव होगा। यदि यह सिस्टम स्ट्रॉन्ग रहा तो प्रदेश की बारिश का कोटा फुल हो सकता है। सामान्य बारिश औसत 37.3 इंच के मुकाबले अब तक 33 इंच पानी गिरा है। यानी, कोटे के बराबर पहुंचने में 4.3 इंच बारिश की और जरूरत है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसूनी सीजन 1 जून से 30 सितंबर तक रहता है। इस दौरान होने वाली बारिश मानसून में ही रिकॉर्ड की जाती है। हालांकि, कई बार अक्टूबर के पहले या दूसरे सप्ताह में मानसून विदा होता है। इस बार सितंबर के आखिरी में विदाई की शुरुआत हो सकती है।

इससे पहले प्रदेश में भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक ने बताया कि 19 सितंबर तक पश्चिमी मध्य प्रदेश में वर्षा गतिविधि के अधिक व्यापक होने की संभावना है। 18 से 21 सितंबर तक पूर्वी हिस्से में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो सकती है। पश्चिमी हिस्से में एक लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव रहा। मानसून ट्रफ की एक्टिविटी भी देखने को मिली, लेकिन प्रदेश के किसी भी जिले में तेज बारिश नहीं हुई। भोपाल में धूप खिली रही। इंदौर, उज्जैन में भी ऐसा ही मौसम रहा।

जंतर-मंतर मामले में गठित हाई-पावर्ड कमेटी में नहीं होगा कोई भी बदलाव, सुप्रीम कोर्ट ने किया साफ

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जंतर मंतर मामले में गठित हाई-पावर्ड इंक्वायरी कमेटी यानी एचपीईसी को जांच आगे बढ़ाने को लेकर कई अहम निर्देश दिए हैं। साथ ही जांच कमेटी में किसी भी तरह के बदलाव से सुप्रीम कोर्ट ने साफ इंकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि कमेटी सबसे पहले प्रदर्शन के दौरान पेलेट गन के इस्तेमाल, महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने और उनके साथ कथित बदसलूकी, ज्यादा हिंसा और दोनों पक्षों की ओर से संपत्ति को हुए नुकसान से जुड़े मामलों की जांच करे। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिए है। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ याचिकाकर्ताओं की उस मांग को स्वीकार नहीं किया, जिसमें एचपीईसी की संरचना बदलने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि कमेटी ने अभी अपनी जांच शुरू भी नहीं की है और ऐसे में उसके खिलाफ अनुमान या पहले से बनी धारणा के आधार पर सवाल उठाना जल्दबाजी होगी।

कोर्ट ने साफ किया कि एचपीईसी का काम निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कोर्ट की मदद करना है। कमेटी किसी एक पक्ष के हित में काम करने के लिए नहीं बनाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने एचपीईसी से कहा कि जो संवेदनशील या कमजोर गवाह अपनी बात रखने के लिए

सामने आएं, उन्हें सुरक्षा दी जाए और उनकी पहचान गोपनीय रखी जाए। गवाहों के बयान और उनके द्वारा दिए गए सबूतों को भी पूरी तरह गोपनीय रखने को कहा गया है। इसके लिए एक अलग ऑनलाइन पोर्टल बनाने का सुझाव भी दिया गया है, ताकि गवाह और दूसरे संबंधित लोग दस्तावेज और सबूत जमा कर सकें।

सुप्रीम कोर्ट ने डॉ. मोनिका गुसैन, वरिष्ठ अधिवक्ता और सी। सोलोमन, एओआर को एमिसी क्यूरीए नियुक्त किया है। ये कोर्ट की सहायता करेंगे, एचपीईसी के प्रतिनिधि के तौर पर काम करेंगे और पक्षों के बीच स्वतंत्र मध्यस्थ की भूमिका भी निभाएंगे।कोर्ट ने एचपीईसी से जल्द से जल्द सदस्य सचिव नियुक्त करने को भी कहा है, ताकि कमेटी को प्रशासनिक और दूसरे जरूरी कामों में मदद मिल सके।

कोर्ट ने एचपीईसी से अपनी पहली रिपोर्ट जल्द दाखिल करने को कहा है।

मामले की एक अन्य याचिका में 14 साल की एक प्रदर्शनकारी की सुरक्षा का मुद्दा उठाया गया। कोर्ट को बताया गया कि लड़की और उसके परिवार को कथित तौर पर जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को लड़की और उसके परिवार की खतरे की स्थिति का आकलन कर जरूरी सुरक्षा देने का निर्देश दिया है। पुलिस को कथित तौर पर धमकी और परेशान करने वाले लोगों के खिलाफ जल्द जांच करने को भी कहा गया है। दिल्ली पुलिस को अगली सुनवाई से पहले इस संबंध में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी।

अग्निशमन विभाग का नोटिस रद्द, कलकत्ता हाई कोर्ट से अभिषेक बनर्जी को मिली राहत

कोलकाता, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता उच्च न्यायालय से अस्थायी राहत मिली है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने उनके कैमक स्ट्रीट स्थित कार्यालय को खाली करने के लिए अग्निशमन विभाग द्वारा जारी नोटिस को खारिज कर दिया है। अग्निशमन विभाग द्वारा 4 सितंबर को जारी नोटिस को बुधवार को उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति कृष्णा राव की एकल पीठ ने खारिज कर दिया। न्यायाधीश ने आदेश दिया कि अग्निशमन विभाग एक नया नोटिस जारी करके तृणमूल कार्यालय का निरीक्षण करेगा। सुरक्षा के लिए उस कार्यालय में क्या आवश्यक है, इसकी जानकारी अग्निशमन विभाग को दी जानी चाहिए। तृणमूल कांग्रेस को अपने कार्यालय की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। यदि तृणमूल कार्रवाई नहीं करती है, तो अग्निशमन विभाग कानून के अनुसार कार्रवाई कर सकता है।

कैमक स्ट्रीट की सातवीं और आठवीं मंजिल पर अग्निशमन व्यवस्था अपर्याप्त थी। इस बात का आरोप लगाते हुए अग्निशमन विभाग ने तुरंत उन दोनों मंजिलों को खाली करने के नोटिस जारी किए। तृणमूल कांग्रेस ने उस नोटिस को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। दो मंजिलों में अग्निशमन प्रणाली खराब 11 सितंबर को मामले की सुनवाई के दौरान अभिषेक बनर्जी के वकील किशोर दत्त ने दलील दी। उन्होंने कहा, कैमक

स्ट्रीट की दो मंजिलें लीज पर दी गई थीं। इस साल 26 अगस्त को लीज रद्द कर दी गई थी, जिसके खिलाफ निचली अदालत में मामला दर्ज किया गया था। अब अग्निशमन विभाग कार्रवाई कर रहा है और कह रहा है कि अग्निशमन प्रणाली खराब है। अग्निशमन अधिकारियों ने इमारत का निरीक्षण किया और छत पर अवैध निर्माण और सातवीं मंजिल पर कई गैस सिलेंडर पाए। उन्होंने कहा, ऐसी स्थिति में, पूरी इमारत को अपर्याप्त अग्निसुरक्षा वाला घोषित किया जाना चाहिए था।

लेकिन अग्निशमन विभाग ने केवल दो मंजिलों को असुरक्षित घोषित किया है। सिलेंडर हटा दिए गए हैं। इमारत के मालिक को इन खामियों को ठीक करना होगा। उस दिन, राज्य के एडवोकेट जनरल सुरजीत मित्रा ने अपनी दलील में कहा कि सातवीं मंजिल पर कई सिलेंडर मिले थे। मालिक ने इस बात से इनकार नहीं किया। लेकिन, उन्हें इसकी जांच करने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने केवल यह सवाल उठाया कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है।

अंडरगारमेंट्स में छिपाकर बांग्लादेशी ला रहा था सोना बनाने वाले केमिकल पेस्ट से भरे 1.5 केजी वजन के 3 कैप्सूल

सीआईएसएफ ने दबोचा

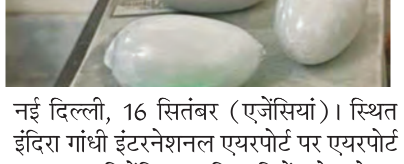

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। स्थित इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट कस्टम्स प्रिवेंटिव अधिकारियों ने गोल्ड तस्करी के मामले में एक बांग्लादेशी यात्री को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बीते 12 सितंबर को जेद्दा से फ्लाइट संख्या एआई2256 से टर्मिनल-3 पहुंचा था। इसके बाद उसे उसी दिन एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई237 से बांग्लादेश के ढाका जाना था। इंटरनेशनल ट्रांजिट एरिया में सीआईएसएफ अधिकारियों ने यात्री को जांच के दौरान रोका। गहन जांच में उसके अंडरगारमेंट्स के अंदर छिपाकर रखे गए भूरे-सफेद रंग के तीन अंडाकार कैप्सूल बरामद हुए। इनमें रासायनिक पेस्ट के रूप में सोना होने का शक था।

पैकिंग के साथ इसका वजन करीब 1,596 ग्राम था।बता दें कि बांग्लादेशी यात्री को ऑफलोड कर टर्मिनल-3 के इंटरनेशनल अराइवल हॉल स्थित कस्टम्स प्रिवेंटिव ऑफिस लाया गया। रासायनिक पेस्ट से सोना निकालने के प्रोसेस के बाद 1,346 ग्राम वजन की गोल्ड की दो आयताकार छड़ें बरामद हुईं। इस बरामद गोल्ड की कुल टैरिफ वैल्यू 1 करोड़ 88 लाख 20 हजार 715 रुपये आंकी गई है। जांच के दौरान, पूछताछ में यात्री ने स्वीकार किया कि वह जेद्दा से दिल्ली तक सोना रासायनिक पेस्ट के रूप में लेकर आया था। उसके अनुसार, उसे यह गोल्ड आईजीआई एयरपोर्ट के इंटरनेशनल ट्रांजिट एरिया में किसी शख्स को हैंडओवर करना था, लेकिन इससे पहले ही सीआईएसएफ अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया।

कस्टम्स प्रिवेंटिव ने कस्टम्स एक्ट, 1962 की धारा 110 के तहत 1,346 ग्राम बरामद सोना जब्त कर लिया है। यात्री को कस्टम्स एक्ट की धारा 104 के तहत गिरफ्तार किया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है। इससे पहले, अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 49 लाख से ज्यादा का सोना पकड़ा गया था। तब 4 यात्रियों को हिरासत में लिया गया था। तब अहमदाबाद हवाईअड्डे पर कस्टम डिपार्टमेंट ने अलग-अलग मामलों में 4 यात्रियों से 49.23 लाख रुपये की कीमत की करीब 299.490 ग्राम सोने की ज्वेलरी सीज की थी।

दो लड़कों के साथ लॉज में गई 23 साल की युवती की बाथरूम में मिली लाश, मौके से दोनों साथी हुए फरार; उलझी मौत की गुत्थी

बेंगलूरू, 16 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में हासन जिले में सनसनी फैलाने वाली वारदात हुई है। दरअसल, यहां के सकलेशपुरा तालुक के वलालाहल्ली टाउन के एक लॉज में एक युवती की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। उसका शव लॉज के बाथरूम में मिला, जबकि उसके साथ आए दो युवक वहां से भाग गए। लॉज में 23 साल की इस युवती की मौत के हालात के रहस्य की गुत्थी अभी सुलझनी बाकी है। पुलिस के मुताबिक, बेंगलुरु के चिक्कबानावरा की रहने वाली 23 साल की वर्षा की मौत हासन जिले के सकलेशपुरा तालुक के वलालाहल्ली स्थित एक लॉज में हो गई। वारदात के बाद से वर्षा के साथ मौजूद रहे लड़कों का कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

खबर है कि वर्षा, 2 युवकों के साथ सकलेशपुरा, हासन गई थी। तीनों ने श्रीदेवू लॉज में चेक-इन किया था। सुबह होने पर युवती बाथरूम में मृत पाई गई और दोनों युवक वहां से गायब थे। जानकारी के मुताबिक, युवती पिछले शुक्रवार को उन दो युवकों के साथ लॉज पहुंची थी। वर्षा की मौत के बाद से दोनों लड़के फरार हैं।

गुलजार सिंह सुसाइड केस

हाईकोर्ट का सवाल-मंत्री को आरोपी कैसे बनाया जा सकता है? सरकार से स्टेटस रिपोर्ट तलब

चंडीगढ़, 16 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के संगरूर में मजदूर गुलजार सिंह की मौत के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान हाईकोर्ट ने पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा को मामले में आरोपी बनाए जाने के आधार पर सवाल उठाया। अदालत ने मौखिक रूप से पूछा कि आखिर मंत्री को इस मामले में आरोपी कैसे बनाया जा सकता है। हालांकि, अदालत ने मामले में नोटिस जारी करने से इनकार करते हुए पंजाब सरकार को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने और जांच उचित तरीके से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

गुलजार सिंह की आत्महत्या के संबंध में जिला संगरूर में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(1)(आर) और 3(1)(एस) के तहत दर्ज की गई है।

धारा 108 पुराने भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के अनुरूप है। दायर जनहित याचिका में जांच को केंद्रीय जांच ब्यूरो या राज्य से बाहर की किसी स्वतंत्र एजेंसी को सौंपने की

मांग की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि गुलजार सिंह ने मौत से कुछ समय पहले कथित तौर पर एक वीडियो बनाया था। इसमें उसने इलाके में नशीले पदार्थों, विशेष रूप से सिंथेटिक नशे की उपलब्धता को लेकर सवाल उठाए थे। याचिकाकर्ता के अनुसार, गुलजार सिंह ने अपने कथित वीडियो बयान में अपनी मौत के लिए पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा सहित कुछ स्थानीय राजनीतिक प्रतिनिधियों को जिम्मेदार ठहराया था। याचिकाकर्ता का दावा है कि प्राथमिकी में पांच लोगों को आरोपी बनाया गया है, लेकिन वीडियो में लगाए गए आरोपों और उसमें एक बड़े राजनीतिक पद पर बैठे व्यक्ति के संदर्भ की जांच में उचित तरीके से पड़ताल नहीं की गई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने इसी आधार पर जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की। इस पर मुख्य न्यायाधीश अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ ने मौखिक रूप से सवाल किया कि मंत्री को इस मामले में आरोपी कैसे बनाया जा सकता है। अदालत ने फिलहाल मामले में नोटिस जारी नहीं किया। साथ ही पंजाब सरकार को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मामले की उचित जांच की जाए। मामला रविंदर सिंह बनाम पंजाब सरकार के नाम से दर्ज है।

पश्चिम एशिया तनाव : मक्का की तरफ भेजा गया ड्रोन सऊदी ने इंटरसेप्ट किया

हूतियों का हमले से इनकार

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब ने दावा किया है कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले एक ड्रोन को मार गिराया है। सऊदी सैन्य प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने चेतावनी दी कि मक्का और दोनों पवित्र मस्जिदों की सुरक्षा उसके लिए 'रेड लाइन' है और किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई का जवाब दिया जाएगा।

यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं और लाल सागर के रणनीतिक इलाकों में अपनी सैन्य स्थिति मजबूत कर ली है। हूती पक्ष ने मक्का को निशाना बनाने के आरोप को खारिज किया है, लेकिन सीमा पार हमलों और सऊदी हवाई कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में तनाव को फिर चरम पर पहुंचा दिया है।

मक्का के पास ड्रोन को लेकर बढ़ा तनाव

सऊदी सैन्य अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन को मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में पहुंचने से पहले ही इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। अल-मलिकी ने कहा कि पवित्र शहर और वहां आने वाले जायरीनों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि सऊदी अरब भविष्य में ऐसे हमलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकता है। हालांकि हूती पक्ष ने इस दावे को सीधे खारिज कर दिया। हूती नेता हाजेम अल-असद ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मक्का को निशाना बनाए जाने के आरोप को "पुराना और बेबुनियाद" बताया। ऐसे में ड्रोन की उत्पत्ति और उसके वास्तविक लक्ष्य को लेकर दोनों पक्षों के दावे अलग-अलग हैं।

हूतियों ने सऊदी हमलों का बदला लेने की चेतावनी दी

मक्का के पास ड्रोन गिराए जाने की घटना से कुछ ही समय पहले हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने दावा किया था कि सऊदी लड़ाकू विमानों ने यमन के पांच प्रांतों में 52 हवाई हमले किए। उनके मुताबिक, एफ-15 और टाइफून लड़ाकू विमानों ने सऊदी अरब के खमीस मुशैत और ताइफ स्थित हवाई ठिकानों से उड़ान भरकर तैज, अल-जौफ, अल-बायदा, सादा और अमरान में हमले किए। हूती पक्ष ने दावा किया कि इन हमलों में स्कूलों, पुलों, सड़कों और अन्य नागरिक बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाया गया। हूती प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि सऊदी हवाई हमलों का जवाब दिया जाएगा। हूती संचालित अल-मसीरा टीवी ने बताया कि तैज प्रांत के धुबाब और मकबाना जिलों में सऊदी हवाई हमलों में तीन नागरिक मारे गए, जिनमें दो बच्चे शामिल हैं। दो अन्य लोगों के घायल होने की भी बात कही गई है। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले सोमवार को हूतियों की ओर से खमीस मुशैत, अबहा और ताइफ को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले किए जाने की जानकारी सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने दी थी। गठबंधन के अनुसार इन हमलों में 13 नागरिक घायल हुए। सऊदी पक्ष ने इसके बाद हूती हमलों के खिलाफ "जिम्मेदार और दृढ़" जवाब देने की बात कही थी।

बढ़ते सीमा-पार हमलों के बीच सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान मंगलवार को काहिरा पहुंचे और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने लाल सागर और बाब अल-मंदब जलडमरूमध्य में समुद्री आवाजाही की स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

सऊदी के दावे को हूतियों ने किया खारिज

- मक्का पर ड्रोन अटैक से इंकार।
- सऊदी ने घटना को बताया रेड लाइन।
- क्राउन प्रिंस ने मिस्र से मांगी मदद।

भारत में ट्रेनिंग ले चुके अफसरों की जांच करेगा पंगेबाज बांग्लादेश

ढाका, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार ने भारत के खिलाफ अपना रुख और कड़ा कर लिया है। सत्ताधारी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भारत के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए भारत में ट्रेनिंग लेने वाले नौकरशाहों की जांच करने का फैसला किया है। वहीं, भारत-बांग्लादेश समझौतों (जिनमें इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के समझौते भी शामिल हैं) की समीक्षा भी की जाएगी।

भारत के साथ 101 समझौतों की समीक्षा करेगा बांग्लादेश

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार पिछले दशक में भारत में ट्रेनिंग लेने वाले नौकरशाहों की जांच करने वाली है। सत्ताधारी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के संसद में मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) नूरुल इस्लाम मोनी के अनुसार, बांग्लादेश भारत के साथ हुए 101 समझौतों की समीक्षा कर रहा है। बांग्लादेश भारत के साथ हुए 101 समझौतों की समीक्षा कर रहा है।

जल्द ही समीक्षा के नतीजों का पता चलेगा : नुरुल मोनी

द इकनॉमिक टाइम्स की एक खबर के अनुसार, नुरुल मोनी ने हाल ही में ढाका में कहा कि मौजूदा सरकार बांग्लादेश और भारत के बीच हुए 101 समझौतों (एनओयू) की समीक्षा कर रही है। संसद मीडिया सेंटर में सत्र के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'आपको जल्द ही समीक्षा का नतीजा पता चल जाएगा।'

यूएई ने 4 हजार बांग्लादेशियों का वीजा रद्द किया

छुट्टी पर घर लौटे लोग अब नहीं जा पा रहे; बांग्लादेश ने दोबारा जांच की मांग की

अबू धाबी, 16 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 4 हजार से ज्यादा बांग्लादेशियों के वीजा रद्द कर दिए हैं। इनमें कई ऐसे लोग हैं, जो यूएई में नौकरी या कारोबार कर रहे थे और छुट्टी मनाने बांग्लादेश गए थे। ये लोग अब यूएई वापस नहीं जा पा रहे हैं। इन लोगों को वीजा रद्द करने की कोई साफ वजह नहीं बताई गई है। कई लोगों को ईमेल या मोबाइल मैसेज से इसकी जानकारी मिली। बांग्लादेश सरकार ने मामला राजनयिक स्तर पर यूएई के सामने उठाया है और वीजा रद्द करने के मामलों की दोबारा जांच की मांग की है। प्रभावित लोगों ने सरकार को 22 सितंबर तक समाधान निकालने का समय दिया है।

27 साल से यूएई में थे, छुट्टी से लौटे तो वीजा रद्द

जिन लोगों का वीजा रद्द हुआ है उनमें अबुल कलाम आजाद भी शामिल हैं। वे पिछले 27 साल से यूएई में रह रहे थे। 7 अप्रैल को छुट्टी पर बांग्लादेश लौटे थे। करीब साढ़े तीन महीने बाद 24 जुलाई को उन्हें ईमेल मिला, जिसमें बताया गया कि उनका वीजा रद्द कर दिया गया है। आजाद ने द डेली स्टार को बताया कि उन्हें वीजा रद्द करने का कारण नहीं बताया गया। अबुल कलाम आजाद उन 350 बांग्लादेशियों में शामिल थे, जो 7 सितंबर को ढाका के नेशनल प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे थे। इन लोगों ने सरकार से मामले का समाधान निकालने की मांग की। अन्य लोगों ने भी बताया कि जुलाई से उन्हें ईमेल या मोबाइल मैसेज के जरिए वीजा रद्द होने की जानकारी मिलने लगी। कुछ लोगों के यूएई में मौजूद स्पॉन्सर को भी इसकी सूचना दी गई। एक व्यक्ति ने द डेली स्टार को बताया कि यूएई में उसके खिलाफ कोई आपराधिक मामला या कानूनी विवाद नहीं है। इसके बावजूद उसका वीजा रद्द कर दिया गया। उसने बताया कि यूएई में उसके दो कारोबार हैं और उसकी पत्नी दुबई में रहती हैं। अब वह वापस जाने की अनुमति के लिए अलग-अलग सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहा है।

यूएई में 12 लाख से ज्यादा बांग्लादेशी

बांग्लादेश ने 1976 में यूएई में अपने लोगों को नौकरी के लिए भेजना शुरू किया था। फिलहाल यूएई में 12 लाख से ज्यादा बांग्लादेशी रह रहे हैं। इनमें नौकरी करने वालों के अलावा कारोबारी और दूसरे काम करने वाले लोग भी शामिल हैं। बांग्लादेश के प्रवासी कल्याण और विदेश रोजगार राज्य मंत्री नुरुल हक नूर ने 7 सितंबर को फेसबुक पर बताया था कि उनके मंत्रालय और विदेश मंत्रालय को करीब 4 हजार बांग्लादेशियों के वीजा रद्द होने की जानकारी है। इसके बाद बांग्लादेश के मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से प्रभावित लोगों की संख्या 4,800 तक बताए जाने की खबरें आईं। हालांकि, यूएई सरकार ने अब तक सार्वजनिक रूप से 4,800 वीजा रद्द होने की संख्या की पुष्टि नहीं की है।

बाबा रामदेवजी के अवतारोत्सव में उमड़ी भक्तों की भीड़

> लाखों भक्तों ने दर्शन एवं प्रसाद का लाभ प्राप्त किया

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भादवा सुदी दूज पर रामदेवरा दरबार, शिवरामपल्ली में श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट द्वारा बाबा रामदेव का अवतारोत्सव उत्साह एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्यामसुन्दर गिलडा द्वारा दी गई। श्री रामदेव अवतारोत्सव के अन्तर्गत भादवा सुदी एकम को मन्दिर में हवन किया गया। रात्रि 1:31 बजे अभिषेक एवं प्रातः 4 बजे श्रृंगारिक आरती के पश्चात भक्तों का आगमन प्रारम्भ हुआ।

मंदिर परिसर को श्यामसुन्दर गिलडा के निर्देशन में कोलकाता के कारीगरों लालटू एवं बालाजी जाजू इवेन्ट्स द्वारा सजाकर जगमग रोशनी से उत्कृष्ट नयनाभिराम दर्शन कराया गया। इस बार मंदिर सजावत के अन्तर्गत बाबा के 24 पर्चों के विशेष दर्शन भक्तों को कराए गए। अलौकिक दरबार, लंगर प्रसाद, छप्पन भोग अवसर पर विशेष आकर्षण रहे। श्रृंगारिक आरती प्रातः 5 बजे की गई। भक्तों के लिए प्रातः 5 बजे से रात्रि 3 बजे तक लंगर प्रसाद की व्यवस्था रखी गई। बाबा का श्रृंगार सायं 4 से 5 बजे तक किया गया। बाबा का अवतारोत्सव रात्रि ठीक 12 बजे जगमग रोशनी एवं आतीशबाजी के साथ झूले में किया गया।

अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों ने दूरस्थ स्थलों से पैदल यात्रा कर बाबा के जयकारे के साथ कतारबद्ध होकर दर्शन लाभ प्राप्त किया । अवसर पर छप्पन भोग एवं भक्तों के लिए लंगर प्रसाद का आयोजन किया गया। धर्मस्व विभाग द्वारा नियुक्त कार्यकारी अधिकारी ए. रमा देवी ने सतत निरीक्षण करते हुए व्यवस्था को बनाए रखने में सहयोग किया। मंदिर पधारे सभी भक्तों के लिए लंगर प्रसाद व्यवस्था श्री बाबा रामदेव भक्त मण्डल, काटेदान की ओर से की गई। छप्पन भोग व्यवस्था कमलेश एजेंसीज एवं बालाजी मारवाड़ी स्वीट्स एण्ड सेवरीज फुड्स की ओर से की गई। जल व्यवस्था रमेश भाई प्रजापति, भूपेन्द्र देसाई, शंकरलाल कोला, भरतभाई, वीराराम पटेल एवं अशोक देसाई द्वारा की गई। अवसर पर तेलंगाना सरकार के पशुपालन, डेयरी विकास, मत्स्य पालन, खेल एवं युवा सेवाएँ मंत्री वकिटी श्रीहरि एवं राजेन्द्र नगर के विधायक टी. प्रकाश गौड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। नगरद्वय के सुप्रसिद्ध उद्योगपति नरेन्दर कुमार गोयल, राजेश गोयल, मीठालाल बाफणा, राजेन्द्रनगर डिवीजन पार्षद श्रीमती अर्चना जयप्रकाश विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्माननीय अतिथि के रूप में भंवरलाल पंवार, जगदीश पंवार, भंवरलाल गेहलोत, घनश्यामदास तापड़िया, मनोहरलाल तापड़िया, सत्यनारायण भांगडिया, जगदीशप्रसाद लोहिया, आशीष शर्मा, नितिन शर्मा, बल्देवराम भाटी (मामाजी), गोपाल बल्दवा, हीरालाल चौधरी, मनीष भाटी, बाबुलाल कुलकधाणीवा, मदनलाल कुमावत, महेन्दर बोहरा, श्रवण कुमार दधीच, भंवरलाल कोठारी, शिवकुमार भालवाले, अभिषेक पारीक, कमलेश जैन, रामभरोसे गोयल, श्यामसुन्दर बाहेती, पूरण सिंह काबावत, बाबु सिंह काबावत, भरत देवासी, किशनगोपाल इन्नाणी, जुगलकिशोर व्यास, अशोक शेरमल बोहरा आदि उपस्थित रहे।

मंदिर प्रबंधन द्वारा धर्मस्व विभाग की एक्सीक्यूटिव अधिकारी ए. रमा देवी सहित श्यामसुन्दर गिलडा, धर्मचन्द भंसाली, कमलकिशोर जाजू, सुरेश ताजपुरिया, भंवरलाल कोठारी, दिनेश सिंगनोदिया, जगदीश अग्रवाल, श्यामसुन्दर परताणी, कमलेश बाफणा के साथ-साथ मंदिर पुजारीगण पं. सुरेश महाराज, पं. बनवारी महाराज, पं. राकेश महाराज, पं. निरंजन महाराज, प. कौशलेन्दर महाराज, पं. अनिल महाराज, पं. जनार्दन महाराज, जगन्नाथ, चिरंजीलाल शर्मा, अरविन्द शर्मा, पंकज शर्मा की देख-रेख में भक्तों के सुविधाजनक दर्शनार्थ एवं उत्सव की तैयारियाँ सम्पन्न की गई। मंदिर में बाबा रामदेव के दर्शन हेतु उमड़ी भक्तों की भीड़ को नियंत्रित करने एवं सुविधाजनक दर्शन कराने में पुलिस विभाग का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। मंदिर व्यवस्था में सुरेश ताजपुरिया, राजकुमार लड्डा, चन्द्रशेखर गड्डी, निलेश शर्मा, प्रकाश कोठारी, कमलकिशोर तापड़िया, एम. व्यंकटेश का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। श्यामसुन्दर गिलडा ने सभी दानदाताओं, सहयोगियों, सेवा प्रदान करने वाले सेवाधारियों, प्रेस मीडिया, प्रशासनकर्मियों, पुलिस विभाग व शुभचिंतकों का आभार प्रकट किया। मंदिर में श्रृंगार, साज-सज्जा, सजावट व लंगर प्रसाद की विशेष व्यवस्था आगामी 15 सितम्बर तक रहेगी। लंगर सेवा 25 सितम्बर तक नित्य प्रातः 8 से 12 तथा सायं 5 से 9 बजे तक रहेगी। सभी भक्तों से इसका लाभ उठाने का आग्रह किया गया है।

इजराइल को 26 हजार करोड़ रुपये के हथियार देंगे ट्रम्प

900 किलो के 40 हजार बम शामिल; बाइडेन ने ज्यादा मौतों के डर से सप्लाई रोकी थी

वाशिंगटन, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का प्रशासन इजराइल को 2.8 अरब डॉलर यानी करीब 26 हजार करोड़ रुपये के हथियार देने की तैयारी कर रहा है। इस पैकेज में करीब 40 हजार भारी बम शामिल हैं। हर बम का वजन 2000 पाउंड यानी करीब 900 किलो है। इन बमों की सप्लाई पर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2024 में रोक लगाई थी। प्रस्तावित हथियार पैकेज में 20 हजार Mk84 और 20 हजार बीएलयू-117 बम शामिल हैं। डील अभी फाइनल नहीं हुई है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, कांग्रेस को इसकी अनौपचारिक जानकारी दे दी गई है।

गाजा में बड़ी संख्या में मौतों के डर से रोक लगी थी

2024 में बाइडेन प्रशासन ने 2,000 पाउंड के इन बमों की एक खेप इजराइल भेजने पर रोक लगा दी थी। उस समय चिंता थी कि गाजा जैसे घनी आबादी वाले इलाके में इनका इस्तेमाल होने पर बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो सकती है। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद यह रोक हटा दी गई। अब उनका प्रशासन इन्हीं बमों की बड़ी संख्या वाली नई डील की तैयारी कर रहा है।

कुछ बम जमीन के अंदर ठिकानों को भेदने के लिए

इन 900 किलो के बमों के अलग-अलग मॉडल हैं। कुछ को जमीन के अंदर मौजूद ठिकानों को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि कुछ जमीन के ऊपर फटकर बड़े इलाके में भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। एक्सपर्ट्स ने गाजा में हुए हमलों के वीडियो और घटनास्थलों से मिले बमों के टुकड़ों का विश्लेषण किया है। उनके मुताबिक, वहां अमेरिकी निर्मित बमों का इस्तेमाल हुआ है। इनमें कुछ हमास के सुरंग नेटवर्क को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए, लेकिन घनी आबादी वाले इलाकों में भी लोगों की मौत हुई।

ट्रम्प पहले भी दे चुके हैं अरबों डॉलर के हथियार

ट्रम्प प्रशासन पिछले साल इजराइल के लिए करीब 3 अरब डॉलर की हथियार बिक्री मंजूर कर चुका है। इसमें 35,500 से ज्यादा भारी बम शामिल थे। इसके बाद जनवरी में इजराइल के लिए 6.67 अरब डॉलर की एक और हथियार बिक्री को मंजूरी दी गई।

7 अक्टूबर के हमले के बाद शुरू हुआ था गाजा युद्ध

7 अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में दक्षिणी इजराइल पर हमला किया गया था। इसमें करीब 1,200 लोग मारे गए और 251 लोगों को बंधक बनाया गया।

यात्री बस पर एफपीवी ड्रोन से हमले में पांच की मौत

कीव, 16 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन में रूस की आक्रामकता लगातार जारी है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बताया कि बुधवार सुबह निकोपोल जिले में एक रूसी एफपीवी ड्रोन ने एक यात्री बस को निशाना बनाया। हादसे में पांच लोग की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर रूस की इस आक्रामकता की जानकारी साझा की। सिबिहा ने पोस्ट में लिखा, रूस का आतंक एक दिन के लिए भी नहीं रुकता। आज सुबह निकोपोल जिले में एक रूसी एफपीवी (फर्स्ट-पर्सन व्यू) ड्रोन ने एक यात्री बस को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए।

बाढ़ के बाद भूंकप से सहमा नेपाल, देर रात महसूस किए गए झटके

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में बुधवार तड़के दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों भूकंप के बाद तत्काल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंपीय अनुसंधान केंद्र के अनुसार, पहला भूकंप 4.5 तीव्रता का था, जबकि कुछ ही देर बाद 4.2 तीव्रता का दूसरा झटका दर्ज किया गया।

राष्ट्रीय भूकंपीय अनुसंधान केंद्र ने बताया कि पहला भूकंप स्थानीय समयानुसार करीब रात 1:51 बजे आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र मुगु जिले के कलाई इलाके के पास बताया गया है। पहले झटके के बाद सुबह करीब 4:28 बजे 4.2 तीव्रता का दूसरा भूकंप दर्ज किया गया। इस भूकंप का केंद्र भी मुगु जिले के कलाई के पास ही स्थित था। लगातार दो झटकों से इलाके के लोगों में चिंता पैदा हो गई। दोनों भूकंप के झटके पड़ोसी डोल्पा और जुम्ला जिलों में भी महसूस किए गए। भूकंप के बाद स्थानीय लोगों में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बना, हालांकि अधिकारियों ने तत्काल किसी के घायल होने या किसी इमारत को नुकसान पहुंचने की सूचना से इनकार किया है। अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल किसी तरह की जनहानि या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि, भूकंप के बाद होने वाले संभावित आफ्टरशॉक्स और देर से मिलने वाली नुकसान की सूचनाओं को लेकर संबंधित एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

भारतीय राजदूत ने नेपाल के विदेश मंत्री से की विदाई मुलाकात

काठमांडू, 16 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनल ने नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव से बुधवार को विदाई मुलाकात की और उनके कार्यकाल के सफलतापूर्वक पूरा होने पर बधाई दी। देश के विदेश मंत्रालय (एमओएफए ऑफ नेपाल) ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि विदेश मंत्रालय में हुई मुलाकात के दौरान मंत्री खनल ने नेपाल-भारत संबंधों को और मजबूत करने में राजदूत श्रीवास्तव के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों में उनके योगदान को रेखांकित किया। आगे लिखा, मंत्री ने ऊर्जा सहयोग, व्यापार, बुनियादी ढांचे की कनेक्टिविटी और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्र में हुई प्रमुख प्रगति का भी उल्लेख किया। भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल के प्रति भारत की एकजुटता और तत्काल आपदा राहत सहायता के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। विदेश मंत्री ने कहा, संकट की इस घड़ी में भारत की सहायता दोनों देशों के बीच मजबूत सहयोग और मित्रता को दर्शाती है। राजदूत श्रीवास्तव को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वह आगे भी नेपाल के अच्छे मित्र बने रहेंगे। वहीं, भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने अपने कार्यकाल के दौरान नेपाल सरकार की ओर से मिले सहयोग और समर्थन के लिए गहरी सराहना व्यक्त की। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में नेपाल और भारत के बीच संबंध लगातार और मजबूत होते रहेंगे।

अमेरिका-यूरोप में रूसी विरोधियों को मारने की साजिश

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। रूस की खुफिया एजेंसियां अमेरिका और यूक्रेन का समर्थन करने वाले यूरोपीय देशों में टारगेटेड किलिंग (खास लोगों की हत्या) करने की साजिश रच रही हैं। यह जानकारी अमेरिकी अधिकारियों ने वॉशिंगटन डी.सी. में रह रहे रूस के एक प्रमुख असंतुष्ट नेता की हत्या की साजिश को नाकाम करने के बाद दी। मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट में जारी किए गए एक आरोप-पत्र के अनुसार, इस साजिश में विदेश में रहने वाले पांच लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। इसमें कहा गया है कि रूसी खुफिया सेवाओं का एक नेटवर्क 2024 से ही अमेरिका और दूसरे देशों में लोगों को पैसे देता रहा है ताकि वे रूस के विरोधी लोगों पर नजर रख सकें और फिर उनकी हत्या कर सकें।

राधा अष्टमी : राधा रानी का जन्मोत्सव 19 को

जन्माष्टमी के बाद राधा अष्टमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन राधा रानी की पूजा और व्रत करने का विशेष महत्व माना जाता है। जानें राधा अष्टमी की तारीख, शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और धार्मिक महत्व।

हिंदू धर्म में राधा अष्टमी का पर्व बेहद विशेष माना जाता है। यह दिन राधा रानी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि श्रीकृष्ण की आराधना राधा रानी के बिना पूर्ण नहीं मानी जाती, इसलिए जन्माष्टमी के बाद आने वाली राधा अष्टमी का भी विशेष महत्व है। भक्त इस दिन श्रद्धा के साथ व्रत रखते हैं और राधा-कृष्ण की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

राधा अष्टमी 2026 कब है?

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से राधा अष्टमी का पर्व जुड़ा है। वर्ष 2026 में अष्टमी तिथि 18 सितंबर को दोपहर करीब 1 बजे शुरू होगी और 19 सितंबर को दोपहर 3:26 बजे समाप्त होगी। उदयातिथि के आधार पर राधा अष्टमी का व्रत 19 सितंबर 2026 को रखा जाएगा।इस दिन राधा रानी के जन्मोत्सव पर मंदिरों और घरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। भक्त व्रत रखकर राधा-कृष्ण का स्मरण करते हैं और उनकी कृपा की प्रार्थना करते हैं।

राधा अष्टमी की पूजा विधि

राधा अष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

इसके बाद पूजा स्थल को साफ करके एक चौकी पर साफ कपड़ा बिछाएं और राधा-कृष्ण की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें।

पूजा के दौरान राधा रानी और भगवान श्रीकृष्ण को चंदन, अक्षत, पुष्प और रोली अर्पित करें।

इसके बाद घी का दीपक और धूप जलाकर विधि-विधान से पूजा करें।

राधा रानी को फल, मिठाई और खीर का भोग लगाया जा सकता है।

पूजा के दौरान राधा रानी के नाम का जाप करें और परिवार की सुख-शांति के लिए प्रार्थना करें।

श्रद्धालु 'ॐ ह्रीं श्री राधिकायै नमः' मंत्र का जाप भी कर सकते हैं।

राधा अष्टमी व्रत के नियम

राधा अष्टमी पर व्रत रखने वाले भक्तों को मन, वचन और कर्म की शुद्धता का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

अपनी क्षमता के अनुसार निराहार या फलाहार व्रत रखा जा सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर कठोर उपवास करने के बजाय सात्विक भोजन का विकल्प अपनाना बेहतर है।

व्रत के दौरान झूठ बोलने, क्रोध करने, किसी से विवाद करने और नकारात्मक विचारों से बचने की कोशिश करें।

धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन संयम और सात्विक आचरण का पालन करना शुभ माना जाता है।

पूजा-पाठ और राधा-कृष्ण के नाम का स्मरण करते हुए दिन बिताना विशेष फलदायी माना जाता है।

राधा अष्टमी का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार राधा रानी को प्रेम, भक्ति और समर्पण का स्वरूप माना जाता है। इसलिए राधा अष्टमी पर उनकी पूजा करने से भक्तों को मानसिक शांति और आध्यात्मिक संतोष प्राप्त होने की मान्यता है। इस दिन राधा-कृष्ण की संयुक्त पूजा करना विशेष शुभ माना जाता है।

ज्येष्ठा गौरी व्रत आज से

सनातन धर्म और विशेष रूप से महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा में ज्येष्ठा गौरी व्रत का विशेष धार्मिक व आध्यात्मिक महत्व है। धन, शांति और अखंड सौभाग्य की अधिष्ठात्री देवी गौरी (माता पार्वती) को समर्पित यह तीन दिवसीय महापर्व हर घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा लेकर आता है। वर्ष 2026 में यह पावन उत्सव 17 सितंबर (गुरुवार) से शुरू होकर 19 सितंबर (शनिवार) तक अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। यदि आप भी इस पावन पर्व पर मां गौरी का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं, तो आइए जानते हैं इन तीन दिनों का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि।

पहला दिन: ज्येष्ठा गौरी आवाहन (17 सितंबर 2026, गुरुवार) 17 सितंबर को शाम 7:52 बजे से पूर्व शुभ समय रहेगा।

दूसरा दिन: ज्येष्ठा गौरी महापूजन (18 सितंबर 2026, शुक्रवार)

तीसरा दिन: ज्येष्ठा गौरी विसर्जन (19 सितंबर 2026, शनिवार) सुबह 6:27 बजे से लेकर शाम 6:38 बजे तक विसर्जन का शुभ मुहूर्त है।

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी पर देवी ज्येष्ठा गौरी का आवाहन कर गणेश के समीप उनकी स्थापना करने का विधान है। शास्त्रों ने गौरी को गणेश की मां व लक्ष्मी की बड़ी बहन कहा है। इसी कारण इन्हें ज्येष्ठा कहते हैं। पद्मपुराण के अनुसार समुद्र मंथन में हलाहल विष निकलने के बाद देवी ज्येष्ठा की उत्पत्ति हुई थी।

लाल रंग के कपड़ों से सुसज्जित देवी के चार हाथ हैं, एक में अभय मुद्रा, दूसरे में वर मुद्रा, तीसरे में तीर व चौथे में धनुष है। इनका वाहन कौआ है। यह सदा कमल पर विराजती हैं। इनका निवास पीपल है। शास्त्रों ने इन्हें धूमावती, अलक्ष्मी व ज्येष्ठा भी कहा है। ये पाप, आलस, दुख, कुरूपता पर आधिपत्य रखती हैं।

ज्येष्ठा गौरी पूजन विधि: घर की उत्तर दिशा में नीला कपड़ा बिछाकर उस पर स्टील का लोटा रख कर उसमें जल, दूध, तिल, सिक्के व सुपारी डालें व लोटे पर पीपल के पत्ते रखकर उस पर नारियल रखें। ज्येष्ठा गौरी कलश की स्थापना कर विधिवत पूजन करें। सरसों के तेल का दीपक करें, लोहबान से धूप करें, सिंदूर से तिलक करें, नीले फूल चढ़ाएं व उड़द के हलवे का भोग लगाएं तथा नारियल मिश्री का फलाहार चढ़ाएं। रुद्राक्ष की माला से 108 बार यह विशेष मंत्र जपें। पूजन के बाद भोग प्रसाद स्वरूप सभी में वितरित करें।

मंत्रः ह्रीं ज्येष्टायै नमः॥

विदाई परंपराः प्रातः काल माता की विशेष आरती कर सुख-समृद्धि की प्रार्थना की जाती है। इसके पश्चात भक्त ढोल-ताशों, संगीत और नृत्य के साथ माता की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाते हैं तथा पवित्र जल-स्रोतों में विसर्जित कर इस महापर्व का समापन करते हैं।

श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर पुणे

प्रथम देव गणेश। विध्नहर्ता, मंगलमूर्ति गणेश। हिंदू धर्म में हम हर विध्न-बाधा को दूर कर मंगल करने वाले देव गणेश की पूजा हम सबसे पहले करते हैं। वैसे में भगवान गणेश के देश भर में कई बड़े और प्रतिष्ठित मंदिर हैं, लेकिन महाराष्ट्र में पुणे के श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर की भक्तों के बीच अपनी एक अलग मान्यता और पहचान है। हिंदू धर्म के श्रद्धालुओं में श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर को लेकर काफी आस्था है। यहां देश दुनिया से हर साल हजारों श्रद्धालु आते हैं।

पुणे के श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर को इच्छापूर्ति गणेश के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। लोगों का कहना है कि यहां भगवान गणेश के दर्शन मात्र से सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि गणपति बप्पा श्रद्धालुओं के हर इच्छा की पूर्ति करते हैं। लोगों का तो यहां तक तक कहना है कि अगर साफ मन से कोई चीज मांगी जाए तो भगवान गणेश उसे तीस दिन के अंदर पूरा कर देते हैं।

श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर बहुत और दिव्य है। यहां आते ही शरीर के अंदर एक अलग ही ऊर्जा का संचार होने लगता है। मंदिर प्रांगण में पहुंचते ही लगता है जैसे सारे दुख-दर्द दूर हो गए हो। मन में पॉजिटिव फील होने लगता है। आप खुद को एल अलग ही दुनिया में महसूस करने लगते हैं। पुणे के बुधवार पेठ में छत्रपति शिवाजी महाराज रोड पर स्थित यह तीन मंजिला मंदिर बहुत ही भव्य है।

मंदिर के ग्राउंड फ्लोर पर संगमरमर से बना एक बड़ा सा हॉल है। इस हॉल में भगवान गणेश की 2.2 मीटर लंबी

और एक मीटर चौड़ी बड़ी सी दिव्य मूर्ति है। बताया जाता है कि गणपति बप्पा का श्रृंगार करीब 40 किलो सोने से किया गया है। इसमें भगवान का मुकुट 9 किलो से ज्यादा सोने से बना बना है और भगवान की प्रतिमा के सिर्फ चेहरे पर 8 किलो सोने का काम किया गया है। श्रृंगार के बाद भगवान के दिव्य रूप को देखकर मन धन्य हो जाता है।

इस मंदिर का निर्माण करीब 130 साल पहले दगडूशेठ हलवाई ने कराया था। लोगों का कहना है कि दगडूशेठ हलवाई के बेटे की मौत सन 1892 में प्लेग से हो गई। इसके बाद से वे शोक के कारण देश-दुनिया से कटकर रहने लगे। बाद में एक गुरु ने उन्हें मन की शांति के लिए भगवान गणेश का मंदिर बनाने के लिए कहा। जिसके बाद उन्होंने 1893 में इस मंदिर का निर्माण कराया। तभी से लोग इस मंदिर को दगडूसेठ हलवाई के नाम से पुकारने लगे।

दगडूशेठ हलवाई ने उस समय एक छोटा सा मंदिर बनवाया था। आजादी से पहले आयोजित होने वाले गणपति उत्सव के दौरान इस मंदिर ने देश के लोगों में स्वतंत्रता का अलख जगाने का काम किया। समय के साथ इस मंदिर का विस्तार भी होता रहा और आज यह भव्य और दिव्य मंदिर पुणे शहर का एक लैंडमार्क बन गया है। पुणे आने वाले सभी पर्यटकों और श्रद्धालुओं की लिस्ट में इस मंदिर का नाम पहले नंबर पर होता है। पुणे पहुंचने पर हमलोगों का भी पहला पड़ाव श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर ही था। सुबह फ्रेश होते ही सबसे पहले मंदिर के लिए रवाना हो गया। आमतौर पर मंदिर में दर्शन के लिए लंबी लाइन लगी होती है लेकिन सौभाग्य से उस दिन श्रद्धालुओं की ज्यादा भीड़ नहीं थी। गणपति बप्पा का आराम से दिव्य दर्शन हो गए। हमलोगों ने वहां 250 रुपये की पर्ची कटवा कर अभिषेक पूजा भी करावाया।

शकुंतला की तरह मिलेगा खोया हुआ प्यार

क्या आपने किसी ऐसे ऐतिहासिक मंदिर के बारे में सुना है, जिसकी स्थापना स्वयं शकुंतला ने की हो? गणेश चतुर्थी पर करें इस पौराणिक मंदिर के दर्शन

जी, हां या मंदिर मुंबई से सटे ठाणे जिले के कल्याण तालुके में स्थित है, जिनका नाम टिटवाला सिद्धिविनायक महागणपति मंदिर है। इस साल गणेश उत्सव के दौरान टिटवाला के इस सिद्धिविनायक मंदिर में जरूर भगवान गणेश के दर्शन करने जाएं।

क्या है पौराणिक मान्यता ?

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार टिटवाला सिद्धिविनायक महागणपति मंदिर की स्थापना शकुंतला ने अपने हाथों से की थी। हम महर्षि विश्वामित्र और अप्सरा मेनका की पुत्री शकुंतला के बारे में ही बात कर रहे हैं, जिनका विवाह राजा दुष्यंत से हुआ था। उन्होंने भरत को जन्म दिया था जो पांडवों और कौरवों के पूर्वज थे। भरत के नाम से ही इस देश का नाम भारत पड़ा।

पौराणिक मान्यता के अनुसार जब ऋषि दुर्वासा के श्राप के कारण राजा दुष्यंत शकुंतला से अपने विवाह की बात भूल गये, तब शकुंतला ने भगवान गणेश से मदद की गुहार लगायी थी। मान्यतानुसार भगवान गणेश ने सपने में आकर शकुंतला से टिटवाला में एक गणेश मंदिर स्थापित करने का मंत्र दिया था। मान्यता है कि शकुंतला ने अपने बेटे भरत की मदद से इस इस मंदिर की स्थापना की।

सदियों तक तालाब में डूबा रहा मंदिर

यह भी कहा जाता है कि शकुंतला ने जिस गणपति मंदिर का निर्माण किया था, कालांतर में वह एक तालाब में डुब गया। पेशवा माधवराव प्रथम के शासन के दौरान, शहर में सुखा पड़ा। तब शहर को पानी उपलब्ध करवाने के लिए इस तालाब को साफ करने का काम किया जा रहा था। जब तालाब से कीचड़ निकाला गया तो उसमें दबे हुए मंदिर के बारे में जानकारी मिली।

बताया जाता है कि पेशवा सरदार रामचंद्र मेहेंदले को सबसे पहले कीचड़ में दबी भगवान गणेश की मूर्ति मिली थी। इसके बाद ही इस मंदिर के जीर्णोद्धार का काम किया गया और यहां पत्थरों से एक नए मंदिर का निर्माण किया गया। कहा जाता है कि उस समय यह मंदिर काफी छोटा था। समय के साथ पेशवा द्वारा बनवाया गया मंदिर भी जर्जर हो गया था इसलिए 1965-66 में फिर से इसका जीर्णोद्धार किया गया और उसी स्थान पर 200,000 की लागत से एक नया मंदिर बनाया गया।

झा फ्रेंड्स एसोसिएशन द्वारा स्थापित स्ट्रीट नंबर-4 रवींद्र नगर का गणेश पंडाल

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 17 सितंबर - 2026

यूपीआई पर फीस की दस्तक

यूपीआई ने भारत के भुगतान तंत्र को जिस तेजी से बदला है, असल में वही तो डिजिटल क्रांति है। चाय की दुकान से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक मोबाइल से भुगतान आज सामान्य बात हो चुकी है। कभी जेब में नकदी न होने पर खरीदारी रुक जाती थी, लेकिन अब कुछ सेकंड में लेन-देन पूरा हो जाता है। यही वजह है कि यूपीआई अब देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला बन चुका है। ऐसे में इसके शुल्क ढांचे में बदलाव को केवल फीस के सवाल के रूप में नहीं, बल्कि डिजिटल व्यवस्था की दीर्घकालिक मजबूती से जोड़कर देखना चाहिए। नई व्यवस्था में 2,000 तक के यूपीआई लेन-देन पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। व्यक्ति से व्यक्ति को होने वाले भुगतान पर भी शुल्क नहीं होगा। 2,000 से अधिक के कुछ व्यापारी लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर निर्धारित किया गया है। वहीं 75,000 और उससे अधिक के लेन-देन के लिए एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 तय की गई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूलने के लिए नहीं है। यानी सरकार का उद्देश्य आम उपयोगकर्ता को सीधे आर्थिक बोझ से बचाए रखना है। यह व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यूपीआई की सबसे बड़ी ताकत उसकी सरलता और भरोसा है। छोटे दुकानदार और ग्राहक इसे इसलिए अपनाते हैं क्योंकि इसमें भुगतान आसान, तेज और सुविधाजनक है। यदि व्यापारी शुल्क की भरपाई ग्राहक से अलग से करने लगे या बिल में किसी छिपे शुल्क का रास्ता निकाले, तो डिजिटल भुगतान के प्रति बना भरोसा प्रभावित हो सकता है। इसलिए नियम बनाना जितना जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी उनका सख्ती से पालन कराना है। दूसरा पहलू यूपीआई के बढ़ते विस्तार का है। करोड़ों लोग और करोड़ों लेन-देन इस व्यवस्था का हिस्सा बन चुके हैं। इतनी विशाल डिजिटल व्यवस्था को चलाने के लिए बैंकिंग नेटवर्क, तकनीकी ढांचे, सर्वर, भुगतान प्रणालियों और साइबर सुरक्षा पर लगातार निवेश करना पड़ता है। साथ ही धोखाधड़ी और साइबर अपराधों से निपटने की चुनौती भी बढ़ रही है। इसलिए भुगतान व्यवस्था को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाने के लिए उचित शुल्क ढांचे पर विचार करना अपने आप में गलत नहीं है। सवाल यह है कि इसकी कीमत कौन चुकाए और कितनी चुकाए? सरकार को खास तौर पर छोटे व्यापारियों और कम मार्जिन वाले कारोबारों के हितों का ध्यान रखना होगा। यूपीआई की सफलता का बड़ा कारण यही रहा है कि इसने छोटे से छोटे कारोबारी को डिजिटल भुगतान की सुविधा दी। यदि शुल्क का ढांचा उनके लिए जटिल या महंगा हुआ तो डिजिटल समावेशन की गति प्रभावित हो सकती है। सबसे जरूरी बात यह है कि यूपीआई को केवल लेन-देन के आंकड़ों से सफल नहीं माना जाना चाहिए। उसकी असली सफलता इस बात में है कि आम आदमी बिना झिझक डिजिटल भुगतान करे, व्यापारी उसे सहजता से स्वीकार करे और पूरी व्यवस्था सुरक्षित तथा भरोसेमंद बनी रहे। सरकार ने शुल्क को सीमित दायरे में रखने का प्रयास किया है, अब निगरानी और पारदर्शिता उसकी अगली जिम्मेदारी है। डिजिटल भारत की नींव सुविधा और विश्वास पर टिकी है। शुल्क व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जो इस नींव को मजबूत करे, उस पर बोझ न डाले। यूपीआई की रफ्तार बनी रहे, छोटे कारोबार सुरक्षित रहें और आम आदमी की जेब पर अनावश्यक भार न पड़े, यही इस बदलाव की सबसे बड़ी कसौटी होगी।

सुनहरे सपने दिखा कर अब शुल्क की वसूली

अशोक भाटिया

भारत की अर्थव्यवस्था को कैशलेस बनाने और 'डिजिटल इंडिया' के सुनहरे सपने दिखाने वाली सरकार ने आखिरकार 15 अक्टूबर से लागू होने वाले नए मर्चेंट डिस्काउंट रेट फ्रेमवर्क के जरिए देश की जनता के भरोसे पर करारा प्रहार किया है। लंबे समय से यह ढोल पीटा जा रहा था कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस पूरी तरह मुफ्त है, सुरक्षित है और यह देश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की ताकत है। लेकिन सरकार और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया का यह नया फैसला इस दावे की हवा निकालने के लिए काफी है। जनता आज ठगा हुआ महसूस कर रही है, क्योंकि जिस डिजिटल व्यवस्था की आदत उन्हें डालकर कैशलेस होने के फायदे गिनाए गए थे, अब उसी व्यवस्था के पीछे छिपे टैक्स और चार्जेस के कड़वे सच को सामने लाया जा रहा है। सरकार चाहे जितने भी दावे करे कि यह चार्ज आम ग्राहकों को नहीं बल्कि बड़े व्यापारियों को देना होगा, लेकिन आर्थिक मोर्चे की व्यावहारिक समझ रखने वाला कोई भी आम नागरिक यह बखूबी जानता है कि अंततः किसी भी टैक्स या फीस का बोझ घूम-फिरकर उपभोक्ता की जेब पर ही आकर गिरता है। यह नया ढांचा सीधे तौर पर देश के उस मध्यमवर्ग और नौकरीपेशा समाज के साथ विश्वासघात है, जिसने सरकार के कहने पर अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई को पूरी तरह डिजिटल माध्यमों के सुपुर्द कर दिया था। इस नए फ्रेमवर्क के तहत 2,000 से अधिक के ट्रांजैक्शन पर 0.4% का एमडीआर लगाने का फैसला किया गया है। सरकारी नीति निर्माताओं ने बड़े ही शातिर तरीके से यह आंकड़ा तैयार किया है ताकि पहली नजर में यह जनता को प्रभावित न करे। यह दलील दी जा रही है कि देश के 96 फीसदी मर्चेंट ट्रांजैक्शंस 2,000 से कम के होते हैं, इसलिए आम जनता सुरक्षित है। लेकिन यह पूरी तरह से एक सांख्यिकीय भ्रम है जो जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। आज के इस महंगाई के दौर में 2,000 की रकम क्या अहमियत रखती है? एक मध्यमवर्गीय परिवार जब महीने का राशन खरीदने किसी सुपरमार्केट या किराना दुकान पर जाता है, तो उसका बिल आसानी से 3,000 से 5,000 के पार चला जाता है। बच्चों की स्कूल की फीस, कोचिंग संस्थान के खर्च, बिजली और पानी के बड़े बिल, अस्पताल का खर्च, दवाइयां, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की खरीदारी, या किसी शादी-ब्याह के कपड़े खरीदना-ये सभी रोजमर्रा के ऐसे काम हैं जहां ट्रांजैक्शन की रकम 2,000 की इस कृत्रिम सीमा को पलक झपकते ही पार कर जाती है। ऐसे में यह कहना कि आम जनता इससे प्रभावित नहीं होगी, देश की बहुसंख्यक आबादी के जीवन स्तर और उनकी जरूरतों का क्रूर मजाक उड़ाने जैसा है। जनता के बीच इस कानून को लेकर जो सबसे बड़ा आक्रोश है, वह इस बात को लेकर है कि मर्चेंट्स पर लगाया गया यह चार्ज अंततः उन्हीं से वसूला जाएगा। कोई भी व्यापारी, चाहे वह छोटा हो या बड़ा, अपनी जेब से 0.4% का घाटा नहीं सहेगा। बाजार का सीधा और शाश्वत नियम है कि जब भी किसी व्यवसाय की लागत बढ़ती है, तो वह उस लागत को अपने उत्पाद या सेवा की कीमत में जोड़ देता है। व्यापारी सीधे तौर पर भले ही यूपीआई पेमेंट करने पर आपसे अतिरिक्त पैसे न मांगें, लेकिन वे अपने सामानों के दाम में चुपके से 1 से 2 फीसदी की बढ़ोतरी कर देंगे ताकि उनका प्रॉफिट मार्जिन सुरक्षित रहे। इसका परिणाम यह होगा कि जो व्यक्ति नकद भुगतान करेगा, वह भी बिना वजह इस महंगाई की चपेट में आएगा और जो यूपीआई का इस्तेमाल करेगा, वह तो ठगा जाएगा ही। सरकार ने इस चालाकी से अपने राजस्व को बढ़ाने का रास्ता तो साफ कर लिया, लेकिन इसका सीधा खामियाजा उस जनता को भुगतना पड़ेगा जो पहले से ही बेकाबू महंगाई, बेरोजगारी और घटती क्रय शक्ति से जूझ रही है।इस कानून के पीछे छुपा एक और बड़ा खतरा देश की बैंकिंग और डिजिटल साक्षरता के लोकतांत्रिक ढांचे को नष्ट करना है। भारत जैसे विकासशील देश में लोगों को नकद छोड़कर डिजिटल ट्रांजैक्शन की ओर मोड़ना एक बहुत बड़ी सामाजिक और व्यावहारिक चुनौती थी। लोगों को बैंकों की लाइनों से बचाने और पारदर्शिता लाने के नाम पर सरकार ने खुद हर मंच से यूपीआई का प्रचार किया। रेहड़ी-पटरी वालों से लेकर बड़े-बड़े मॉल तक क्यूआर कोड चिपकाए गए। जनता ने भी सरकार पर भरोसा किया और अपनी सदियों पुरानी नकद लेन-देन की आदत को बदलकर जेब में बटुआ रखना बंद कर दिया। लेकिन अब, जब जनता पूरी तरह इस सिस्टम पर निर्भर हो चुकी है, तब सरकार ने अपनी असली नीयत दिखाते हुए इस पर शुल्क थोपना शुरू कर दिया है। यह नीति बिल्कुल वैसी ही है जैसी कोई निजी टेलीकॉम कंपनी पहले मुफ्त में सेवाएं देकर ग्राहकों को अपना आदी बनाती है और बाद में मनमाने दाम वसूलने लगती है। एक लोकतांत्रिक सरकार से जनहित की नीतियों की उम्मीद की जाती है, न कि किसी मुनाफाखोर कॉर्पोरेट घराने जैसी चालाकी की।

इस फैसले के लागू होने से बाजार में एक बार फिर से 'कैश इकोनॉमी' यानी नकद लेन-देन का चलन तेजी से बढ़ेगा, जो देश की आर्थिक प्रगति के लिए एक प्रतिगामी कदम होगा। जनता के मन में यह डर बैठ गया है कि आज 2,000 पर 0.4% का चार्ज लगा है, तो कल को सरकार इसे बढ़ाकर 1% कर देगी और सीमा को घटाकर 500 कर देगी। इस अविश्वास के कारण लोग अब फिर से बैंकों से नकद निकालकर अपने पास रखने को मजबूर होंगे। जब व्यापारी देखेंगे कि 2,000 से ऊपर के पेमेंट पर उनका नुकसान हो रहा है, तो वे ग्राहकों को नकद भुगतान करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे या फिर यूपीआई पेमेंट लेने से साफ इंकार कर देंगे। इससे वह काला धन और समानांतर अर्थव्यवस्था फिर से सिर उठाएगी, जिसे खत्म करने का दावा सरकार अक्सर करती रही है। डिजिटल लेन-देन में आने वाली इस गिरावट के लिए सीधे तौर पर सरकार की यह अदूरदर्शी और राजस्व-लोभी नीति जिम्मेदार होगी।

देश का बुद्धिजीवी वर्ग और जागरूक नागरिक इस बात से भी बेहद खफा हैं कि सरकार एक तरफ तो कॉरपोरेट टैक्स में भारी छूट देती है, बड़े-बड़े उद्योगपतियों के लाखों करोड़ रुपये के कर्ज को बट्टा खाते में डाल देती है, लेकिन जब देश के आम नागरिकों की बात आती है, तो डिजिटल लेन-देन जैसी बुनियादी सुविधा पर भी टैक्स वसूलने के रास्ते तलाशने लगती है। 75,000 से ऊपर के ट्रांजैक्शन पर अधिकतम 300 की फीस तय करना इस बात का सबूत है कि सरकार को बड़े बिजनेसमैन की फिक्र है, लेकिन उस आम आदमी की कोई परवाह नहीं है जो अपनी गाढ़ी कमाई का छोटा-छोटा हिस्सा जोड़कर जीवन यापन कर रहा है। सरकार का यह कदम देश के नागरिकों के वित्तीय अधिकारों का हनन है। जब देश की जनता पहले से ही हर सामान पर भारी-भरकम जीएसटी दे रही है, अपनी आय पर इनकम टैक्स चुका रही है, तो फिर अपने ही पैसे को एक खाते से दूसरे खाते में ट्रांसफर करने या सामान खरीदने के डिजिटल माध्यम का उपयोग करने पर यह नया जुल्म क्यों ढाया जा रहा है? इस नए फ्रेमवर्क के खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों से विरोध की आवाजें उठने लगी हैं। सोशल मीडिया से लेकर चाय की दुकानों और बाजारों तक में लोग इस कानून की कड़े शब्दों में निंदा कर रहे हैं।

सत्ता के 26 साल और 76 के मोदी

डॉ घनश्याम बादल

सत्ता में लंबे समय तक बने रहना एक उपलब्धि हो सकता है, लेकिन सत्ता के शिखर पर टिके रहना अलग बात है। नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को 76 वर्ष पूरे कर 77वें वर्ष में प्रवेश करेंगे। उनके राजनीतिक जीवन को देखें तो यह भारतीय राजनीति के एक लंबे अध्याय को पढ़ने जैसा है। गुजरात से दिल्ली तक और फिर दिल्ली से दुनिया तक पहुंचे मोदी ने कूटनीति और राजनीति में जैसे जगह बनाई है, वैसे ही आलोचनाएं और बहस भी खड़ी की हैं। 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बनने से 2014 में प्रधानमंत्री बनने और 2019 में पहले से अधिक बहुमत के साथ लौटना, 2024 में बहुमत घटना, लेकिन मोदी का ही तीसरी बार भी प्रधानमंत्री बनना भारतीय राजनीति की एक लंबी कहानी है।

2024 से सत्ता का गणित सहयोगियों पर निर्भर है, फिर भी नेतृत्व का केंद्र वही 'नरेंद्र'हैं जो पहले थे और जैसे पहले थे। यही मोदी की राजनीतिक शक्ति है और यही उनकेसामने भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती भी बननी है।

2024 के बाद मोदी के तीसरे कार्यकाल ने कई कठिन मोड़ देखे। अप्रैल 2025 का पहलगाम आतंकी हमला, जिसमें 26 लोगों की जान गई, सरकार के सामने सुरक्षा और राष्ट्रीय मनोबल की बड़ी चुनौती बनकर आया। उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर ने भारत-पाक संबंधों को सैन्य टकराव के नए दौर में पहुंचाया। सरकार ने इसे आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई बताया, जबकि विपक्ष ने सैन्य कार्रवाई के बाद युद्धविराम की परिस्थितियों और उसके राजनीतिक प्रबंधन पर सवाल उठाए। यहीं मोदी की राजनीति का दूसरा पहलू सामने आता है। संकट को राजनीतिक संदेश में बदलना उन्हें बखूबी आता है। राष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकवाद और भारत की जवाबदेही के सवाल को उन्होंने घरेलू राजनीति से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया। अभी ब्रिक्स घोषणा में चीन समेत सदस्य देशों द्वारा पहलगाम हमले की स्पष्ट निंदा कराया जाना भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता माना गया है तो इसका श्रेय नरेंद्र मोदी के खाते में जाना स्वाभाविक है। लेकिन राजनीति में हर उपलब्धि के साथ एक प्रतिप्रश्न भी चलता है। यदि पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर मोदी सरकार के लिए सुरक्षा और कूटनीति की परीक्षा थे, तो रोजगार, महंगाई, असमानता और युवाओं की आकांक्षाएं आर्थिक परीक्षा बनी हुई हैं। सरकार विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे और कल्याणकारी योजनाओं को अपनी उपलब्धियों में गिनाती है, लेकिन आलोचक पूछते हैं कि इन उपलब्धियों का लाभ रोजगार और आय के स्तर पर कितनी समानता से पहुंचा।

मोदी की बड़ी विशेषता रही है आलोचना को राजनीतिक ऊर्जा में बदलने की क्षमता। विपक्ष जितना उन्हें घेरता है, वे उतनी ही तेजी से अपना सीधा संवाद जनता तक ले जाते हैं। उनकी रेडियो, सोशल मीडिया, चुनावी सभाएं और लाभार्थी-केंद्रित राजनीति ने प्रधानमंत्री पद को भी एक राजनीतिक ब्रांड में बदल दिया है।

2024 चुनाव परिणाम मोदी के लिए चेतावनी था लेकिन उसके बाद की घटनाओं ने यह भी दिखाया कि मोदी ने इस झटके के बाद भ राजनीतिक जादूगरी कायम रखी । मोदी की खास बात है कि वह घटनाओं को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना जानते हैं 2026 के ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात इसका एक उदाहरण है उन्होंने मतभेदों के बीच सीमा पर शांति, व्यापार और संवाद आगे बढ़ाने की बात आगे की। जबकि चीन के साथ व्यापार घाटा, सीमा विवाद और रणनीतिक अविश्वास अभी समाप्त नहीं हुए हैं। भारत की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन में सदस्य व सहयोगी देशों के बीच घोषणा पर सहमति बनी।

स्थानीय मुद्राओं में व्यापार, सीमा-पार भुगतान, वैश्विक शासन में सुधार और ग्लोबल साउथ की आवाज जैसे मुद्दों को आगे बढ़ाया गया। मोदी के लिए यह विदेश नीति की उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि एक ही मंच पर चीन, रूस, ईरान, सऊदी अरब और अन्य परस्पर भिन्न हितों वाले देश मौजूद थे। भारत ने इन मतभेदों के बीच सहमति का रास्ता निकाला। मगर आत्ममुग्ध होने की गुंजाइश कम है। मोदी की राजनीति की सबसे बड़ी खासियत है कि वे आलोचकों को भी अपने इर्द-गिर्द राजनीति करने के लिए मजबूर कर देते हैं। वे जिन मुद्दों पर बोलते हैं, विपक्ष अक्सर उन्हीं मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया तय करता है। लेकिन आलोचकों का आरोप भी जायज है कि नरेंद्र मोदी के दौर में सत्ता का अत्यधिक केंद्रीकरण हुआ है, संस्थाओं की स्वायत्तता, मीडिया की स्वतंत्रता और असहमति के लिए जगह जैसे प्रश्न गंभीर हुए हैं। समर्थक इसके विपरीत इसे निर्णायक नेतृत्व और स्थिर शासन की आवश्यकता बताते हैं। दोनों पक्षों के बीच यह बहस मोदी की राजनीतिक विरासत का स्थायी हिस्सा बन चुकी है। अब सबसे बड़ा सवाल उठने लगा है कि मोदी के बाद कौन? भाजपा और देश में नेता अनेक हैं, मगर मोदी जैसी अखिल भारतीय पहचान, चुनावी अपील और व्यक्तिगत राजनीतिक पकड़ वाला दूसरा चेहरा फिलहाल दिखाई नहीं देता। इसका अर्थ यह नहीं कि ऐसा नेता पैदा नहीं हो सकता। राजनीति कभी रिक्त नहीं रहती। लेकिन यह ज़रूर बताता है कि 76 वर्ष की उम्र में भी मोदी ने अपनी अपरिहयर्ता बनाए रखी है

नरेंद्र मोदी के सामने अगली चुनौती केवल अगला चुनाव नहीं है अपनी उपलब्धियों को संस्थागत विरासत में बदलना है। आर्थिक विकास को रोजगार में, वैश्विक प्रतिष्ठा को ठोस रणनीतिक लाभ में, राष्ट्रीय सुरक्षा को दीर्घकालीन शांति में और राजनीतिक वर्चस्व को ऐसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में बदलना होगा जिसमें उनके बाद भी व्यवस्था उतनी ही प्रभावी ढंग से चल सके। नरेंद्र मोदी के मूल्यांकन का अंतिम फैसला तो इतिहास ही करेगा। बेशक, उन्होंने भारतीय राजनीति को बदला है, पर विवाद इस बात पर है कि यह बदलाव कितना स्थायी, कितना समावेशी और कितना संस्थागत साबित होगा। 76 की उम्र में मोदी के सामने अब सवाल सत्ता हासिल करने का नहीं, सत्ता के बाद की अपनी विरासत तय करने का है।

शिखर पर पहुंचना कठिन होता है, लेकिन शिखर से उतरते समय पीछे क्या दिखाई देता है,इतिहास अंततः इसी से किसी नेता की ऊंचाई नापता है और अभी तो नरेंद्र मोदी का कद काफी बड़ा दिखाई देता है बाकी उनके असली कद, पद और हद का फैसला तो आने वाला समय ही करेगा।

दिशा सालियान की मौत का सच सामने आएगा?

अनिकेत सिंह

फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर दिशा सालियान की मौत 8 जून, 2020 को इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने के कारण हुई थी। लेकिन छह साल बाद भी उनकी मौत के आसपास रहस्य के बादल छाए हुए हैं। दिशा की मौत को लेकर फिर सवाल उठने लगे हैं कि आखिर उनकी मौत का वास्तविक कारण क्या था? क्या यह हादसा था, आत्महत्या थी या इसके पीछे कोई और वजह थी? क्या दिशा के साथ गैंगरेप हुआ था? अगर उन्होंने आत्महत्या की थी तो ऐसी कौन-सी परिस्थिति थी, जिसने उन्हें जिंदगी खत्म करने का फैसला लेने के लिए मजबूर किया? इन सवालों के जवाब अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की जांच से मिलने की उम्मीद की जा रही है।दिशा सालियान की मौत के ठीक छह दिन बाद 14 जून, 2020 को सुशांत सिंह राजपूत की भी रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हो गई थी। सुशांत की मौत को लेकर भी लंबे समय तक सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में दिशा और सुशांत की मौत के बीच किसी तरह का संबंध था या नहीं, यह सवाल भी लगातार चर्चा में रहा है।

8 जून, 2020 को दिशा अपने मुंबई स्थित आवास की इमारत की 14वीं मंजिल से नीचे गिर गई थीं। इस घटना में उनकी मौत हो गई थी। पुलिस ने शुरुआत में उनकी मौत को आकस्मिक मौत के रूप में दर्ज किया था। बाद में दिशा की मौत को आत्महत्या मानकर केस बंद करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। दिशा के पिता सतीश सालियान ने पुलिस की जांच और कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त करते हुए न्याय की मांग को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उनकी याचिका के संदर्भ में अदालत ने दिशा सालियान मामले की जांच सीबीआई को सौंपने और नई एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

अदालत के आदेश के बाद सीबीआई ने दिशा के पिता की ओर से लगाए गए गैंगरेप और हत्या के गंभीर आरोपों के आधार पर नई एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। दिशा सालियान मामले में शुरुआत से ही आरोप लगते रहे हैं कि प्रभावशाली लोगों को बचाने के लिए मामले को दबाने का प्रयास किया गया। अब सीबीआई की जांच शुरू होने के बाद एक बार फिर यह उम्मीद जगी है कि मामले से जुड़े तथ्यों की नए सिरे से जांच होगी और यदि कोई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आता है तो वह सार्वजनिक हो सकेगा। दिशा की मौत के बाद छठे ही दिन अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत हुई थी। अब सीबीआई ने दिशा की मौत का मामला अपने हाथ में लिया है। इस मामले में आदित्य ठाकरे, अभिनेता डीनो मोरिया, सूरज पंचोली, रिया चक्रवर्ती और अन्य प्रभावशाली लोगों के नामों को लेकर आरोप और चर्चाएं होती रही हैं। दिशा के पिता सतीश सालियान की ओर से दी गई जानकारियों के आधार पर सीबीआई ने जो शिकायत दर्ज की है, उसमें कुल मिलाकर करीब 40 लोगों के नाम बताए गए हैं। दिशा के मामले में सबसे अधिक चर्चा आदित्य ठाकरे के नाम की हुई है। आरोप लगाया जाता रहा है कि दिशा की मौत के समय आदित्य ठाकरे अपने कुछ दोस्तों के साथ मौजूद थे। हालांकि आदित्य ठाकरे शुरुआत से ही दिशा को पहचानने और उनसे कभी मिलने से इनकार करते रहे हैं।

दिशा की मौत के समय महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार सत्ता में थी। मामले को लेकर उद्धव ठाकरे पर भी प्रभाव का इस्तेमाल करके जांच को प्रभावित करने या मामले को दबाने के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि उद्धव ठाकरे ने इन आरोपों से इनकार किया है और मामले से किसी तरह का संबंध होने से भी इनकार किया है। दिशा की मौत के मुख्य मामले में संलिप्तता का संदेह जिन लोगों पर जताया गया है, उनमें आदित्य ठाकरे के अलावा अभिनेता डीनो मोरिया, सूरज पंचोली और दिशा के मंगेतर रोहन राय का नाम भी सामने आता रहा है। सुशांत सिंह राजपूत की प्रेमिका रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती के खिलाफ भी कथित तौर पर झूठी कहानियां गढ़ने के आरोपों के संदर्भ में जांच की बात कही गई है।

दिशा के मामले को दबाने के आरोपों में तत्कालीन गृहमंत्री अनिल देशमुख, मुंबई के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह, विवादास्पद पुलिस अधिकारी सचिन वाजे और डीसीपी विशाल ठाकुर सहित कई नामों का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा डा. संजय यादव और फोरेंसिक लैब के केमिकल एनालिस्ट पर भी आरोप लगाए गए हैं कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कथित तौर पर छेड़छाड़ कर गैंगरेप से जुड़े संभावित सबूतों को बदलने या छिपाने का प्रयास किया गया था।

सीबीआई दिशा सालियान मामले में मुख्य रूप से चार पहलुओं की जांच कर रही है। सबसे प्रमुख सवाल यह है कि क्या दिशा के साथ गैंगरेप हुआ था और यदि ऐसा हुआ था तो इसमें कौन लोग शामिल थे? घटना वाली रात और उससे पहले दिशा के साथ क्या हुआ था? क्या इस घटना को अंजाम देने के लिए पहले से कोई योजना बनाई गई थी? घटना के बाद उसे छिपाने में किसकी दिलचस्पी थी और इसमें किसकी क्या भूमिका थी? इसके अलावा यह भी जांच का विषय है कि दिशा की मौत को आत्महत्या या दुर्घटना साबित करने के लिए क्या कोई कहानी तैयार की गई थी।

मालवा बना युवा वोटरों का केंद्र

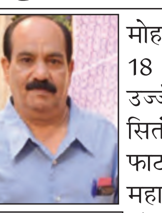

अनिल शुक्ला

मध्यप्रदेश की औद्योगिक और राजनीतिक राजधानी इंदौर में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले मालवा की सियासी जमीन पर घमासान मच गया है। राहुल की युवाओं और छात्रों में बढ़ती पैठ और 19 सितंबर को इंदौर में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर आ रहे फीडबैक के बाद भाजपा और आरएसएस ने काउंटर प्लान तैयार कर लिया है। विधानसभा चुनाव से दो साल पहले ही मालवा फिर से सियासत का सबसे बड़ा अखाड़ा बन गया है। राहुल गांधी 19 सितंबर को इंदौर के रीजनल पार्क के सामने बने 'भारत जोड़ो मैदान' में छात्रों, युवाओं और जेन-जी को संबोधित करेंगे। कांग्रेस इसे शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक, महंगी फीस और बेरोजगारी पर देशव्यापी संवाद बता रही है। यह राहुल के अभियान का 5वां आयोजन है। इससे पहले कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में कार्यक्रम हो चुके हैं।

भाजपा-संघ का काउंटर प्लान

सूत्रों के मुताबिक राहुल के कार्यक्रम की गंभीरता को देखते हुए 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भाजपा ने तीन बड़े आयोजन तय किए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन का यह पहला मध्यप्रदेश दौरा होगा।

इस दौरान इंदौर में स्वामित्व योजना की शुरुआत होगी, जिसके तहत ग्रामीण आबादी को आवासीय जमीन का मालिकाना हक दिया जाएगा। मंदसौर के गांधी सागर अभयारण्य में चीतों को छोड़ने का कार्यक्रम और उज्जैन में शिप्रा किनारे सेवा संकल्प अभियान के तहत 25 लाख दीपों का महा दीपोत्सव आयोजित होगा। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकम आनन फानन में तैयार किया गया है।इसे राहुल के कार्यकम के तोड़ के रूप में देखा जा रहा है। आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत भी 17-18 सितंबर को दो दिन उज्जैन में रहेंगे। 17 सितंबर को कोयला फाटक स्थित मनोरमा महाकाल गार्डन में संगठनात्मक बैठक और अरविंद नगर में स्वयंसेवकों को संबोधन करेंगे। 18 सितंबर को सुबह 11 बजे देवास रोड स्थित गीता भवन में 'युवा धर्म संसद' में युवाओं से सीधा संवाद करेंगे। पहली बार संघ औपचारिक रूप से 'युवा धर्म संसद' जैसे फॉर्मेट में राष्ट्र, संस्कृति और युवाओं की भूमिका पर फोकस कर रहा है।

19 को फाइनल मुकाबला

19 सितंबर का दिन सबसे अहम होगा। एक तरफ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 7500 मेधावी छात्रों को ई-स्कूटी बांटकर युवा हितैषी छवि का संदेश देंगे, तो दूसरी तरफ राहुल गांधी उसी युवा वर्ग के सवालों को 'छात्रों की गूंज' के जरिए मंच देंगे।

क्यों अहम है मालवा?

राजनीतिक पंडितों के मुताबिक इसके गहरे सियासी मायने हैं। मालवा में 8 लोकसभा और 60 से ज्यादा विधानसभा सीटें हैं। 2023 में भाजपा ने यहां क्लीन स्वीप किया था। कांग्रेस जानती है कि 2028 में वापसी के लिए मालवा के युवा में सेंध लगानी होगी। इसीलिए नेहरू स्टेडियम न मिलने के बाद भी 10 लाख रुपये का पट्टा लेकर आईडीए की जमीन पर नया 'भारत जोड़ो मैदान' बनाया गया है। राजनीतिज्ञ पंडितों के अनुसार भाजपा भी जानती है कि मालवा में युवा खिसका तो गढ़ ढह जाएगा। राहुल की टीम ने शिफ्ट किया है - संसद से सीधे कैंपस की ओर। 'छात्रों की गूंज' उसी का हिस्सा है। और भाजपा का जवाब भी उसी भाषा में है। अब लड़ाई सिर्फ लाडली बहना या किसान सम्मान निधि की नहीं, उस वोटर की है जो रील देखता है, मीम बनाता है और पेपर लीक पर सबसे ज्यादा गुस्सा होता है। इधर मलावा क्षेत्र में 17 को दीप, 18 को धर्म और 19 को गूंज। तीन दिन में युवा वोट का फाइनल ट्रेलर दिखेगा।

हैदराबाद में गुलामी से मुक्ति की नींव

भारत की स्वतंत्रता गाथा केवल दिल्ली, बम्बई या कोलकत्ता तक सीमित नहीं थी। निज़ाम शासित हैदराबाद राज्य भी इस ज्वाला से अछूता नहीं रहा। आर्य समाज के तपस्वियों और त्यागियों ने यहां अपने अद्वितीय बलिदान से गुलामी की जंजीरों को तोड़ा और हैदराबाद मुक्ति आंदोलन को नयी दशा दी।

त्याग ही जीवन का अमृत :

आर्य समाज का इतिहास त्याग और बलिदान का इतिहास है। वह जीवन ही धन्य है जो परिवार, समाज, देश और धर्म के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया।

सन1938 में निज़ाम सरकार की दमनकारी नीतियों ने हैदराबाद के आर्यों को हिंदुओं की रक्षा हेतु आंदोलत किया।

क्रांतिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी ने पंडित दत्तात्रेय प्रसाद वकील के नेतृत्व में अपने साथियों के साथ मिलकर आर्यन डिफेन्स लीग (आर्य रक्षा समिति) की स्थापना की। इसमें राजपाल, प्रताप नारायण, ए.बाल रेड्डी, सोहनलाल और विश्वनाथ जैसे नेता सक्रिय हुए।

आर्य महासत्याग्रह का बिगुल निज़ाम शाही के विरुद्ध आर्य रक्षा समिति ने हैदराबाद सत्याग्रह का शंखनाद किया। गंगाराम जी के नेतृत्व और संगठन क्षमता के बल पर 22 जत्थों के सत्याग्रही क्रमशः जेल की यातनाएं सहते हुए धर्म और स्वतंत्रता की राह पर डटे रहे। इन जत्थों के सर्वाधिकारी थे पंडित दत्तात्रेय प्रसाद वकील, पंडित देवीलाल, दिगंबरराव शिवनगीकर, शंकरराव पटेल, दिगंबरराव लाठकर, बंसीलाल व्यास, शेषराव वाघमारे आदि। हैदराबाद राज्य से ही लगभग 5000 सत्याग्रही जेल गए। गाड़ियों पर ओ३म के ध्वज फहराते और वैदिक धर्म के जयघोष गूंजते। हर स्टेशन पर सत्याग्रहियों का स्वागत होता । समाचार पत्र निज़ाम जेलों में हो रहे अमानुषिक अत्याचारों से भरे रहते, जो कायरों में भय और वीरों में जोश जगाते थे।

आर्य समाज की रणनीतिः सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा ने सोलापुर अधिवेशन में आंदोलन का समर्थन किया। संचालन की जिम्मेदारी स्वामी स्वतंत्रतानंद जी को दी गई, जिन्होंने क्रांतिवीर पंडित गंगाराम को गुप्त संगठनात्मक कार्य सौंपा गया।

देशभर से जत्थे तैयार हुए। प्रथम जत्था महात्मा नारायण स्वामी जी के नेतृत्व में और इस तरह सात जत्थे निज़ाम के विरुद्ध सत्याग्रह पर गिरफ्तार हुए। आठवें जत्थे का नेतृत्व पंडित विनायकराव विद्यालंकार कर रहे थे, परंतु आंदोलन की सफलता को देखकर निज़ाम सरकार को झुकना ही पड़ा, सभी मांगे मान ली गई और सभी कैदियों को रिहा कर दिया गया।

हुतात्माओं का अमर बलिदानः हैदराबाद आर्य महासत्याग्रह में सैकडों सत्याग्रही वीरगति को प्राप्त हुए। पंजाब, बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड से लेकर हैदराबाद राज्य तक की वीरों ने अपना जीवन अर्पित किया।

इन अमर बलिदानियों ने ही निज़ाम शासन की नींव हिला दी। क

्या भाग्यनगर (हैदराबाद) की धरती पर उनके त्याग को स्थायी रूप से संजोया गया ? हैदराबाद मुक्ति दिवस पर हमें उन अज्ञात वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करनी चाहिए, जिन्होंने निजामशाही की बेडियों को तोड़कर स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया।

उनके जीवन से प्रेरणा लेकर ही नई पीढ़ी धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति त्याग और समर्पण का भाव सीख सकते हैं।

भक्त राम : अध्यक्ष - स्वतंत्रता सेनानी पं गंगाराम स्मारक मंच

दाल, चावल, चीनी में लगने लगे हैं कीड़े तो इन हैक्स से सुरक्षित रखें घर का राशन

मौसम बदलते ही अनाज में कीड़े लगने की समस्या बहुत बढ़ जाती है। दाल, चावल, मसाले, रवा आदि में सफेद इल्ली और काले घुन होने लगते हैं। ऐसे में कुछ स्टेप्स जरूर फॉलो करें जो आपका सामान बर्बाद होने से बचाएंगी। किचन की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक होता है कि दाल या चावल में कीड़े लग जाएं।

अगर किचन के किसी एक डिब्बे में कीड़ों ने हमला कर दिया, तो पूरी अलमारी में कीड़े लगने का खतरा बना रहता है। छोटी-छोटी इल्लियां और काले रंग के घुन दोनों ही अनाज को खराब करने के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

सबसे बड़ी बात यह है कि एक बार कीड़े लग गए, तो उन्हें साफ करने के लिए आपको बहुत मेहनत करनी होती है। आप ऐसा भी नहीं कर सकतीं कि अनाज में यूं ही कोई केमिकल की गोली डाल दें क्योंकि ऐसा करने से आपकी सेहत पर भी असर पड़ सकता है।

सूखी नीम की पत्तियों को अनाज में डालें

सबसे आसान तरीका अनाज से कीड़े हटाने का यही हो सकता है कि आप सूखी हुई नीम की पत्तियों को उसमें डालकर रख दें। गेहूं, दाल और चावल के लिए तो ये तरीका काफी उपयोगी साबित होता है। हां, आपको क्वांटिटी थोड़ी ज्यादा रखनी होगी। एक-दो पत्तियों से काम नहीं चलेगा। अगर आप नीम की पत्तियों को अनाज में रख रही हैं, तो ध्यान रखें कि किसी भी हालत में पत्तियां गीली ना हों।

अगर आप किसी भी कारण से गीली पत्तियों को रख देंगी, तो फंगस भी हो सकती है। इसलिए सूखी नीम की पत्तियों को ही अनाज में डालें।

माचिस के डिब्बे से दूर करें कीड़ों की समस्या

हो सकता है कि इस होम रेमेडी के बारे में सुनकर आपको थोड़ा अजीब लगे। पर शायद आपको पता नहीं कि ये रेमेडी आपके कितने काम आ सकती है। दरअसल, माचिस के डिब्बे में सल्फर होता है जिससे कीड़े डरकर भागते हैं। इस सल्फर की वजह से अनाज खराब ना हो इसलिए किसी कपड़े में बांधकर माचिस का डिब्बा रखें। ध्यान रखें कि जिस भी डिब्बे में इसे रख रही हैं उसमें किसी तरह का मॉइश्चर ना हो। माचिस के डिब्बे में बारूद भी होता है इसलिए अगर आप ये ट्रिक आजमा रही हैं, तो अनाज को हमेशा दो-तीन बार धोकर ही इस्तेमाल करें।

काली मिर्च की मदद से खत्म होंगे अनाज के कीड़े

काली मिर्च भी ऐसी चीज है जिससे कीड़े दूर भागते हैं। हां, आप अनाज के बीच में साबुत काली मिर्च रख सकती हैं, लेकिन ध्यान रखें कि इसे रखते हुए किसी कपड़े में बांध दें वर्ना काली मिर्च अनाज के स्वाद पर भी असर डाल सकती है। अगर एक-दो कीड़े ही दिख रहे हैं, तो आप इस तरीके को जरूर अपना कर देखें।

तेजपत्ता और लौंग दूर भगाएगा कीड़े

अनाज में कीड़े लगने से बचाने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं और उसी में से एक आजमाया हुआ उपाय है तेजपत्ता और लौंग अनाज में रखने का। आप अनाज के डिब्बे में दो-तीन तेज पत्ता और 10-12 लौंग डाल दीजिए। अगर कीड़े लग गए हैं, तो वो खत्म होने लगेंगे और अगर कीड़े नहीं लगे हैं, तो वो आएंगे ही नहीं।

अनाज से कीड़े निकालने के लिए क्या नहीं करना है?

अनाज में कीड़े लगना आम बात है और इसके लिए हम तरह-तरह के उपाय भी कर लेते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप कुछ रिस्की चीजें अपना लें।

मार्केट में सल्फास जैसी जहर वाली गोलियां भी मिलती हैं जिन्हें लोग कपड़े में बांधकर अनाज में रख लेते हैं। ऐसा करने से आप खुद को बहुत रिस्क में डाल सकती हैं। इस तरह की गोलियां किसी भी तरह से सुरक्षित नहीं होतीं।

कुछ लोग तेल लगाकर अनाज को धूप में सुखा लेते हैं। यह तरीका 1-2 किलो क्वांटिटी के लिए तो सही है, लेकिन अगर आप बहुत ज्यादा इसका इस्तेमाल करेंगी, तो तेल पुराना होते ही अनाज में से बदबू आने लगेगी।

आप अनाज को धूप में सुखाकर कीड़ों की समस्या से छुटकारा पा सकती हैं, लेकिन ऐसे किसी मौसम में ना सुखाएं जिसमें जरा भी मॉइश्चर या नमी हो। अगर अनाज में बहुत ज्यादा कीड़े लग गए हैं, तो उसे बचाकर ना रखें। उसे फेंकने में ही भलाई है।

बिना पैसे खर्च किए चमक जाएगा आपका चेहरा अगर इस्तेमाल करेंगी ये घरेलू फेस पैक

हरतालिका तीज का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास माना जाता है। ये व्रत अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए रखा जाता है। इस साल सुहागिनों का ये त्योहार 6 सितंबर को मनाया जाएगा। इसके लिए महिलाओं ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। इस दिन महिलाएं खूब अच्छे से तैयार होकर महादेव और माता पार्वती की पूजा करती हैं। बहुत सी जगहों पर तो सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए कुंवारी कन्याएं भी ये व्रत रखती है।

हरतालिका तीज के दिन सजने-संवरने का भी काफी महत्व होता है। ऐसे में अगर आप हरतालिका तीज के दिन दमकती त्वचा पाना चाहती हैं तो अभी से घर पर बने फेस पैक का इस्तेमाल करें। यहां हम आपको कुछ ऐसे घरेलू फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको बनाने के लिए आपको पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बेसन और हल्दी से फेस पैक बनाने का सामान

- 2 टेबलस्पून बेसन
- 1/2 टेबलस्पून हल्दी
- 1 टेबलस्पून नींबू का रस
- 1-2 टेबलस्पून दही

विधि

इस फेस पैक को बनाने के लिए आपको सबसे पहले सभी सामानों को मिलाकर पेस्ट बना तैयार करना है। अब इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। सूखने पर हल्के हाथों से रगड़ते हुए धो लें। इससे आपकी त्वचा खिल उठेगी।

शहद और दूध से फेस पैक बनाने का सामान

- 2 टेबलस्पून शहद
- 1 टेबलस्पून कच्चा दूध

विधि : इस पैक को बनाना काफी आसान है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले शहद और दूध को मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इसे चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट तक लगा रहने दें। 20 मिनट के बाद अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। यह त्वचा को मॉइस्चराइज और नरम बनाता है। अगर आपकी त्वचा ड्राई है, तब तो इसका इस्तेमाल अवश्य करें।

टमाटर और बेसन से फेस पैक बनाने का सामान

- 2 टेबलस्पून टमाटर का रस
- 1 टेबलस्पून बेसन
- 1/2 टेबलस्पून नींबू का रस

विधि :चेहरे की चमक बरकरार रखने के लिए आपको इस पैक की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए सबसे पहले इन सभी सामग्रियों को मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट तक सूखने दें। ठंडे पानी से चेहरे को धो लें। ये पैक चेहरे के दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करता है।

नाश्ते में करते हैं ये गलतियां तो पूरे दिन रहेगी थकान

दिन की शुरुआत हम जिस चीज से करते हैं, उसका असर पूरे दिन की ऊर्जा और काम करने की क्षमता पर पड़ता है। सुबह का नाश्ता शरीर के लिए दिन का पहला ईंधन माना जाता है। रातभर के लंबे अंतराल के बाद जब हम सुबह कुछ पौष्टिक खाते हैं, तो शरीर को काम करने के लिए ऊर्जा मिलती है। लेकिन कई बार जल्दबाजी, व्यस्त दिनचर्या या स्वाद के चक्कर में हम नाश्ते से जुड़ी कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो सेहत पर उल्टा असर डाल सकती हैं।

सुबह की सबसे आम गलती है नाश्ता न करना है। कई लोग वजन कम करने या समय की कमी के कारण नाश्ता नहीं करते और सीधे दोपहर का खाना खाते हैं। लंबे समय तक ऐसा करने से कुछ लोगों को सुबह कमजोरी, थकान या ध्यान लगाने में परेशानी महसूस हो सकती है। खासकर जिन लोगों का दिन शारीरिक या मानसिक मेहनत वाला होता है, उनके लिए सुबह संतुलित भोजन लेना फायदेमंद हो सकता है। इसलिए कोशिश करें कि सुबह कुछ पौष्टिक जरूर खाएं। बहुत ज्यादा समय न हो तो फल, दही, अंडे, पोहा, उपमा या ओट्स जैसे आसान विकल्प लिए जा सकते हैं।

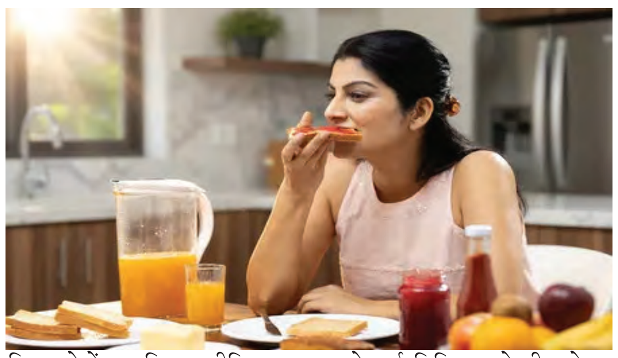

सुबह के नाश्ते में मीठी चीजों का ज्यादा इस्तेमाल भी अच्छी आदत नहीं है। बाजार में मिलने वाले कई बिस्किट, पेस्ट्री, डोनट या मीठे पेय पदार्थों में रिफाइंड शुगर की मात्रा ज्यादा हो सकती है। ऐसी चीजें खाने से तुरंत ऊर्जा महसूस हो सकती है, लेकिन यह हमेशा लंबे समय तक पेट भरा रखने का बेहतर तरीका नहीं है। नाश्ते में ज्यादा चीनी की जगह फल, साबुत अनाज और अन्य पौष्टिक चीजों को शामिल करना बेहतर विकल्प हो सकता है।

सिर्फ कार्बोहाइड्रेट वाला नाश्ता करने से जल्दी भूख लग सकती है। इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि भोजन में पर्याप्त प्रोटीन नहीं है। प्रोटीन पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद करता है और संतुलित डाइट का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बजाय नाश्ते में अंडा, दही, पनीर, दूध, दाल, चना, मूंग या अन्य प्रोटीन स्रोत शामिल किए जा सकते हैं। इससे नाश्ता ज्यादा संतुलित बन सकता है।

भारत में बहुत से लोगों के दिन की शुरुआत चाय से होती है। कुछ लोग तो नाश्ता करने से पहले ही एक या दो कप चाय पी लेते हैं। लेकिन ऐसा करने से कुछ लोगों में एसिडिटी या पेट की परेशानी बढ़ सकती है। अगर आपको पहले से गैस या एसिडिटी की शिकायत रहती है, तो खाली पेट चाय पीने की आदत पर ध्यान देना चाहिए। बेहतर है कि सुबह चाय के साथ या उससे पहले कुछ हल्का खा लिया जाए।

महिलाओं के लिए बहुत जरूरी हैं पोषक तत्व भोजन में शामिल करें ये चीजें

हमारा स्वास्थ्य कैसा होगा यह काफी हद तक हमारे आहार की पौष्टिकता पर निर्भर करता है। यही कारण है कि बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी लोगों को नियमित रूप से पोषक तत्वों से भरपूर चीजों के सेवन की सलाह दी जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इन सबके अलावा महिलाओं को कई कारणों से अपने आहार पर अतिरिक्त ध्यान देना चाहिए। माहवारी और हार्मोनल असंतुलन के कारण होने वाली जटिलताओं से बचे रहने के लिए सभी महिलाओं के लिए भोजन में पौष्टिक चीजों को शामिल करना आवश्यक हो जाता है।

हमारे दैनिक जीवन में पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सितंबर महीने को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाता है। आइए पोषण विशेषज्ञ से समझते हैं कि महिलाओं को नियमित रूप से किन पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है और इसकी पूर्ति कैसे की जा सकती है?

क्या कहती हैं पोषण विशेषज्ञ?

विशेषज बताती हैं, उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं को कई प्रकार की स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। मासिक धर्म और गर्भावस्था से लेकर स्तनपान और रजोनिवृत्ति तक शरीर में हार्मोनल परिवर्तन होते रहते हैं। ये कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। इन परेशानियों से बचे रहने के लिए जरूरी है कि आप अपने आहार की पौष्टिकता पर विशेष ध्यान देती रहें। भारतीय महिलाओं में आयरन की कमी एक बड़ी समस्या रही है। भोजन की थाली में कुछ चीजों को शामिल करके आप शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति कर सकती हैं।

भोजन में जरूर हो आयरन की मात्रा

रक्त को शरीर में ऑक्सीजन ले जाने के लिए आयरन की आवश्यकता होती है। मासिक धर्म के कारण महिलाओं में पुरुषों की तुलना में आयरन की कमी होने का खतरा अधिक होता है। गर्भावस्था और प्रसव के कारण भी आयरन की कमी हो सकती है। आहार से आयरन की पूर्ति के लिए सीमित मात्रा में रेड मीट के साथ पालक, पत्तेदार सब्जियां, मेवे, सीड्स का सेवन करना चाहिए।

विटामिन बी बहुत जरूरी

महिलाओं के लिए विटामिन-बी वाली चीजों का नियमित सेवन करना भी बहुत जरूरी है। विटामिन-बी (बी3, बी6, बी9, बी12) कोशिकाओं के विकास और कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है। यह पोषक तत्वों को ऊर्जा में भी परिवर्तित करता है। विटामिन बी6 महिलाओं में एनीमिया को रोकने और उसके इलाज करने में मदद करता है। इसी तरह विटामिन बी9 गर्भवती महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण विटामिन है। बी12 महिलाओं में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण और एनीमिया की रोकथाम में भी मदद करता है। आहार में दही, लो फैट वाला दूध, पौधों पर आधारित खाद्य पदार्थ, पनीर, अंडे और चिकन को जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

विटामिन डी और कैल्शियम

50 की उम्र के बाद महिलाओं में हड्डियों से संबंधित समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। इन समस्याओं से बचाव के लिए आहार में विटामिन-डी और कैल्शियम वाली चीजों को जरूर शामिल करें। विटामिन-डी भोजन से कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है। कैल्शियम हड्डियों और दांतों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी है। इन पोषक तत्वों की पूर्ति के लिए संतरे, मशरूम, सोया और डेयरी उत्पादों का नियमित सेवन किया जाना चाहिए।

भारत के तकनीकी भविष्य का 'ब्रेन' बना आईआईटी मद्रास

सुरेश गांधी

कुछ संस्थान ज्ञान देते हैं, कुछ संस्थान डिग्री देते हैं और कुछ संस्थान दुनिया बदलने वाली सोच पैदा करते हैं। चेन्नई स्थित आईआईटी मद्रास को करीब से देखने और वहां पूरा दिन बिताने के बाद ऐसा ही अनुभव हुआ। विशाल परिसर, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, शोध में डूबे वैज्ञानिक, तकनीक को उद्योग तक पहुंचाने में जुटे विशेषज्ञ और भविष्य की चुनौतियों के समाधान खोजते युवा इन सबको एक साथ देखना किसी प्रयोगशाला में भारत का आने वाला कल देखने जैसा था। काशी से आए पत्रकारों के लिए यह दौरा महज एक शैक्षणिक संस्थान की यात्रा नहीं रहा। अलग-अलग विशेषज्ञों और संस्थान से जुड़े लोगों से बातचीत में यह समझने का अवसर मिला कि भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता केवल नारों से नहीं, बल्कि प्रयोगशालाओं में चल रहे लगातार शोध, पेटेंट, प्रोटोटाइप, स्टार्टअप और उद्योग से जुड़ाव से आकार ले रही है। आईआईटी मद्रास में एक बात विशेष रूप से महसूस होती है—यहां शोध का अंतिम लक्ष्य केवल शोधपत्र प्रकाशित करना नहीं, बल्कि शोध को समाधान में और समाधान को समाज तक पहुंचने वाली तकनीक में बदलना है।

यहां 'ब्रेन' सिर्फ पढ़ता नहीं, भविष्य बनाता है

आईआईटी मद्रास की पहचान देश के शीर्ष तकनीकी संस्थानों में होने के साथ-साथ उसके मजबूत रिसर्च इकोसिस्टम से है। यहां इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, क्वांटम टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, 5जी-6जी, उन्नत विनिर्माण, ऊर्जा, स्वास्थ्य तकनीक, अंतरिक्ष और रक्षा जैसे क्षेत्रों में शोध चल रहा है। संस्थान से जुड़े शोध एवं औद्योगिक परियोजनाओं की सूची यह भी बताती है कि यहां का शोध उद्योग और सरकारी संस्थानों की वास्तविक जरूरतों से लगातार जुड़ा हुआ है। 2025-26 की परियोजनाओं में एआई, स्वदेशी 5जी टेस्ट बेड, रोबोटिक सर्जरी, ऊर्जा, पोर्ट तकनीक, मशीन लर्निंग और अन्य अत्याधुनिक क्षेत्रों से जुड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं।यानी आईआईटी मद्रास में कंप्यूटर की स्क्रीन पर चल रहा एल्गोरिद्म केवल अकादमिक अभ्यास नहीं है। उसका लक्ष्य कभी बेहतर मशीन बनाना है, कभी बीमारी की पहचान आसान करना, कभी ऊर्जा बचाना, कभी रक्षा क्षमता बढ़ाना और कभी उद्योग को अधिक सटीक एवं तेज बनाना।

डायमंड के भीतर छिपा क्यूआर कोड

दिनभर के अनुभव में सबसे आकर्षक तकनीकी पहलुओं में से एक डायमंड के भीतर अदृश्य क्यूआर कोड और मार्किंग की तकनीक रही। सामान्य क्यूआर कोड किसी सतह पर दिखाई देता है। लेकिन आईआईटी मद्रास की विकसित लेजर आधारित तकनीक का महत्व यह है कि अत्यंत सूक्ष्म और अदृश्य डिजिटल पहचान को सामग्री के भीतर ही एम्बेड किया जा सकता है। संस्थान ने जून 2026 में बताया था कि उसके शोधकर्ताओं ने ऐसी उन्नत लेजर तकनीक विकसित की है जिससे डायमंड सहित पारदर्शी पदार्थों के अंदर अदृश्य क्यूआर कोड, लोगो और कस्टमाइज्ड मार्किंग बनाई जा सकती है। यह सुनने में भले किसी विज्ञान-कथा जैसा लगे, लेकिन इसके पीछे बेहद व्यावहारिक सोच है। डायमंड जैसे मूल्यवान उत्पाद की पहचान, प्रमाणिकता और ट्रेसबिलिटी को डिजिटल तकनीक से जोड़ना आभूषण उद्योग के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। किसी पत्थर के भीतर ही ऐसी पहचान सुरक्षित हो तो उसकी नकल करना कहीं अधिक कठिन होगा और भविष्य में प्रमाणन एवं आपूर्ति-श्रृंखला की पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। यही आईआईटी मद्रास की खासियत है—जहां लेजर केवल रोशनी की किरण नहीं, बल्कि डिजिटल पहचान लिखने का माध्यम बन जाती है।

आंखों से दिखाई नहीं देगा, मशीन पढ़ लेगी

अदृश्य क्यूआर कोड की अवधारणा को इस तरह समझा जा सकता है कि मार्किंग सामान्य आंखों से दिखाई न दे, लेकिन उपयुक्त ऑप्टिकल सिस्टम से उसे पढ़ा जा सके। इसका उपयोग भविष्य में मूल्यवान वस्तुओं की पहचान, प्रमाणीकरण, सुरक्षा और ट्रेसबिलिटी में किया जा सकता है। आईआईटी मद्रास के अनुसार यह तकनीक डायमंड जैसे पारदर्शी पदार्थों के भीतर लेजर से सूक्ष्म मार्किंग करने पर आधारित है।

बाजार तक पहुंचने की बेचैनी

किसी भी शोध संस्थान की असली परीक्षा तब होती है, जब प्रयोगशाला में पैदा हुआ विचार समाज और बाजार तक पहुंचे। आईआईटी मद्रास ने इस दूरी को कम करने के लिए रिसर्च पार्क, इनक्यूबेशन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की मजबूत व्यवस्था विकसित की है। संस्थान के शोध तंत्र में उद्योगों के साथ सहयोग, अनुसंधान परियोजनाएं और तकनीक के व्यावसायीकरण पर लगातार जोर दिया जा रहा है। इसके कारण यहां विद्यार्थी और शोधकर्ता केवल नौकरी के लिए तैयार नहीं होते, बल्कि नए उत्पाद और नई कंपनियां बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ते हैं। आईआईटी मद्रास की हालिया उपलब्धियों में 2025-26 के दौरान 431 पेटेंट फाइल करना और 112 स्टार्टअप को इनक्यूबेट करना शामिल है। यह आंकड़ा बताता है कि यहां शोध की गति कितनी तेज है। यहां की सोच को एक सूत्र में बांधा जाए तो वह कुछ ऐसी है—

आइडिया → रिसर्च → प्रोटोटाइप → पेटेंट → स्टार्टअप → उद्योग → बाजार।

यही वह श्रृंखला है जो भारत को तकनीक का केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता बना सकती है।

छात्र से उद्यमी बनने की यात्रा

आईआईटी मद्रास का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी विशेष ध्यान आकर्षित करता है। संस्थान के इनक्यूबेशन तंत्र ने सैकड़ों स्टार्टअप को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई है। डीप-टेक कंपनियों में एयरोस्पेस, रोबोटिक्स, क्वांटम, सेमीकंडक्टर, एआई, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्र शामिल हैं। यह बदलाव महत्वपूर्ण है। एक समय इंजीनियरिंग संस्थानों की सफलता का पैमाना यह माना जाता था कि कितने विद्यार्थियों को अच्छी नौकरी मिली। अब पैमाना बदल रहा है—कितने विद्यार्थियों ने ऐसी तकनीक बनाई, जिससे नई कंपनी खड़ी हुई और कितने लोगों के लिए रोजगार पैदा हुआ। आईआईटी मद्रास इसी नए भारत का मॉडल प्रस्तुत करता दिखाई देता है।

रक्षा और अंतरिक्ष : प्रयोगशाला से रणनीतिक शक्ति तक

भारत की आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल मोबाइल फोन या सॉफ्टवेयर बनाना नहीं है। देश को अपनी रक्षा, अंतरिक्ष, संचार, ऊर्जा और साइबर सुरक्षा के लिए भी अत्याधुनिक तकनीक चाहिए। आईआईटी मद्रास का शोध इन रणनीतिक क्षेत्रों से भी जुड़ा है। संस्थान की आधिकारिक परियोजनाओं में अंतरिक्ष विज्ञान, 5जी, 6जी, साइबर सुरक्षा, डीप ओशन मिशन, रक्षा और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स से संबंधित परियोजनाएं दिखाई देती हैं। यानी यहां विकसित होने वाली तकनीक का असर केवल किसी कंपनी की बैलेंस शीट तक सीमित नहीं है। इसका संबंध देश की रणनीतिक और तकनीकी संप्रभुता से भी है।

एआई के दौर में भारतीय दिमाग की भूमिका

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दुनिया की अर्थव्यवस्था को बदल रहा है। ऐसे समय में भारत के सामने दो रास्ते हैं—दूसरों द्वारा बनाई गई तकनीक का उपयोग करना या अपनी जरूरतों के अनुरूप तकनीक विकसित करना। आईआईटी मद्रास का काम दूसरे रास्ते की संभावनाओं को मजबूत करता है। भारतीय भाषाओं, भारतीय परिस्थितियों, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और प्रशासन जैसी जरूरतों के लिए एआई आधारित समाधान विकसित करने की दिशा में देश के शीर्ष संस्थानों की भूमिका निर्णायक होगी। यहां होने वाले बहुविषयी शोध का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है क्योंकि भविष्य की तकनीक किसी एक विषय की सीमा में नहीं रहने वाली। भौतिकी + कंप्यूटर विज्ञान + इलेक्ट्रॉनिक्स + मैकेनिकल इंजीनियरिंग + जीवविज्ञान + डेटा विज्ञान—इनके मेल से ही अगली पीढ़ी की तकनीक बनेगी।

सेमीकंडक्टर से क्वांटम तक अगली लड़ाई की तैयारी

आज दुनिया में सेमीकंडक्टर केवल इलेक्ट्रॉनिक चिप नहीं, बल्कि आर्थिक और रणनीतिक शक्ति का आधार है। इसी तरह क्वांटम कंप्यूटिंग और क्वांटम संचार आने वाले वर्षों में कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा को बदल सकते हैं। भारत में इन क्षेत्रों की क्षमता विकसित करने के लिए आईआईटी मद्रास जैसे संस्थानों की भूमिका इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां शिक्षा, शोध, प्रतिभा, उद्योग और सरकारी परियोजनाएं एक-दूसरे से जुड़ सकती हैं। संस्थान की शोध परियोजनाओं में नेशनल क्वांटम मिशन, स्वदेशी 5जी टेस्ट बेड और 6जी जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से जुड़े कार्यों का उल्लेख मिलता है।

कैंपस से कॉरपोरेट तक पुल

आईआईटी मद्रास रिसर्च पार्क इस मॉडल का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां उद्योग और संस्थान के शोधकर्ताओं के बीच सहयोग का वातावरण बनाया गया है। इसका उद्देश्य साफ है—विश्वविद्यालय में पैदा होने वाले ज्ञान और उद्योग की जरूरत के बीच दूरी कम करना। किसी कंपनी को नई तकनीक चाहिए तो वह शोधकर्ताओं से जुड़ सकती है। किसी वैज्ञानिक को अपनी तकनीक को व्यावसायिक रूप देना है तो उद्योग और स्टार्टअप के रास्ते खुल सकते हैं। यह मॉडल भारत के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारी चुनौती केवल ज्ञान पैदा करना नहीं, बल्कि उसे उत्पादक आर्थिक शक्ति में बदलना भी है।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का वैज्ञानिक अध्याय

काशी से चेन्नई की यह यात्रा केवल भौगोलिक दूरी तय करने वाली यात्रा नहीं है। काशी ज्ञान और संस्कृति की हजारों वर्ष पुरानी परंपरा का प्रतीक है, जबकि आईआईटी मद्रास आधुनिक भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास का चेहरा। एक ओर मंदिरों की घंटियां, शिल्प और परंपराएं हैं तो दूसरी ओर लेजर, रोबोट, चिप, क्वांटम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता। लेकिन दोनों के बीच एक अदृश्य सूत्र है—ज्ञान। भारत की शक्ति उसकी इसी निरंतरता में है कि वह अपनी प्राचीन ज्ञान परंपरा को बचाए रखते हुए आधुनिक विज्ञान की नई ऊंचाइयों को भी छू रहा है।

आईआईटी मद्रास क्यों जरूरी?

पांच बड़ी वजहें : तकनीकी आत्मनिर्भरता : महत्वपूर्ण तकनीकों के लिए विदेशी निर्भरता कम करने की क्षमता।रोजगार सृजन : डीप-टेक स्टार्टअप उच्च कौशल वाले नए रोजगार पैदा कर सकते हैं। रणनीतिक मजबूती : रक्षा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा, क्वांटम और संचार तकनीक में स्वदेशी क्षमता। उद्योग को नई दिशा : शोध और उद्योग के बीच मजबूत साझेदारी से भारतीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाना। वैश्विक भारत : ऐसी तकनीक विकसित करना जिसे भारत केवल अपने लिए इस्तेमाल न करे, बल्कि दुनिया को भी दे।

सेंसर बोर्ड का भारत सरकार ने किया पुनर्गठन, पंकज त्रिपाठी से प्रीति जिंटा तक शामिल हुए ये 18 सदस्य

बड़े नाम बने सेंसर बोर्ड का हिस्सा?

भारत सरकार ने सेंसर बोर्ड का पुनर्गठन किया। गठित किए गए नए बोर्ड में कुल 18 सदस्य हैं। इनमें अभिनेता पंकज त्रिपाठी, सुनील शेट्टी, मनोज जोशी, प्रोसेंजीत चटर्जी, अभिनेत्री प्रीति जिंटा, रूपाली गांगुली और पल्लवी जोशी समेत कई बड़े नाम शामिल हैं।

ये 18 सदस्य बने सीबीएफसी का हिस्सा

पुनर्गठित सीबीएफसी में विनोद अनुपम, मनोज जोशी, अभिषेक जैन, रिकी केज, प्रियदर्शन, सुनील शेट्टी, हंसराज हंस, सुप्रिया यार्लगड्डा, यतींद्र मिश्रा, रूपाली गांगुली, प्रीति जिंटा, नीला माधब पांडा, पंकज त्रिपाठी, प्रोसेंजीत चटर्जी, पल्लवी जोशी, निशिगंधा वाड, वामन केंद्रे और रमेश पतांगे को शामिल किया गया है।

क्या होगी सदस्यों की भूमिका?

इस नई लिस्ट में सिनेमा, संगीत, साहित्य और कला के साथ-साथ अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोगों को जगह मिली है।

बोर्ड का काम फिल्मों को प्रमाणित करने से जुड़ा है और इसके फैसलों का फिल्मों की रिलीज पर सीधा असर पड़ता है।

नए बोर्ड के गठन के साथ अब इन 18 सदस्यों की भूमिका फिल्म प्रमाणन से जुड़े मामलों में अहम होगी।

कितने साल का होगा कार्यकाल?

इस बदलाव के बाद मुख्य रूप से सीबीएफसी के सदस्यों में बदलाव हुआ है, जबकि बोर्ड की कानूनी भूमिका पहले जैसी ही रहेगी। सीबीएफसी अभी भी सिनेमैटोग्राफ एक्ट और 2024 के फिल्म सर्टिफिकेशन नियमों के तहत काम करेगा।

नए सदस्यों का कार्यकाल अधिकतम 3 साल का होगा।

एक्टर अनंत नाग को 2024 का दादा साहब फाल्के अवॉर्ड

300+ फिल्मों में काम किया; मालगुड़ी डेज से प्रसिद्ध हुए, केजीएफ में भी थे

22 सितंबर को गुजरात के केवडिया में आयोजित होने वाले 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में अनंत नाग को पुरस्कार दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोस्ट करके अनंत नाग को बधाई दी। उन्होंने लिखा- कई दशकों तक उनके सहज अभिनय, बेहतरीन बहुमुखी प्रतिभा ने भारतीय सिनेमा, खासकर कन्नड़ सिनेमा पर एक मजबूत छाप छोड़ी है।

'केजीएफ' में आनंद इंगलागी बने थे अनंत नाग

अनंत नाग ने ब्लॉकबस्टर फिल्म 'केजीएफः चैप्टर 1' (2018) में वरिष्ठ पत्रकार और लेखक 'आनंद इंगलागी' का महत्वपूर्ण किरदार निभाया था। फिल्म में वे एक नरेटर (सूत्रधार) की भूमिका में नजर आए थे, जो टीवी चैनल के इंटरव्यू में 'कोलार गोल्ड फील्ड्स' (केजीएफ) और रॉकी (यश) के बनने व उभरने की दास्तान सुनाते हैं।

उनकी गंभीर आवाज, सधी हुई अदाकारी और कहानी सुनाने के अंदाज ने पहले पार्ट को एक मजबूत आधार दिया था। इस किरदार के लिए उन्होंने अपनी आवाज और स्क्रीन प्रेजेंस से दर्शकों को शुरुआत से अंत तक जोड़े रखा, जिसने 'केजीएफ 1' की सफलता में अहम भूमिका निभाई थी।

'केजीएफः चैप्टर 1' में पत्रकार आनंद इंगलागी के रोल में अनंत नाग।

हालांकि, 'केजीएफः चैप्टर 2' (2022) में अनंत नाग नजर नहीं आए थे। फिल्म के निर्देशक प्रशांत नील शुरुआत में चैप्टर 2 में भी उन्हें उसी रोल में जारी रखना चाहते थे, लेकिन कहानी में बदलाव और स्वास्थ्य कारणों की वजह से वे दूसरे भाग का हिस्सा नहीं बन सके।

300 से ज्यादा फिल्मों में कर चुके हैं काम

4 सितंबर 1948 को जन्मे अनंत नाग (अनंत नागरकट्टे) कन्नड़ सिनेमा के सबसे सम्मानित और दिग्गज अभिनेताओं में से एक हैं। अपने लंबे करियर के दौरान उन्होंने 300 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया है, जिनमें 250 से ज्यादा कन्नड़ फिल्में शामिल हैं। कन्नड़ के अलावा उन्होंने हिंदी, तेलुगु, तमिल, मराठी, मलयालम और अंग्रेजी भाषाओं की फिल्मों में भी अपनी अदाकारी का जादू चलाया है। कन्नड़ सुपरस्टार यश की ब्लॉकबस्टर फिल्म KGF के दोनों पार्ट में वह नजर आए थे।

'मालगुडी डेज' से घर-घर में मिली पहचान

फिल्मों के अलावा अनंत नाग को आरके नारायण की कहानियों पर आधारित दूरदर्शन के लोकप्रिय सीरियल 'मालगुडी डेज' से घर-घर में पहचान मिली थी। वे अब तक 5

बार कर्नाटक राज्य फिल्म पुरस्कार जीत चुके हैं।

2025 में मिला था 'पद्म भूषण' सम्मान

सिनेमा और कला के क्षेत्र में योगदान के लिए भारत सरकार ने साल 2025 में अनंत नाग को देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म भूषण' से नवाजा था। दादा साहेब फाल्के पुरस्कार को भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है, जो भारतीय सिनेमा के विकास और प्रगति में किसी व्यक्ति के विशेष योगदान के लिए दिया जाता है।

1954 में हुई थी नेशनल अवॉर्ड की शुरुआत

साल 1954 में भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर फिल्म जगत से जुड़ा सम्मान देने के लिए किया था। इसकी नींव भारतीय कल्चर और आर्ट को बढ़ावा देने के लिए रखी गई थी। 10 अक्टूबर 1954 को नेशनल अवॉर्ड की पहली सेरेमनी रखी गई थी, जिसमें मराठी फिल्म श्यामची आई को बेस्ट फीचर फिल्म कैटेगरी में अवॉर्ड दिया गया था।

1969 में हुई दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड की शुरुआत

साल 1969 में नेशनल अवॉर्ड में हिंदी सिनेमा के जनक दादासाहेब फाल्के के सम्मान में नई कैटेगरी दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड को शामिल किया गया था। साल 1969 में देविका रानी, दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड जीतने वाली पहली फिल्मी हस्ती रहीं। तब से लेकर आज तक करीब 54 लोग दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड हासिल कर चुके हैं। इसे फिल्म जगत का सबसे गौरवपूर्ण सम्मान कहा जाता है। 2024 में ये अवॉर्ड मिथुन चक्रवर्ती को मिला था। वहीं 2025 में ये अवॉर्ड मोहन लाल को मिला था।

8 साल बाद रश्मि देसाई की छोटे पर्दे पर वापसी

एक्ट्रेस रश्मि देसाई करीब 8 साल से टीवी से दूर थीं। उन्हें पॉपुलर शो 'उतरन' से काफी पहचान मिली थी। अब इतने लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर एक्ट्रेस छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं।

इस शो में नजर आएंगी एक्ट्रेस

रश्मि देसाई करीब आठ साल बाद टीवी पर नजर आएंगी। रश्मि नए शो 'सयोनी' में माया का किरदार निभाती दिखाई देंगी। शो में उनके साथ जाह्नवी सोनी और गौतम सिंह विग भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

क्यों ऑफर्स ठुकरा रहीं थीं रश्मि?

टीवी पर वापसी को लेकर रश्मि ने बताया कि वह सिर्फ पर्दे पर वापस आने के लिए किसी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं। वह ऐसे किरदार और कहानी की तलाश में थीं, जिससे वह खुद को जोड़ सकें। इसी वजह से उन्होंने पिछले कुछ समय में कई ऑफर्स को ठुकरा दिया।

रश्मि ने कहा कि एक कलाकार के तौर पर उनके पास काम के कई मौके आते हैं, लेकिन सिर्फ लगातार काम करते रहना और स्क्रीन पर नजर आना ही जरूरी नहीं है। उनके मुताबिक, कलाकार को ऐसा काम करना चाहिए जिसे लोग लंबे समय तक याद रखें। रश्मि को लगता है कि 'सयोनी' की कहानी में वही खास बात है और इसकी कहानी कलाकारों से भी बड़ी है।

कैसा रहेगा शो में रश्मि का किरदार?

अपने किरदार माया के बारे में बात करते हुए रश्मि ने बताया कि यह सिर्फ एक काल्पनिक किरदार नहीं है, बल्कि काफी व्यावहारिक है। अभिनेत्री के मुताबिक, हर कलाकार ऐसा किरदार निभाना चाहता है, जिसे खूबसूरती से लिखा गया हो।

कब शुरू होगा 'सयोनी' शो?

रश्मि देसाई इससे पहले 'उतरन' जैसे लोकप्रिय टीवी शो में नजर आ चुकी हैं।

अब करीब 8 साल बाद वह 'सयोनी' के साथ टीवी पर वापसी कर रही हैं। यह शो 23 सितंबर से शाम 7:30 बजे स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा।

शत्रुघ्न सिन्हा ने पीएम मोदी को एडवांस में दी जन्मदिन की बधाई

अभिनेता और तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा एक बार फिर अपने एक पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से एक दिन पहले शत्रुघ्न सिन्हा ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के साथ अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें साझा कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। एक तस्वीर में वह प्रधानमंत्री मोदी को गले लगाते दिखाई दे रहे हैं जबकि दूसरी तस्वीर में दोनों एक-दूसरे से हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ शत्रुघ्न सिन्हा ने खास संदेश लिखा।शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने पोस्ट में लिखा, 'कल शुभकामनाओं की बाढ़ में खो जाने से पहले आपको एडवांस में जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपको यह अंदाज कैसा लगा? हमारे दोस्त, समाज के दोस्त, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपको अच्छी सेहत, प्यार, खुशी, शांति और आगे एक स्वस्थ जिंदगी मिले। भगवान आपका भला करे।'

फिल्मों से सियासत तक, शत्रुघ्न सिन्हा का सफर

शत्रुघ्न सिन्हा की बात करें तो राजनीति में आने से पहले वह हिंदी सिनेमा के बड़े सितारों में शामिल रहे हैं। उन्होंने पुणे स्थित फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट से पढ़ाई की और फिल्मों में अपनी पहचान बनाई। उन्हें 'साजन', 'प्रेम पुजारी' और 'मेरे अपने' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद पहचान मिलनी शुरू हुई। 1976 में आई 'कालीचरण' उनके करियर की अहम फिल्मों में गिनी जाती है। इसके बाद उन्होंने 'विश्वनाथ', 'दोस्ताना', 'काला पत्थर', 'नसीब' और कई दूसरी फिल्मों में काम किया। फिल्मों में पहचान बनाने के बाद शत्रुघ्न सिन्हा ने राजनीति का रुख किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ अपना राजनीतिक सफर शुरू किया। साल 1992 में उन्होंने नई दिल्ली लोकसभा सीट के उपचुनाव से चुनावी राजनीति में कदम रखा, जहां उनका मुकाबला अभिनेता राजेश खन्ना से हुआ था।

हॉलीवुड में बनेगा विजय सेतुपति की फिल्म महाराजा का रीमेक

फिल्म 'महाराजा' को इसकी कहानी, स्क्रीनप्ले और कलाकारों की परफॉर्मेंस के लिए काफी पसंद किया गया था। अब फिल्म की कहानी हॉलीवुड दर्शकों तक पहुंचने की तैयारी में है। इसको लेकर खुद फिल्म के प्रोड्यूसर ने बड़ी जानकारी दी है।

साल 2024 में रिलीज हुई इस क्राइम थ्रिलर का अब हॉलीवुड रीमेक बनने जा रहा है। खास बात यह है कि 'महाराजा' हॉलीवुड रीमेक पाने वाली पहली तमिल फिल्म बन गई है। फिल्म की चीन में शानदार सफलता के बाद हॉलीवुड की एक एजेंसी ने इसके रीमेक राइट्स के लिए मेकर्स से संपर्क किया है। फिल्म के प्रोड्यूसर सुधन सुंदरम ने द टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में इस खबर की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि हॉलीवुड की एक एजेंसी फिल्म को एक बड़े हॉलीवुड स्टार के साथ बनाने की तैयारी कर रही है। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होने की उम्मीद है। 'महाराजा' के हॉलीवुड वर्जन में लीड रोल कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी सस्पेंस बना हुआ है। सोशल मीडिया पर हॉलीवुड अभिनेता मैथ्यू मैककोनाघी का नाम चर्चा में है, लेकिन इस खबर की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

प्रोड्यूसर सुधन सुंदरम ने भी इस बारे में कहा कि हो सकता है मैककोनाघी उन एक्टर्स में से एक हों, जिनसे बातचीत चल रही हो। हालांकि, कास्ट और स्टूडियो के बारे में आधिकारिक जानकारी हॉलीवुड एजेंसी ही देगी। प्रोजेक्ट फाइनल होने के बाद इससे जुड़ी जानकारी सामने आएगी।

क्या है 'महाराजा' की कहानी?

निथिलन स्वामीनाथन के निर्देशन में बनी 'महाराजा' की कहानी एक नाई के इर्द-गिर्द घूमती है। उसकी एक डस्टबिन के गायब होने की शिकायत उसे पुलिस स्टेशन तक ले जाती है। शुरुआत में यह मामला काफी साधारण लगता है, लेकिन धीरे-धीरे फिल्म में कई

ट्विस्ट और अलग-अलग नजरिए देखने को मिलते हैं। विजय सेतुपति ने फिल्म में मुख्य किरदार निभाया है, जबकि अनुराग कश्यप विलेन के रोल में नजर आए। संचना नामिदास ने विजय की बेटी का किरदार निभाया था। अपने शानदार अभिनय के लिए उन्हें बाद में बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड भी मिला।

अभिनेत्री तृषा कृष्णन को किसने दी सीएम विजय के साथ न दिखने की नसीहत?

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता विजय कुछ दिनों पहले अभिनेत्री तृषा कृष्णन के साथ ब्रिटेन के सिल्वरस्टोन में अजित कुमार की ले मैन्स कप रेस में साथ नजर आए। सोशल मीडिया पर दोनों के कई वीडियो और फोटो वायरल हुए, जिसमें तृषा और विजय साथ में बालकनी में खड़े दिखाई दिए थे। अब इस पर दिग्गज अभिनेत्री अंबिका ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए तृषा को नसीहत दे दी है।

क्या बोलीं अभिनेत्री अंबिका?

अंबिका ने एक इंटरव्यू में कहा, 'तृषा को लगता होगा कि वो और विजय सिर्फ दोस्त हैं, तो उन्हें आलोचना से फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन विजय एक बड़े पद पर हैं और साथ नजर आने से उसे शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है या इसका बुरा असर पड़ता है, तो मैं अगर तृषा की जगह होती तो ऐसा नहीं करती। मैं पीछे हट जाती और विजय के लिए मुश्किल खड़ी नहीं करती।'

अंबिका ने आगे कहा, 'जब दो लोग दोस्त होते हैं और उनमें से एक जिंदगी में ऊंचे मुकाम पर पहुंच जाता है, तो हम उस दोस्ती को नकार नहीं सकते। हमें उसे कोई दूसरा रंग नहीं देना चाहिए। हम कह सकते हैं कि ऐसी स्थिति में हम क्या करते, लेकिन हम किसी और को यह नहीं बता सकते कि उन्हें क्या करना चाहिए या क्या नहीं।'

विजय और तृषा ने इन फिल्मों में किया साथ काम

विजय और तृषा का लंबा प्रोफेशनल साथ रहा है, जिसकी शुरुआत 2004 में 'घिल्ली' से हुई और 'तिरुपाची', 'आथी', 'कुरुवि' और 'लियो' जैसी फिल्मों में यह जारी रहा। उनके ऑफ-स्क्रीन अपीयरेंस भी अक्सर फैंस के बीच चर्चा का विषय रहे हैं। तृषा को मई में विजय के शपथ ग्रहण समारोह में देखा गया था, जहां उन्होंने अभिनेता के परिवार से बातचीत भी की थी। हालांकि, दोनों में से किसी भी एक्टर ने अपने बारे में फैली रिलेशनशिप की अफवाहों की सार्वजनिक रूप से पुष्टि नहीं की है।

नाना पाटेकर-मनीषा कोइराला के लव रूमर्स पर 'अग्नि साक्षी' के राइटर ने तोड़ी चुप्पी, कहा-'भगवान ही जाने...'

क्या नाना पाटेकर और मनीषा कोइराला का अफेयर था? सिनेमा जगत में 90 के दशक के प्यार और इश्क के चर्चे जब होते हैं तो इन दोनों के रिश्ते पर भी लोग अक्सर सवाल पूछ बैठते हैं। नाना और मनीषा के लव रूमर्स काफी रहे। दोनों एक बार फिर चर्चा में आए हैं। राइटर रणबीर पुष्प ने इनके रिश्ते पर चुप्पी तोड़ी है।

कैसी थी नाना-मनीषा की बॉन्डिंग?

फिल्म 'अग्नि साक्षी' के राइटर रणबीर पुष्प ने कहा कि नाना पाटेकर और मनीषा कोइराला के बीच अच्छी दोस्ती थी और सेट पर उनकी आपसी समझ बहुत मजबूत थी। हालांकि, रोमांस की रूमर्स पर रणबीर ने कहा कि उन्होंने कभी भी उनके रिश्ते को रोमांटिक नजरिए से नहीं देखा, भले ही बाद में इस तरह की अफवाहें खूब रहीं। रणबीर ने दोनों कलाकारों के बीच की बॉन्डिंग को याद करते हुए कहा है कि साथ काम करते समय वे काफी करीब थे। उनके बीच अच्छी समझ थी, हालांकि उन्होंने कभी भी इसे रोमांटिक रिश्ते के तौर पर नहीं देखा।

क्या दोनों के बीच था प्यार?

रणबीर पुष्प ने सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक

इंटरव्यू में यह स्वीकार किया कि नाना पाटेकर और मनीषा के बीच करीबी रिश्ता था। दोनों एक्टर्स के बारे में बात करते हुए राइटर ने कहा, 'हां, ऐसा हुआ था। अब इसे रोमांस कहें या दोस्ती, यह तो भगवान ही जाने। लेकिन दोनों करीब थे। उनके बीच अच्छी समझ थी। वे सीन पर चर्चा करके काम करते थे और उनकी परफॉर्मेंस स्क्रीन पर दिखती थी'।

क्या दोस्ती से आगे बढ़ी थी बात?

होस्ट ने रणबीर से पूछा कि क्या उनकी दोस्ती गहरी थी? उस पर उन्होंने जवाब दिया, 'बिल्कुल थी'। इसके बाद बातचीत इस बात पर मुड़ी कि क्या रणबीर को कभी ऐसा लगा कि नाना और मनीषा के बीच की केमिस्ट्री दोस्ती से कहीं ज्यादा थी?

रणबीर ने कहा, 'नहीं, कभी नहीं। मैंने उस तरीके से कभी सोचा नहीं। दोस्ती और अंडरस्टैंडिंग थी। वे सीन डिस्कस करते थे। इससे ज्यादा ख्याल भी नहीं आया मुझे कभी। बाद में सुनने में आया, पेपर्स में ये बातें आईं, पढ़ने को भी मिला, पर मैंने कभी वैसा महसूस नहीं किया'।

बोले- 'मैंने कभी गौर नहीं किया'

रणबीर ने यह भी बताया कि सेट पर उनका पूरा ध्यान मुख्य रूप से अपने काम पर ही होता था और उन्होंने एक्टर्स के बीच के आपसी रिश्तों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। रणबीर के मुताबिक, 'ज्यादा मेरा काम से मतलब होता था। काम दिया, चला गया और फिर आ गया। थोड़ी देर रुके, शूटिंग देखी'।

पार्थो घोष निर्देशित फिल्म 'अग्नि साक्षी' साल 1996 में रिलीज हुई थी। इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला और नाना पाटेकर मुख्य भूमिकाओं में थे। वर्षों से नाना और मनीषा के कथित रिश्ते को लेकर चर्चाएं होती रही हैं। हालांकि, रणबीर का हालिया बयान इन दोनों एक्टर्स के साथ काम करने के उनके अपने अनुभव पर आधारित हैं। उनके बीच किसी रोमांटिक रिश्ते की पुष्टि नहीं करता है।

21 राज्यों में यूसीसी लागू करने का भाजपा ने बनाया प्लान

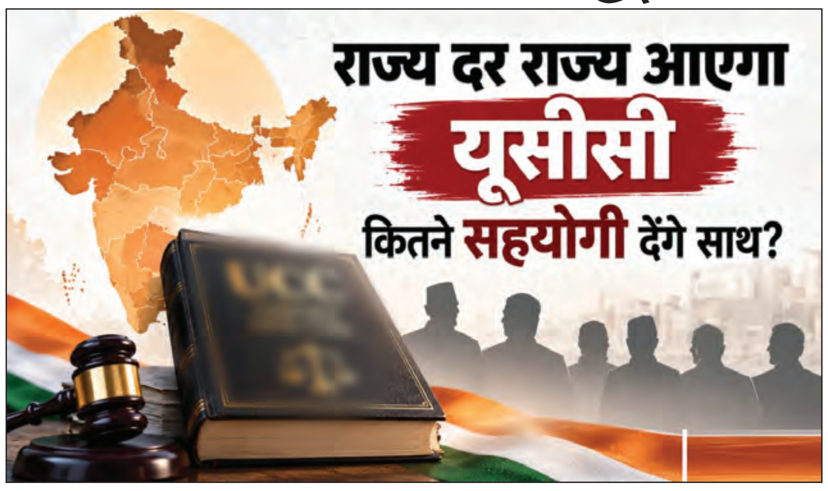

2029 तक इसे जमीन पर उतारने की है योजना?

तो केंद्र सरकार सीधे पूरे देश के लिए यूसीसी क्यों नहीं लाती?

इसका जवाब सियासी गणित में है. एनडीए में जनता दल (यूनाइटेड) जैसे सहयोगी दल शामिल हैं, जिन्होंने यूसीसी का खुलकर विरोध किया है. जब शाह ने यह ऐलान किया, तो जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव और विधायक श्याम रजक ने तुरंत कहा, 'हम इसे लागू नहीं होने देंगे.' इसके अलावा, बिहार, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में सहयोगी दलों की सरकारें हैं, जो राष्ट्रीय स्तर पर यूसीसी लाने पर सहमत नहीं होंगी.

इस वजह से बीजेपी ने राष्ट्रीय कानून का रास्ता छोड़कर राज्य-दर-राज्य रणनीति अपनाई है. कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने इस पर तंज कसते हुए कहा था कि 'फर्स्ट ईयर का लॉ स्टूडेंट भी जानता है कि यूसीसी संसद में कानून संशोधन के बिना नहीं लाया जा सकता.' यानी केंद्र में सर्वसम्मति न बन पाने की वजह से ही बीजेपी ने राज्यों के जरिए कदम-दर-कदम यूसीसी लागू करने का फैसला किया है।

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। देश में समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी को लेकर एक बार फिर सियासी हलचल तेज है। गृह मंत्री अमित शाह ने एनडीए शासित सभी राज्यों में इसे लागू करने के लक्ष्य की घोषणा की है। हालांकि, एनडीए के सहयोगी दलों की राय अलग-अलग नजर आ रही है। वहीं, विपक्षी दल भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं।

समान नागरिक संहिता का अर्थ है हर नागरिक के लिए एक समान कानून, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का क्यों न हो। इसके लागू होने के बाद संबंधित राज्य में शादी, तलाक, गोद लेने और जमीन-जायदाद के बंटवारे में सभी धर्मों के लिए एक ही कानून लागू होते हैं। यह मुद्दा कई दशकों से राजनीतिक बहस के केंद्र में रहा है। यूसीसी केंद्र की मौजूदा सत्ताधारी भाजपा के लिए जनसंघ के जमाने से प्राथमिकता वाला एजेंडा रहा है। भाजपा सत्ता में आने पर यूसीसी को लागू करने का वादा करने वाली पहली पार्टी थी और यह मुद्दा उसके 2019 के लोकसभा चुनाव के घोषणापत्र का भी हिस्सा था। इसके साथ ही उसके शासन वाले राज्यों में इसे जोर-शोर से लागू भी कराया जा रहा है। देश में संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता को लेकर प्रावधान है। इसमें कहा गया है कि राज्य इसे लागू कर सकता है। इसका उद्देश्य धर्म के आधार पर किसी भी वर्ग विशेष के साथ होने वाले भेदभाव या पक्षपात को खत्म करना और विविध सांस्कृतिक समूहों के बीच सामंजस्य स्थापित करना था। संविधान निर्माता डॉ. बीआर आम्बेडकर ने कहा था कि यूसीसी जरूरी है, लेकिन फिलहाल यह स्वैच्छिक रहना चाहिए। संविधान के मसौदे के अनुच्छेद 35 को भारत के संविधान के भाग चार में अनुच्छेद 44 के रूप में राज्य नीति के निदेशक सिद्धांतों के हिस्से के रूप में जोड़ा गया था। इसे संविधान में इस नजरिए के रूप में शामिल किया गया था जो तब पूरा होगा जब राष्ट्र इसे स्वीकार करने के लिए तैयार होगा और यूसीसी को सामाजिक स्वीकृति दी जा सकती है।

यूसीसी की उत्पत्ति औपनिवेशिक भारत में हुई जब ब्रिटिश सरकार ने 1835 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट में अपराधों, सबूतों और अनुबंधों से संबंधित भारतीय कानूनों की एकरूपता की आवश्यकता पर जोर दिया गया था। विशेष रूप से इसमें यह सिफारिश की गई थी कि हिंदुओं और मुसलमानों के व्यक्तिगत कानूनों (पर्सनल लॉ) को इस तरह के संहिताकरण के बाहर रखा जाए।

ट्राइबल और छठी अनुसूची कब तक बाहर रहेंगे?

इस पूरे यूसीसी अभियान में सबसे बड़ा अपवाद जनजातीय समुदायों और छठी/पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों का है. केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने साफ कहा था, 'यूसीसी छठी अनुसूची, पांचवीं अनुसूची, पूर्वोत्तर और देश के अन्य जनजातीय क्षेत्रों में लागू नहीं किया जाएगा.' असम में अनुसूचित जनजातियों को पूरी छूट दी गई है, जहां जनजातीय आबादी लगभग 12.4% है. इस छूट की एक बड़ी वजह यह है कि जनजातीय समुदायों के रीति-रिवाज यानी शादी, विरासत और सामुदायिक जीवन से जुड़े कानून उनकी सांस्कृतिक पहचान हैं. छठी अनुसूची के तहत इन्हें संवैधानिक संरक्षण मिला हुआ है, जो औपनिवेशिक दौर की ऐतिहासिक वास्तविकताओं से उपजा है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद कहा था कि यूसीसी से जनजातियों की संस्कृति, परंपराओं और रीति-रिवाजों को छीनने की बात फैलाई जा रही है, जो सरासर गलत है।

अब तक कहां-कहां लागू हुआ?

देश में यूसीसी की स्थिति अभी मिली-जुली है. उत्तराखंड ने फरवरी 2024 में पहला यूसीसी कानून पास किया और जनवरी 2025 से इसे लागू कर दिया. यह अब तक का इकलौता राज्य है जहां यूसीसी पूरी तरह अमल में है. गुजरात विधानसभा ने मार्च 2026 में 7 घंटे से ज्यादा की मैराथन चर्चा के बाद यूसीसी बिल पास किया, जिसमें ज्यादातर प्रावधान उत्तराखंड वाले ही हैं। असम मई 2026 में यूसीसी बिल पास करने वाला पहला पूर्वोत्तर राज्य बना, जहां मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने साफ कहा कि जनजातीय समुदाय और छठी अनुसूची क्षेत्र इसके दायरे से बाहर रहेंगे. मध्य प्रदेश ने जुलाई 2026 में यूसीसी लागू किया. हालांकि, गुजरात, असम और मध्य प्रदेश अभी राष्ट्रपति की मंजूरी और अधिसूचना का इंतजार कर रहे हैं। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ड्राफ्टिंग कमेटियां बन चुकी हैं, लेकिन विधेयक अभी पेश नहीं हुए हैं. यानी 2029 का लक्ष्य हासिल करने के लिए बीजेपी को अगले तीन सालों में 17 और राज्यों में यूसीसी लागू करना होगा।

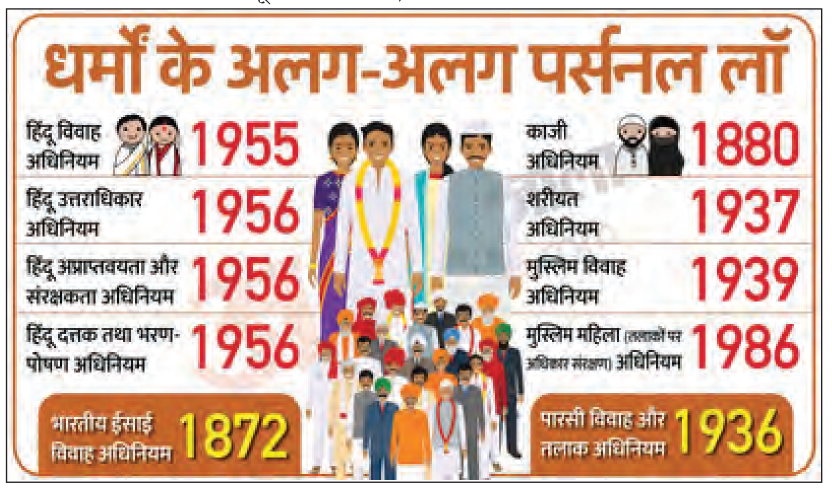

यूसीसी पर 3 तरह से कॉनफ्लिक्ट बढ़ सकता है:

मुस्लिम पर्सनल लॉ : ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने साफ कहा है कि यूसीसी 'कोई अनिवार्य संवैधानिक आदेश नहीं है' और इसे 'जबरन लागू करना अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है.' एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तराखंड यूसीसी को 'कट-एंड-पेस्ट जॉब' बताया, जो हिंदू मैरिज एक्ट, हिंदू सक्सेशन एक्ट और हिंदू डिवोर्स एक्ट के प्रावधानों को उठाकर बनाया गया है।

जनजातीय-मुस्लिम टकराव : गुजरात में यूसीसी लागू होने से मुस्लिम और जनजातीय समुदायों के बीच नई खाई बन सकती है, क्योंकि एक समुदाय को छूट मिली है और दूसरे पर सख्त नियम लागू होंगे. मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने दलित और जनजातीय अधिकारों पर सवाल उठाए हैं.

महिला अधिकार : सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2026 में साफ कहा कि 'मुस्लिम पर्सनल लॉ और अन्य रीति-रिवाजों में शादी, उत्तराधिकार और संपत्ति के मामलों में महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को खत्म करने का सबसे प्रभावी तरीका यूसीसी है.' बीजेपी इसे अपना बड़ा हथियार बना रही है, लेकिन विपक्ष का कहना है कि यूसीसी का इस्तेमाल चुनावी ध्रुवीकरण के लिए किया जा रहा है, न कि सच्चे महिला अधिकारों के लिए.

चलती मालगाड़ी के इंजन पर पत्थर फेंकना पड़ा भारी

लोको पायलट घायल; आरपीएफ ने आरोपी को किया गिरफ्तार

कोरबा, 16 सितंबर (एजेंसियां)। कोरबा के जूनाडीह-दीपका एसईसीएल साइडिंग के बीच मालगाड़ी के इंजन पर पत्थर फेंकने वाले युवक को रेलवे सुरक्षा बल ने गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना में लोको पायलट को चोट लगी थी। आरोपी की पहचान कृष्णानगर, दीपका निवासी रोशन तिवारी के रूप में हुई है, जिसे रेलवे न्यायालय बिलासपुर के समक्ष पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

इंजन पर किया गया पत्थर से हमला

घटना 10 सितंबर की रात लगभग दो बजे की है। मालगाड़ी संख्या एन बॉक्स/15 जूनाडीह से दीपका एसईसीएल साइडिंग की ओर जा रही थी। दीपका बाजार फाटक के पास अचानक इंजन पर पत्थर से हमला किया गया। स्टोन पेल्टिंग की इस घटना में इंजन में सवार लोको पायलट को चोट लग गई थी। घटना के बाद रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कोरबा में अपराध क्रमांक 783/2026 के तहत धारा 153 रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के क्रम में रेलवे सुरक्षा बल ने पुलिस थाना दीपका के सहयोग से कार्रवाई करते हुए संदेही को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम रोशन तिवारी, पिता स्व. दुर्गा प्रसाद तिवारी, उम्र 26 वर्ष, निवासी वार्ड नंबर 07, कृष्णानगर, दीपका, थाना दीपका, जिला कोरबा बताया।

घटना के वक्त नशे में था आरोपी

पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि घटना के समय वह शराब के नशे में था और नशे की हालत में ही उसने मालगाड़ी के इंजन पर पत्थर फेंक दिया था। आरोपी के बयान के आधार पर उसे पूर्व में दर्ज अपराध में संबद्ध कर गिरफ्तार किया गया। रेलवे सुरक्षा बल के अनुसार रेलवे संपत्ति और रेल कर्मचारियों पर हमला गंभीर अपराध है। धारा 153 रेलवे एक्ट के तहत यह दंडनीय है, जिसमें जेल और जुर्माने दोनों का प्रावधान है।आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद 15 सितंबर 2026 को माननीय रेलवे न्यायालय बिलासपुर के समक्ष पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

जहरीले सांप ने मां-बेटे को काटा जड़ी-बूटी के चक्कर में महिला की मौत, बेटा अस्पताल में भर्ती

गुमला, 16 सितंबर (एजेंसियां)। गुमला जिले के बसिया थाना क्षेत्र में सांप के काटने से एक महिला की मौत हो गई। यह घटना घुनसेर सूरज टोली में हुई। महिला का 17 साल का बेटा भी इस घटना में घायल हुआ है, जिसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। परिजनों ने बताया कि मंगलवार रात बालकिशन साहू की 40 वर्षीय पत्नी जितनी देवी और 17 वर्षीय बेटा सोनू कुमार साहू घर में मच्छरदानी लगाकर जमीन पर सो रहे थे।

तभी आधी रात को एक जहरीले सांप ने पहले जितनी देवी को काट लिया। उस समय उन्हें इसका एहसास नहीं हुआ। कुछ घंटे बाद सांप ने बेटे सोनू कुमार साहू के हाथ में भी काट लिया। सोनू के चिल्लाने पर परिजन और पड़ोसी वहां पहुंचे। तब तक जितनी देवी की तबीयत भी बिगड़ने लगी थी। सांप काटने की आशंका पर दोनों को जड़ी-बूटी खिलाई गई। हालत में सुधार न होने पर सुबह उन्हें रेफरल अस्पताल बसिया ले जाया गया। वहां से डॉक्टरों ने जितनी देवी की गंभीर हालत देखकर उन्हें सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया।

पीएम मोदी के सहपाठी को मिली राहत

भाजपा विधायक से जुड़ी कंपनी ने छोड़ा जमीन पर दावा

ठाणे, 16 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा रोड में रहने वाले 81 साल के असगरअली वोहरा, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहपाठी होने का दावा करते हैं। उनको बड़ी राहत मिली है। प्रधानमंत्री से मिलने के कुछ ही दिनों बाद भाजपा विधायक से जुड़ी एक कंपनी ने जमीन के विवाद में उनके खिलाफ अपना दावा छोड़ दिया है।

पीएम से क्या अपील की थी?

वोहरा के अनुसार, उन्होंने गुजरात के वडनगर में बीएन स्कूल में पीएम मोदी के साथ पढ़ाई की थी। उन्होंने 8 सितंबर को मोदी से मुलाकात की थी। इसके साथ ही पालघर जिले में जमीन के एक टुकड़े को लेकर चल रहे विवाद की सीबीआई से जांच कराने की अपील की थी।

क्या है पूरा मामला?

इससे पहले, वोहरा ने कहा था कि यह मामला भयंदर ईस्ट के नवघर में 2,810 वर्ग मीटर के एक अहम प्लॉट से जुड़ा है, जिसे उन्होंने 1989 में खरीदा था। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2011 में दो कंपनियों स्वयं बिल्डर्स और सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शन्स ने इस पर कब्जा कर लिया था। उन्होंने दावा किया था कि ये दोनों कंपनियां भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता से जुड़ी हैं। घटनाक्रम में एक बड़ा मोड़ तब आया जब सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने अब इस मामले में पूरी तरह से अपना दावा छोड़ दिया है। सरकारी दस्तावेजों से पता चलता है कि कंपनी ने मीरा भयंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में टाउन प्लानिंग के असिस्टेंट डायरेक्टर को एक पत्र सौंपा, जिसमें उसने औपचारिक रूप से प्लॉट के लिए अपना 'कमेंसमेंट सर्टिफिकेट' (निर्माण शुरू करने का प्रमाण-पत्र) सरेंडर कर दिया।

कंपनी ने क्या कहा?

कंपनी ने कहा कि उसने 13 जून, 2019 को एक रजिस्टर्ड डीड के जरिए प्लॉट खरीदा था।17 अप्रैल, 2026 को निर्माण की अनुमति हासिल की थी, लेकिन मालिकाना हक को लेकर चल रहे विवाद के कारण वह परमिट वापस कर रही है।

अपने पत्र में, डेवलपर ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से अनुरोध किया कि वह अनुमति रद्द कर दे और उस जगह पर अपने प्रोजेक्ट के लिए पहले जमा की गई सभी फीस वापस कर दे।

पुलिस शिकायत को वापस लने की तैयारी?

कंपनी ने जमीन के मालिक के खिलाफ खड़ी की गई कानूनी अड़चनों को भी हटाने की दिशा में कदम उठाए हैं। सूत्रों के अनुसार, नरेंद्र मेहता ने वोहरा के सहयोगी अजय ढोखा के जरिए संपर्क किया ताकि 2015 की उस पुलिस शिकायत को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की जा सके, जिसमें वोहरा और ढोखा दोनों पर आपराधिक रूप से जमीन पर घुसने और डराने-धमकाने का आरोप लगाया गया था। 16 सितंबर को होने वाली अहम म्युनिसिपल सुनवाई से ठीक पहले, पुलिस शिकायत वापस लेने और कंस्ट्रक्शन परमिट सरेंडर करने की पुष्टि करने वाले आधिकारिक पत्र संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए।

फर्जी फ्रेंचाइजी के नाम पर ठगी:किराए के मकान से 5 आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग, 16 सितंबर (एजेंसियां)। हजारीबाग पुलिस ने टाटा पावर ईवी चार्जिंग स्टेशन की फर्जी फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 11 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, फर्जी पहचान पत्र और कई संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए हैं।

पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। सदर एसडीपीओ रूपक कुमार सिंह ने बताया कि 15 सितंबर 2026 को पुलिस अधीक्षक को एक गुप्त सूचना मिली थी। इसमें बताया गया था कि हजारीबाग के बाबा पथ हुरहुरू इलाके में कुछ लोग किराये के मकान में संदिग्ध गतिविधियां चला रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने इसकी जांच की और छापेमारी के लिए एक खास टीम बनाई। पुलिस टीम ने बताए गए ठिकाने पर छापा मारा और पांच आरोपियों को पकड़ा।

रांची में 21 तक रोजाना बारिश के आसार

रांची, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची में अगले पांच दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 21 सितंबर तक रांची और आसपास के इलाकों में रोजाना एक-दो बार बारिश हो सकती है। इस दौरान कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश होने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और स्थानीय स्तर पर बन रहे बादलों के कारण बारिश का दायरा सीमित रह सकता है। इससे एक ही समय में शहर के कुछ इलाकों में झमाझम बारिश और दूसरे हिस्सों में सूखा रह सकता है। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने और वज्रपात की भी आशंका है। इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

चिप्स का लालच देकर मासूम से रेप की कोशिश

रायपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर के संतोषी नगर इलाके में 8 साल की बच्ची से पिता के ही दोस्त ने रेप करने की कोशिश की। आरोप है कि पड़ोसी सुलेमान कुरैशी नाबालिग के घर में घुसा और चिप्स देने के बाद उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। नाबालिग ने आरोपी के चंगुल से खुद को छुड़ाया और वहां से भाग निकली। घटना के बाद परिजनों ने मामले की शिकायत टिकरापारा थाने में की है। पुलिस ने आरोपी सुलेमान कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पॉक्सो एक्ट, छेड़छाड़ समेत अन्य धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

कौन हैं सीमा पाहूजा?: दिशा सालियान मामले की करेंगी निगरानी

हाथरस-गुड़िया जैसे चर्चित केस की कर चुकी हैं जांच

मुंबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत की जांच अब सीबीआई की चर्चित अधिकारी सीमा पहुजा की निगरानी में होगी। सीबीआई मुख्यालय की स्पेशल क्राइम यूनिट में एसपी के पद पर तैनात सीमा पहुजा को इस हाई प्रोफाइल मामले की जांच की जिम्मेदारी दी गई है। उनके साथ जांच अधिकारी के तौर पर डीएसपी पुरन कुमार और अन्य अधिकारी भी काम करेंगे। दिशा की मौत 8 जून 2020 को हुई थी। सीबीआई ने हाल ही में इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच अपने हाथ में ली है।

सीबीआई दर्ज करेगी बयान

सीबीआई अब दिशा की मौत से पहले मुंबई में उनके मंगेतर रोहन रॉय के घर हुई पार्टी में मौजूद लोगों के बयान दर्ज करने की तैयारी कर रही है। जांच एजेंसी पुराने रिकॉर्ड, गवाहों के बयान, घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों और अब तक हुई जांच की भी दोबारा पड़ताल करेगी। इस दौरान यह भी देखा जाएगा कि घटना से पहले और बाद में क्या-क्या हुआ था और अब तक की जांच में सामने आए तथ्यों में कोई अहम कड़ी छूटी तो नहीं है।

सीबीआई की तेज-तर्रार अफसर मानी जाती हैं सीमा पाहूजा

सीमा पहुजा का नाम सीबीआई के उन अधिकारियों में शामिल है, जिन्होंने देश के कई चर्चित और संवेदनशील मामलों की जांच में काम किया है। साल 2024 में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के मामले की जांच में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। उस मामले की समग्र निगरानी सीबीआई की अतिरिक्त निदेशक संपत मीणा कर रही थीं, जबकि सीमा पहुजा ने जमीनी स्तर पर जांच में अहम भूमिका निभाई थी।

इससे पहले सीमा पहुजा हाथरस मामले की जांच करने वाली सीबीआई टीम का भी हिस्सा थीं। सितंबर 2020 में 19 वर्षीय युवती की मौत के बाद सीबीआई ने इस मामले की जांच अपने हाथ में ली थी। इस जांच में भी वरिष्ठ अधिकारी संपत मीणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी, जबकि सीमा पहुजा जांच टीम में शामिल थीं। सीमा पहुजा का सबसे चर्चित जांच कार्य हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के कोटखाई का 'गुड़िया' मामला माना जाता है। साल 2017 में 16 वर्षीय स्कूली छात्रा के बलात्कार और हत्या के इस मामले की शुरुआती जांच को लेकर कई सवाल उठे थे। बाद में मामला सीबीआई को सौंपा गया। सीमा पहुजा ने इस मामले की जांच में अहम भूमिका निभाई थी। इस मामले में एक आरोपी को अदालत ने दोषी ठहराया था और उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उन्नाव बलात्कार मामले की सीबीआई जांच टीम से भी सीमा पहुजा का नाम जुड़ा रहा है। उस केस में विधायक कुलदीप सेंगर को आजीवन कारावास की सजा हुई है।

सीबीआई की तेज-तर्रार अफसर सीमा पाहूजा

- दिशा सालियान मामले की करेंगी जांच।
- हाथरस-आरजी कर केस की जांच में रहीं शामिल।
- गुड़िया और उन्नाव दुष्कर्म केस की भी जांच की।
- राष्ट्रपति पुलिस पदक से हो चुकी हैं सम्मानित।

बेटे के हमले में मां की मौत पिता गंभीर घायल

देवघर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। देवघर में जसीडीह थाना क्षेत्र के मानिकपुर सरासनी गांव में बुधवार को एक बेटे ने अपने माता-पिता पर हमला कर दिया। इस घटना में मां की जान चली गई, जबकि पिता कामदेव मांझी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में हलचल मच गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार को परिवार के सदस्यों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। देखते ही देखते झगड़ा बढ़ गया और बेटे ने कथित तौर पर अपने माता-पिता के साथ मारपीट शुरू कर दी। हमले में मां को गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौत हो गई। पिता कामदेव मांझी भी बुरी तरह घायल हुए। घायल पिता को इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल ले जाया गया है। वहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद जसीडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और जरूरी जानकारी इकट्ठा की। पुलिस ने ग्रामीणों और परिवार के लोगों से सवाल-जवाब शुरू कर दिए हैं।

बोरी में डालकर नहर में फेंका शव, गर्दन पर मिले धारदार हथियार के निशान, हत्या की आशंका

जांजगीर-चांपा, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सक्ती जिले के अड़भार चौकी क्षेत्र में नहर में बोरी के अंदर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मंगलवार शाम ग्रामीणों ने नहर में पानी के साथ बहकर आ रही एक बोरी को देखा। संदेह होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही अड़भार चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और बोरी को नहर से बाहर निकालकर खोला। इसके अंदर एक व्यक्ति का शव मिला। प्रारंभिक जांच में मृतक की गर्दन पर धारदार हथियार से वार किए जाने जैसे निशान दिखाई दिए हैं। ऐसे में पुलिस हत्या की आशंका को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। आशंका है कि हत्या के बाद शव को बोरी में बांधकर नहर में फेंका गया होगा। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद एडिशनल एसपी पंकज पटेल सहित जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

ईपीएफ पर सरकार का बड़ा फैसला

15000 से बढ़कर 25000 हुई वेतन सीमा

नई दिल्ली,16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के लिए बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में ईपीएफओ के तहत अनिवार्य कवरेज की वेतन सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।
यह फैसला बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में हुआ। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार के मुताबिक इस फैसले से 51 लाख से ज्यादा अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य ईपीएफओ कवरेज के दायरे में आ सकते हैं। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि ईपीएफओ की वेतन सीमा लंबे समय तक नहीं बदली थी। साल 2004 से 2014 के बीच इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ था। इसके बाद सितंबर 2014 में इसे बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रति माह किया गया था। अब करीब 12 साल बाद सरकार ने इसे बढ़ाकर 25,000 रुपये करने का फैसला लिया है। सरकार का कहना है कि यह बदलाव पिछले वर्षों में बढ़ी मजदूरी, आय में वृद्धि और औपचारिक रोजगार के विस्तार को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

किन्हें मिलेगा फायदा?

मौजूदा व्यवस्था में 15,000 रुपये से ज्यादा मासिक वेतन पर नौकरी शुरू करने वाला कर्मचारी अपने आप अनिवार्य ईपीएफ कवरेज के दायरे में नहीं आता था। अब नई सीमा लागू होने के बाद 15,000 रुपये से 25,000 रुपये प्रति माह वेतन पाने वाले कर्मचारियों का बड़ा हिस्सा अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था में आ सकेगा। इससे कर्मचारियों को लागू नियमों के अनुसार कई सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलेंगे।

पेंशन और इंश्योरेंस का भी लाभ

वेतन सीमा बढ़ने से कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ेगा।
ईपीएफ तहत कर्मचारियों को लागू योजना के प्रावधानों के अनुसार रिटायरमेंट सेविंग, ईपीएस के तहत पेंशन सुरक्षा और ईडीएलआई के तहत बीमा सुरक्षा का लाभ मिल सकेगा।

सरकार पर कितना बढ़ेगा खर्च?

इस फैसले से सरकार के खर्च में भी बढ़ोतरी होगी। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, सरकार का अनुमानित वार्षिक खर्च करीब 11,339 करोड़ रुपये होगा। फिलहाल सरकार करीब 10,250 करोड़ रुपये सालाना बजटीय सहायता देती है। पांच साल की अवधि में अनुमानित कुल खर्च करीब 56,696 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

ईपीएफओ के दायरे में 8 करोड़ योगदानकर्ता

ईपीएफओ दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाओं में से एक है।
ताजा आंकड़ों के मुताबिक, ईपीएफओ के तहत करीब 7.98 करोड़ योगदान करने वाले सदस्य हैं और करीब 7.68 लाख योगदान करने वाले प्रतिष्ठान इससे जुड़े हैं। ईपीएस के तहत करीब 82 लाख पेंशनभोगियों को पेंशन लाभ मिलता है। ईडीएलआई योजना ईपीएफ सदस्यों को बीमा सुरक्षा प्रदान करती है।

औपचारिक रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

सरकार का कहना है कि ईपीएफओ की वेतन सीमा बढ़ाने से औपचारिक रोजगार को और बढ़ावा मिल सकता है। ज्यादा कर्मचारियों के ईपीएफओ के दायरे में आने से उन्हें लंबे समय के लिए रिटायरमेंट सेविंग और सामाजिक सुरक्षा मिलेगी। साथ ही, व्यापक सामाजिक सुरक्षा कवरेज से कर्मचारियों को बनाए रखने, कार्यबल की स्थिरता और रोजगार से जुड़ी सुरक्षा को भी समर्थन मिल सकता है।
कैबिनेट की मंजूरी के बाद श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और ईपीएफओ इस फैसले को लागू करने के लिए जरूरी वैधानिक और प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी करेंगे।

एशिया के सबसे अमीर टिकटॉक के संस्थापक झांग यिमिंग गौतम अदाणी से निकले आगे

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। वैश्विक कारोबार और टेक्नोलॉजी की दुनिया से एक बड़ा उलटफेर सामने आया है। टिकटॉक की पैरेंट कंपनी बाइटडांस के 43 वर्षीय संस्थापक झांग यिमिंग भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी को पछाड़कर एशिया के सबसे अमीर इंसान बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के नए आंकड़ों के मुताबिक, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की वैश्विक लहर और टेक वैल्यूएशन में आए उछाल के दम पर झांग यिमिंग की कुल संपत्ति 105 अरब डॉलर (10,500 करोड़ डॉलर) के पार पहुंच गई है। यह बदलाव केवल दो अरबपतियों की वेल्थ रैंकिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पारंपरिक उद्योगों से टेक्नोलॉजी व एआई संचालित व्यवसायों की ओर दौलत के बड़े हस्तांतरण का स्पष्ट संकेत है।

कैसे रातों-रात 12 अरब डॉलर बढ़ी झांग यिमिंग की संपत्ति?

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में ब्लैकरॉक, फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स और टी. रो प्राइस जैसी प्रमुख वैश्विक निवेश फर्मों द्वारा बाइटडांस के वैल्यूएशन में संशोधन किया गया। इस नए मूल्यांकन विश्लेषण के बाद यिमिंग की व्यक्तिगत संपत्ति में चालू महीने में ही 12 अरब डॉलर से अधिक का भारी उछाल दर्ज किया गया। अगर ऐतिहासिक आंकड़ों को देखें, तो मार्च 2019 में दर्ज 13 अरब डॉलर की संपत्ति की तुलना में यिमिंग की नेटवर्थ में आठ गुना से भी ज्यादा की ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है।

गौतम अदाणी की वेल्थ रैंकिंग में गिरावट क्यों आई?

दूसरी ओर, हाल के महीनों में भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी की संपत्ति पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर दिखा है। जून में अदाणी की कुल संपत्ति 120 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर तक पहुंच गई थी। हालांकि, एमएससीआई इंडेक्स में शेयरों के रिबैलेंसिंग, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और बॉन्ड यील्ड में तेजी के कारण बाजार में हुई बिकवाली से अदाणी समूह के शेयरों में गिरावट आई। नतीजतन, अदाणी के एनर्जी-टू-रिटेल साम्राज्य का मूल्यांकन कम हुआ और वे एशियाई रैंकिंग में शीर्ष स्थान से फिसल गए।

केवल टिकटॉक या एआई का कमाल? यिमिंग की वेल्थ सर्ज का राज क्या है?

झांग यिमिंग ने अपनी वेल्थ का आधार बाइटडांस के माध्यम से रखा, जिसने विश्व प्रसिद्ध सोशल मीडिया ऐप 'टिकटॉक' बनाया। लेकिन हालिया उछाल का असली इंजन बाइटडांस का एआई क्षेत्र में आक्रामक विस्तार है। कंपनी ने चीन में 'दोबाओ' चैटबॉट और 'सीडांस' वीडियो-जनरेशन टूल जैसे उन्नत एआई उत्पाद पेश किए हैं। रिसर्च फर्म ओमडिया के मुख्य विश्लेषक लियान ज्ये सू के अनुसार यिमिंग ने अपनी रणनीति बिल्कुल सही रखी।अमेरिका में टिकटॉक पर कड़े विनियामक दबाव और जांच के बावजूद उन्होंने अपना मुख्य ध्यान एआई में निवेश पर केंद्रित रखा। सू के मुताबिक, बाइटडांस के पास उपलब्ध विशाल सोशल मीडिया डेटा एआई मॉडल विकसित करने में बेहद मददगार साबित हो रहा है, जो कंपनी के लिए वीडियो प्लेटफॉर्म से आगे का सबसे बड़ा ग्रोथ ड्राइव बन चुका है। एशिया की वेल्थ रैंकिंग में आया यह मोड़ यह दिखाता है कि एआई और डिजिटल आधारित टेक्नोलॉजी कंपनियां पारंपरिक बुनियादी क्षेत्रों (जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर, एनर्जी और रिटेल) की तुलना में अधिक तेजी से नई संपत्ति पैदा कर रही हैं। जहां गौतम अदाणी का एनर्जी व इंफ्रास्ट्रक्चर साम्राज्य और मुकेश अंबानी का कॉन्ग्लोमरेट पारंपरिक बुनियादी उद्योगों से जुड़े हैं, वहीं यिमिंग की डेटा और एआई केंद्रित रणनीति ने उन्हें वेल्थ क्रिएशन में निर्णायक बढ़त दिलाई है।

अमेरिकी पाबंदियों और चुनौतियों के बीच आगे का रास्ता क्या है?

झांग यिमिंग और बाइटडांस के लिए यह सफर चुनौतियों से रहित नहीं रहा है। अमेरिका में टिकटॉक को लेकर कई वर्षों तक भू-राजनीतिक और रेगुलेटरी अनिश्चितता बनी रही।
इस अनिश्चितता को कम करने के लिए बाइटडांस ने इस साल की शुरुआत में अपने अमेरिकी परिचालन के कुछ हिस्से अमेरिकी निवेशकों को ट्रांसफर किए हैं। हालांकि, चीन के घरेलू एआई बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा यिमिंग के लिए एक मुख्य जोखिम बनी हुई है।

घरेलू शेयर बाजार में बढ़त

सेंसेक्स 333 अंक चढ़ा, निफ्टी 23200 के ऊपर

नई दिल्ली,16 सितंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को सेंसेक्स 332.63 अंक यानी 0.45 फीसदी बढ़कर 74,336.45 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 99.00 अंक यानी 0.43 फीसदी चढ़कर 23,217.60 पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को शुद्ध आधार पर 2,977.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। घरेलू बाजार में तेजी ने रुपये की गिरावट को कुछ हद तक सहारा दिया। 16 सितंबर को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार सातवें सत्र में कमजोर हुआ। यह 7 पैसे गिरकर 95.95 रुपये (अस्थायी) पर बंद हुआ। हालांकि, घरेलू शेयर बाजार में तेजी दर्ज की गई। सेंसेक्स 332.63 अंक और निफ्टी 99 अंक बढ़कर बंद हुए। रुपया बुधवार को विदेशी पूंजी निकासी और डॉलर की मजबूती के कारण कमजोर हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार की मजबूती ने रुपये की गिरावट को सीमित रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.89 पर खुला। यह 95.85 से 95.98 के दायरे में रहा। मंगलवार को रुपया 34 पैसे गिरकर 95.88 पर बंद हुआ था। 4 सितंबर के बंद स्तर 94.43 के बाद पिछले पांच सत्रों में यह 113 पैसे से अधिक कमजोर हुआ।

रुपये पर क्यों बढ़ा दबाव?

मीराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने बताया कि डॉलर में मजबूती से रुपये में गिरावट आई। यह अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी के निर्णय से पहले हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिफल में वृद्धि ने भी रुपये पर दबाव डाला। आयातकों द्वारा डॉलर की मांग बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं। हालांकि, घरेलू बाजार की मजबूती ने रुपये की गिरावट को संभाला। डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी बढ़कर 99.38 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की बाजार उम्मीदों के बीच डॉलर को मजबूती मिली।

कच्चे तेल की कीमतों में क्यों आया उछाल?

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल 1.14 फीसदी की गिरावट के साथ 107.51 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों के अनुसार, पश्चिम एशिया संघर्ष के भड़कने से तेल कीमतों में उछाल आया। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के जहाजरानी और बुनियादी ढांचे पर हमले किए।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह	मे	सिंह	04-06 बजे
चंद्र	वृश्चिक	मे	कन्या	06-12 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला	07-18 बजे
बुध	कन्या	मे	वृश्चिक	10-26 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु	12-42 बजे
शुक्र	तुला	मे	मकर	14-54 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ	16-36 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन	18-13 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष	19-49 बजे
			वृष	21-32 बजे
			मिथुन	23-37 बजे
			कर्क	01-56 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्योदय **06-01** सूर्यास्त. **18-39**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष गुरुवार **17 Sep 2026**
तिथि - षष्ठी **10-48** तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - अनुराधा **19-53** तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - विष्कुंभ **12-49** तक उप प्रीति
करण - तैतिल **10-48** तक उप गर
विशेष:विश्वकर्मा पूजा, महालक्ष्मी व्रतारंभ
सूर्य षष्ठी,सूर्य कन्या मे **07-53** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-42 से 15-13 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
शुभ 06-01 - 07-37 शुभ	अमृत 18-39 - 19-44 शुभ
रोग 07-37 - 09-08 अशुभ	चंचल 19-44 - 21-13 शुभ
उत्पात 09-07 - 10-39 अशुभ	रोग 20-13 - 22-42 अशुभ
चंचल. 10-39 - 12-11 शुभ	काल 22-42 - 00-11 अशुभ
लाभ 12-11 - 13-42 शुभ	लाभ 00-11 - 01-39 शुभ
अमृत 13-42 - 15-13 शुभ	उत्पात 01-39 - 03-08 अशुभ
काल 15-13 - 16-44 अशुभ	शुभ. 03-08 - 04-37 शुभ
शुभ 16-44 - 18-39 शुभ	अमृत 04-37 - 06-01 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है। लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है । लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें । हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है । अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें । अधिक परेशान न हों।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है ।आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेष्ण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
यह सोचने और जानने के लिए कि आप अपने जीवन से क्या चाहते हैं,कुछ देर एकांत में बैठें । पिछले कई दिन काफी व्यस्त रहे हैं । इसीलिए आपको अपने उद्देश्यों का फिर से मूल्यांकन करना है और यह भी देखना है की आपके काम किस प्रकार आपके जीवन और संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं । यात्रा संभावित है ,हालाँकि हमारा सुझाव यह है कि किसी रोमांचक ताबड़तोड़ यात्रा के स्थान पर शांतिपूर्वक अपनी छुट्टियाँ बिताएं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा । आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज खरीदना चाहेंगे । बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें । आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें । पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें । इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें । ऑफिस में बढ़ते तनाव से आप काफी परेशान हैं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं । पिछले लम्बे समय से चल रही स्वास्थ्य सम्बन्धी तकलीफ़ आज उभार लेगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें । बोलने से पहले सोच लें ,कहीं किसी करीबी को नाराज ना कर दें ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

मोबाइल फोन पर जीएसटी की दर घटाए सरकार

नई दिल्ली,16 सितंबर (एजेंसियां)। मोबाइल फोन बनाने वालों ने सरकार से ऐसी मांग की है, जिससे आपके स्मार्टफोन सस्ते हो जाएंगे। जी हां, भारत में मोबाइल फोन या स्मार्ट फोन बनाने वालों की संस्था है इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए)। इन्होंने भारत भारत सरकार को पत्र लिख कर मांग की है कि मोबाइल फोन पर जीएसटी की दर 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दी जाए।

बढ़ती लागत और घटती बिक्री से परेशान

इस समय दुनिया भर के बाजारों में मेमोरी चिप एवं स्मार्टफोन में काम आने वाले कुछ साजो-सामान की कीमतें बढ़ रही है। घरेलू बाजार में देखें तो बीते कुछ महीने से स्मार्टफोन की बिक्री भी सुस्त पड़ी है। इससे मोबाइल फोन बनाने वालों पर दोहरी मार पड़ी है। मोबाइल फोन बनाने वालों का कहना है कि ऐसे प्रतिस्पर्धी माहौल में इनपुट कॉस्ट के हिसाब से प्रोडक्ट के दाम में बढ़ोतरी को कर सकते नहीं। इसलिए सरकार से ही अपनी गुहार लगाई है।

सरकार से क्या मांग की है?

इंडिया सेलुलर और इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन ने बीते 2 सितंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक पत्र भेजा है। इसमें बताया गया है कि भारत अब मात्रा या वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता है। यही नहीं, एफवाई 2025-26 में तो मोबाइल फोन देश का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट प्रोडक्ट बन गया है। उनका कहना है कि जिस हिसाब से मोबाइल फोन इंडस्ट्री की इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी हुई है, उस वजह से तैयार उत्पाद की कीमत ज्यादा हो गई है। लेकिन देश में मोबाइल फोन की बिक्री घटी है। पहले जितनी अवधि में लोग पुराने फोन को बदल लेते थे, वह समय अब लंबा हो गया है। यही नहीं, लोग अब महंगे स्मार्टफोन के बजाय सस्ते फोन पर शिफ्ट हो रहे हैं।

जीएसटी की दरें कम हो

आईसीईए के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू ने वित्त मंत्री को लिखे पत्र में कहा है यह असंतुलन अगले उत्पादन वृद्धि के चरण को सीमित करेगा जब तक कि भारत अपने घरेलू बाजार में गति वापस नहीं लाता। इसलिए आईसीईए सरकार से जीएसटी घटाने के लिए हस्तक्षेप की मांग करती है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि मोबाइल फोन पर इस समय जो जीएसटी की दर 18 फीसदी लग रही है, उसे घटा कर 5 फीसदी कर दिया जाए।

रिलायंस का बड़ा दांव, 5 साल के बांड से 12,500 करोड़ रुपये जुटाएगी कंपनी

नई दिल्ली,16 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज एक बार फिर घरेलू बांड बाजार में बड़ा कदम रखने जा रही है. कंपनी अपने कारोबार को रफ्तार देने के लिए 12,500 करोड़ रुपये की बड़ी रकम जुटा रही है. इसके लिए 5 साल के बांड का सहारा लिया जा रहा है. खास बात ये है कि देश के दिग्गज बैंक इस ट्रांजैक्शन को सफल बनाने में जुटे हुए हैं. साल 2023 के बाद रिलायंस का घरेलू बांड बाजार में ये पहला बड़ा कदम है. यह इश्यू 18 सितंबर को बंद होने वाला है

कैसे जुटाई जा रही इतनी बड़ी रकम

इस इश्यू का बेस साइज 10,000 करोड़ रुपये रखा गया है. इसके साथ ही 2,500 करोड़ रुपये का ग्रीनशू ऑप्शन भी शामिल है. ग्रीनशू ऑप्शन का मतलब है कि अगर निवेशकों की मांग बढ़ती है, तो कंपनी अतिरिक्त रकम भी रख सकती है. इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 3,000 करोड़ रुपये एंकर निवेशकों को पहले ही दिए जा चुके हैं. बाकी बचे हिस्से को भी निवेशकों का पूरा समर्थन मिला है. इन बांड्स पर निवेशकों को 7.47 फीसदी के आसपास ब्याज मिलने की उम्मीद है.

किन बैंकों को मिला सबसे बड़ा हिस्सा

रिलायंस के इस बांड इश्यू में कई प्रमुख बैंक पैसा लगा रहे हैं. इनमें एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के साथ यस बैंक शामिल हैं. जानकारी के मुताबिक, इस डील में सबसे बड़ा हिस्सा एक्सिस बैंक को मिलने की उम्मीद है. इसके बाद आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और यस बैंक का नंबर आता है. फिलहाल बैंकों या रिलायंस के प्रवक्ता की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है.

चांदी 2418 बढ़कर 2.29 लाख किलो पर पहुंची

सोना 992 महंगा होकर 1.52 लाख का हुआ, कल सोना 1,036 और चांदी 179 सस्ती हुई थी

नई दिल्ली,16 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 16 सितंबर को बढ़त है।
इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 992 रुपए बढ़कर 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी 2,418 रुपए महंगी होकर 2.29 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले कल सोने-चांदी के दाम में गिरावट रही थी। सोने के दाम 1,036 रुपए घटकर 1.51 लाख रुपए पर आ गया था। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 179 रुपए कम होकर 2.29 लाख रुपए पर आ गई है।

इस साल सोना 19 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।
सोना 2026 में अब तक 18 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब करीब 2.31 लाख रुपए पर आ गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

प्याज की कीमतों में गिरावट

48 शहरों में कीमत 35!

नई दिल्ली,16 सितंबर (एजेंसियां)। प्याज की बढ़ती कीमतों के बीच आम ग्राहकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है।
उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बुधवार को कहा कि पिछले 9 दिनों में थोक बाजारों में प्याज के दाम 9 प्रतिशत कम हुए हैं, और आने वाले दिनों में खुदरा कीमतों में भी कमी आने की उम्मीद है। पूरे देश में प्याज की औसत खुदरा कीमत मंगलवार को 53.92 प्रति किलोग्राम रही। जो 1 महीने पहले की कीमत की तुलना में 48% और एक साल पहले की तुलना में 94% अधिक है।सरकारी आंकड़ों की मानें तो प्याज की महंगाई दर अगस्त में 48.27 प्रतिशत गई हो गई, जो जुलाई में 22.54 प्रतिशत थी। कीमतों पर नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार ने पिछले महीने 35 प्रति किलोग्राम की दर से प्याज की बिक्री शुरू की थी। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ , भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ और केंद्रीय भंडार के खुदरा बिक्री केंद्रों के साथ-साथ मोबाइल वैन के जरिये प्याज की बिक्री की जा रही है। निधि खरे ने उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से अलग पत्रकारों से कहा कि प्याज की उपलब्धता में कोई कमी नहीं है।

त्योहारों से पहले सरकार ने जारी किया चीनी बिक्री का नया कोटा

किसे कितनी मिली शक्कर? नई कीमतें और गाइलाइंस

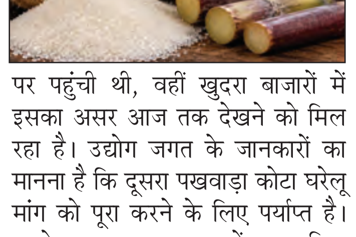

नई दिल्ली,16 सितंबर (एजेंसियां)। चीनी की बढ़ती कीमतों को कंट्रोल करने और सप्लाई बनाए रखने के लिए सरकार ने कई ठोस कदम उठाए हैं, जिसके तहत चीनी की बिक्री के लिए कोटा सिस्टम लागू किया गया है। त्योहारी मांग को देखते हुए केंद्र सरकार ने सितंबर 2026 के दूसरे पखवाड़े (16-30 सितंबर) के लिए 13.50 लाख मीट्रिक टन चीनी बिक्री कोटा जारी किया है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने 15 सितंबर को जारी नॉटिफिकेशन में 587 चीनी मिलों और दो रिफाइनरियों को यह आवंटन दिया है। सरकार का कहना है कि यह व्यवस्था घरेलू बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और कीमतों में अचानक उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए लागू की गई है। त्योहारी सीजन के दौरान मिठाई उद्योग, फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स और घरेलू इस्तेमाल बढ़ने से चीनी की मांग आमतौर पर तेज हो जाती है।
राज्यवार आवंटन में महाराष्ट्र को सबसे अधिक 4,25,492 टन चीनी का कोटा मिला है, जो 226 चीनी मिलों में बांटा जाएगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश को 4,12,928 टन का आवंटन 123 मिलों के लिए किया गया है। अन्य प्रमुख राज्यों में कर्नाटक को 2,02,473 टन, तमिलनाडु को 58,628 टन, गुजरात को 41,358 टन और बिहार को 28,327 टन का कोटा मिला है। पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को भी उनकी उत्पादन क्षमता के अनुसार आवंटन किया गया है।अगस्त महीने के दौरान चीनी की मिल प्राइस रिकॉर्ड लेवल पर पहुंची थी, वहीं खुदरा बाजारों में इसका असर आज तक देखने को मिल रहा है। उद्योग जगत के जानकारों का मानना है कि दूसरा पखवाड़ा कोटा घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। उनके अनुसार महाराष्ट्र में एक्स-मिल चीनी कीमतें 4,200 से 4,400 प्रति क्विंटल और उत्तर प्रदेश में 4,500 से 4,700 प्रति क्विंटल के दायरे में बनी रह सकती हैं।सरकार ने चीनी मिलों के लिए बिक्री और स्टॉक मैनेजमेंट को लेकर गाइडलाइंस भी जारी किए हैं।

यूजीसी रोलबैक विवाद मामले ने पकड़ा तूल

करणी सेना के साथ मिलकर इस संगठन ने भी भरी हुंकार, दी चेतावनी

जयपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में यूजीसी रोलबैक को लेकर फिर से विवाद गहराता जा रहा है। श्री राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना के साथ राष्ट्रीय आम जन मोर्चा भी जुट गई है। इसको लेकर जयपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय आमजन मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक विजय कौशिक ने यूजीसी रोलबैक की मांग को लेकर मोदी सरकार को खुली चुनौती दी है। इसमें उन्होंने कहा कि अगर यूजीसी रोलबैक नहीं किया गया, तो दिल्ली में 10 लाख लोग जुटेंगे और बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

इससे पहले राजधानी जयपुर में महिपाल सिंह मकराना और विजय कौशिक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ विरोध प्रकट करते हुए मोदी सरकार को बड़ी चुनौती दे डाली। इसमें साफ कहा कि यदि यह नियम वापस नहीं लिया गया, तो दिल्ली में 10 लाख लोगों के साथ बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कौशिक ने कहा कि राजस्थान में हुए नगर निकाय के चुनाव परिणाम को लेकर बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यूजीसी के विरोध के कारण ही राजस्थान में नगर निकाय चुनाव में कई जगह बीजेपी को नुकसान उठाना पड़ा है।

कौशिक ने कहा कि यूजीसी के विरोध में बीजेपी को नुकसान हुआ है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी का वोटिंग परसेंटेज घटा है। जबकि कांग्रेस को इसका फायदा मिला है। कांग्रेस का वोटिंग परसेंटेज बढ़ गया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि नोटा विकल्प के कारण भाजपा के 258 ऐसे उम्मीदवार है, जो चुनाव हार गए हैं। वहीं करीब 1300 निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव जीते हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यूजीसी के विरोध के चलते आगामी पंचायत राज चुनाव में भी बीजेपी को इसी तरह नुकसान भोगना पड़ेगा।

कौशिक और संगठन की प्रमुख मांगे

यूजीसी के खिलाफ अब विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। इधर, इस मामले में राष्ट्रीय आम जन मोर्चा और श्री राजपूत करणी सेना संगठनों की पांच प्रमुख मांगे हैं। इनमें यूजीसी नियमों को पूरी तरह रोलबैक किया जाए। इसके अलावा एससी एसटी एक्ट को समाप्त किया जाए। देश में आर्थिक आधार पर आरक्षण सिस्टम लागू हो। एक देश एक कानून, गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा और ईडब्ल्यूजेड व्यवस्था का सरलीकरण किया जाए।

250 नए 'ईवी चार्जिंग स्टेशन' शुरू करेगी भजनलाल सरकार

जयपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहन चलाने वाले चालकों और लंबे सफर पर निकलने वाले यात्रियों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने राज्य में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए एक मेगा प्रोजेक्ट तैयार किया है। इस योजना के पहले चरण के तहत राजस्थान के 6 बड़े शहरों और प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों पर 250 नए ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य न केवल राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है, बल्कि चार्जिंग स्टेशन से होने वाली आय को राज्य सरकार के राजस्व मॉडल से जोड़ना भी है।

निकाय चुनाव की आचार संहिता समाप्त होते ही इस महत्वाकांक्षी योजना को जमीन पर उतारने का काम तेजी से शुरू कर दिया जाएगा, जिससे आने वाले दिनों में वाहन चालकों को बैटरी खत्म होने की चिंता से पूरी तरह मुक्ति मिल जाएगी। गौरतलब है कि राजस्थान में तेजी से बढ़ रही इलेक्ट्रिक 2-व्हीलर, 3-व्हीलर और 4-व्हीलर गाड़ियों की संख्या को देखते हुए चार्जिंग प्वाइंट्स की किल्लत एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी। विशेषकर हाईवे पर सफर करते समय चालकों को हमेशा बैटरी डिस्चार्ज होने का डर सताता रहता था। इसे ध्यान में रखते हुए रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन ने निजी एजेंसियों के साथ मिलकर पीपीपी मॉडल पर काम करने की रणनीति बनाई है। योजना के मुताबिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा रियायती दर पर सरकारी जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही, टेंडर प्रक्रिया में उन निजी कंपनियों या एजेंसियों को प्राथमिकता दी जाएगी जो चार्जिंग से होने वाले कुल राजस्व में राज्य सरकार को सबसे ज्यादा हिस्सेदारी की पेशकश करेंगी। रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन ने पहले चरण में उन मार्गों और शहरों को प्राथमिकता दी है जहां व्यावसायिक और निजी वाहनों की आवाजाही सबसे ज्यादा रहती है।

जयपुर-आगरा हाईवेः पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण इस रूट पर प्रमुख जगहों पर चार्जिंग प्वाइंट्स बनाए जाएंगे। जयपुर-कोटा रूटः हाड़ौती अंचल को राजधानी से जोड़ने वाले इस व्यस्त मार्ग पर ईवी चालकों को हर कुछ किलोमीटर पर चार्जिंग की सुविधा मिलेगी।

जयपुर-बीकानेर हाईवेः शेखावाटी और पश्चिमी राजस्थान को जोड़ने वाले इस लंबे रूट पर फास्ट चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

जयपुर-अजमेर-सिरोही रूटः धार्मिक पर्यटन और गुजरात सीमा की ओर जाने वाले इस सबसे बड़े हाईवे कॉरिडोर पर चार्जिंग स्टेशनों का मजबूत नेटवर्क तैयार होगा। धार्मिक और पर्यटन स्थलः प्रमुख हाईवे के अलावा खाटूश्यामजी, सालासर बालाजी, पुष्कर और नाथद्वारा जैसे भारी फुटफॉल वाले धार्मिक स्थलों पर भी ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और निजी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राजस्थान सरकार ने इस योजना में भारी सब्सिडी का प्रावधान रखा है।

हाईकोर्ट के नए भवन को लेकर बड़ा फैसला

डीपीआर के लिए डेढ़ करोड़ जारी; 60 कोर्ट रूम का होगा निर्माण

जोधपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने जोधपुर हाईकोर्ट के नए भवन की डीपीआर तैयार करने के लिए डेढ़ करोड़ रुपये जारी किए हैं। अदालत ने भविष्य की जरूरतों को देखते हुए 60 कोर्ट रूम का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। निर्माण अनियमितताओं की जांच भी जारी है। राजस्थान सरकार ने हाईकोर्ट के नए भवन के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की स्वीकृति जारी कर दी है। मुख्य न्यायाधीश मनीष श्रीवास्तव और न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ के समक्ष राज्य सरकार ने नए भवन के निर्माण की प्रक्रिया के तहत डेढ़ करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कर जारी करने की जानकारी दी। अदालत ने हाईकोर्ट के भविष्य के विस्तार को ध्यान में रखते हुए 60 कोर्ट रूम की क्षमता वाली डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

मामले की पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट प्रशासन ने सरकार को 50 कोर्ट रूम की क्षमता वाली रिपोर्ट तैयार करने के लिए डेढ़ करोड़ रुपये स्वीकृत करने का पत्र सौंपा था। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से स्वीकृति और वित्तीय राशि जारी किए जाने की जानकारी अदालत के समक्ष प्रस्तुत की गई। अदालत ने अब नए भवन की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 60 कोर्ट रूम का प्रस्ताव तैयार करने को कहा है। सुनवाई के दौरान राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए और पुलिस की ओर से अब तक की गई कार्रवाई का विवरण पेश किया।

अदालत ने निर्माण कार्य में हुई गंभीर अनियमितताओं की जांच अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वीके सिंह के निर्देशन में कराने के निर्देश दिए। साथ ही, वर्तमान भवन में चल रहे मरम्मत कार्य को मुख्य अभियंता की प्रत्यक्ष देखरेख में पूरा करने को कहा है। पुलिस ने तकनीकी खामियां बरतने वाली निर्माण एजेंसियों से जुड़े 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की ओर से इन आरोपियों की जमानत पर विचार का अनुरोध किया गया था। इस पर खंडपीठ ने दो आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 5 अक्टूबर की तारीख निर्धारित की है।

नीमराणा में पुलिस हिरासत पर बवाल

थाने में देर रात तक धरना; विधायक भी बैठे

नीमराणा, 16 सितंबर (एजेंसियां)। नीमराणा नगर पालिका चुनाव के बाद हाईवे स्थित आयुष होटल के संचालक चंदन सैनी को पुलिस हिरासत में लिए जाने के बाद मामला गरमा गया। चंदन सैनी वार्ड 5 से निर्दलीय पार्षद चुनी गईं सुमन देवी के जेठ बताए जा रहे हैं। पुलिस कार्रवाई की सूचना मिलते ही प्रतापसिंहपुरा और माधोसिंहपुरा सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष नीमराणा थाने पहुंच गए। ग्रामीणों ने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए थाने का घेराव कर धरना शुरू कर दिया। उनकी मांग थी कि चंदन सैनी को रिहा किया जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि उन्हें किस मामले में हिरासत में लिया गया है। ग्रामीणों का कहना था कि पुलिस को कार्रवाई का कारण सार्वजनिक करना चाहिए। पुलिस ने होटल संचालक के साथ होटल के कुछ कर्मचारियों को भी थाने लाया था। ग्रामीणों के दबाव के बाद होटल के कर्मचारियों को छोड़ दिया गया, लेकिन चंदन सैनी को हिरासत में रखे जाने का विरोध जारी रहा। देर रात तक महिलाएं और पुरुष थाना परिसर में धरने पर बैठे रहे। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए और चंदन सैनी को तत्काल छोड़ने की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि जब तक हिरासत में लिए गए व्यक्ति को नहीं छोड़ा जाता, तब तक धरना जारी रहेगा। मामले की सूचना मिलने पर मुंडावर विधायक ललित यादव भी नीमराणा थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे राजनीतिक दबाव से जोड़कर आरोप लगाए। विधायक ने कहा कि चंदन सैनी को छोड़े जाने तक वह ग्रामीणों के साथ धरने पर रहेंगे।

राजस्थान को मिलेगा टौंस नदी का पानी

शेखावाटी की जनता की बल्ले-बल्ले

6 राज्यों के सीएम ने किए हस्ताक्षर

जयपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। देश में लंबे समय से अटकी जल परियोजनाओं को गति देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया। किशाऊ बहुद्देशीय परियोजना को लेकर छह राज्यों ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे राजस्थान को टौंस नदी पर प्रस्तावित किशाऊ बांध से 124 एमसीएम पानी मिलेगा। यह पानी ताजेवाला हैड से चूरू के हासियावास तक प्रस्तावित तीन पाइपलाइन के जरिए राजस्थान पहुंचेगा। इससे सीकर, चूरू, झुंझुनूं और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल तथा अन्य आवश्यकताओं के लिए जल उपलब्ध होगा। समझौते के तहत हिमाचल प्रदेश अपने हिस्से का 95 प्रतिशत पानी राजस्थान और दिल्ली को दे रहा है। इसके बदले दिल्ली और राजस्थान हिमाचल के विद्युत घटक की लागत वहन करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में यहां उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों ने करार पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी मौजूद रहे।

हिमाचल प्रदेश अपने बिजली के हिस्से का भुगतान नहीं कर रहा था, जिसके चलते यह परियोजना अटकी हुई थी। अब हिमाचल प्रदेश के जल हिस्से का 95 प्रतिशत भाग दिल्ली और राजस्थान को दिया जाएगा। पांच प्रतिशत पानी हिमाचल अपने पास रखेगा। 95 प्रतिशत में से 75 प्रतिशत पानी दिल्ली और 25 प्रतिशत राजस्थान को मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस समझौते को राज्यों के बीच आपसी सहयोग की मिसाल बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'सबका साथ-सबका विकास-सबका प्रयास-सबका विश्वास' के विजन को तेजी से आगे बढ़ाया है। इससे राज्यों की सहमति से दशकों से अटकी परियोजनाओं का समाधान हो रहा है। प्रदेश को यमुना जल समझौता, रामजल सेतु लिंक परियोजना, नर्मदा जल समझौता और किशाऊ बांध परियोजना जैसी बड़ी सौगातें मिली हैं।

'हाई सिक्योरिटी' सेंट्रल जेल की बैरक से मिले टीवी-इंडक्शन-मोबाइल

उदयपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सुरक्षा तंत्र और जेल प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली एक बड़ी खबर उदयपुर से सामने आई है। उदयपुर सेंट्रल जेल में बंद कुख्यात हिस्ट्रीशीटर और 35 गंभीर मुकदमों के आरोपी नरेश हरिजन की सेल में जब पुलिस ने अचानक सर्च अभियान चलाया, तो वहां का नजारा देखकर खुद पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। सोमवार, 14 सितंबर को एडिशनल एसपी के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम की छापेमारी के दौरान नरेश की सेल से किसी सामान्य बंदी की तरह नहीं, बल्कि एक वीवीआईपी की तरह सुख-सुविधाओं का सामान बरामद हुआ। बदमाश की सेल में बकायदा टीवी, चाय और गर्म पानी बनाने के लिए इंडक्शन चूल्हा और बातचीत के लिए कीपैड मोबाइल मिला। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह रही कि जेल की निगरानी के लिए लगाई गई सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी उसी की सेल में रखी हुई थी, जिससे वह अपना मोबाइल चार्ज कर रहा था। पुलिस की इस अचानक कार्रवाई से जेल प्रशासन और बंदियों के बीच हड़कंप मच गया है। उदयपुर पुलिस को लंबे समय से यह सूचनाएं मिल रही थीं कि सेंट्रल जेल के भीतर से कुछ रसूखदार और कुख्यात अपराधी मोबाइल नेटवर्क का इस्तेमाल कर बाहर अपनी आपराधिक गतिविधियों को संचालित कर रहे हैं। इन इनपुट्स के आधार पर एडिशनल एसपी के नेतृत्व में पुलिस की एक विशेष टीम ने बिना कोई पूर्व सूचना दिए सोमवार को जेल में अचानक दबिश दी।

पुलिस टीम ने अलग-अलग बैरकों और हाई-सिक्योरिटी सेल की गहन तलाशी ली। जैसे ही टीम कुख्यात बदमाश नरेश हरिजन की सेल में पहुंची, वहां मौजूद सुविधाएं देखकर अधिकारी दंग रह गए।

जोजरी नदी में केमिकल बहाने की आशंका

पिकअप में मिला रंग-रसायनों का जखीरा; चालक गिरफ्तार

जोधपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। जोजरी नदी में केमिकल बहाकर प्रदूषण फैलाने की आशंका के चलते पुलिस ने अवैध रूप से कपड़ा रंगाई-छपाई का सामान ले जा रही बोलेरो पिकअप को जब्त किया है। पुलिस ने वाहन चालक को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आयुक्त अंशुमान भोमिया और डीसीपी पश्चिम कमल शेखावत के निर्देश पर मोगड़ा पुलिया के पास विशेष नाकाबंदी अभियान चलाया गया था। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध पिकअप को रोककर उसकी जांच की।

थानाधिकारी भवानी सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मोगड़ा पुलिया पर संदिग्ध पिकअप को रोका। पूछताछ में सांगरिया निवासी चालक किशनाराम वाहन से जुड़े जरूरी दस्तावेज पेश नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस टीम ने पिकअप की गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन से 120 थान सफेद कपड़ा, रंगाई-छपाई में इस्तेमाल होने वाली 37 प्लेटें और अलग-अलग तरह के रसायन बरामद किए गए। जब्त सामान में इंडो टेक्स कंपनी के पीले और काले रंग से भरे 30 और 50 किलोग्राम क्षमता वाले ड्रम भी शामिल हैं। इसके अलावा पिकअप से 50 किलोग्राम केरोसिन श्रेणी का एमटीओ ज्वलनशील पदार्थ और 20 किलोग्राम नमक जैसा रसायन भी मिला। बड़ी मात्रा में कपड़ा, रंगाई-छपाई की सामग्री और रसायन मिलने के बाद पुलिस ने पूरे सामान को कब्जे में ले लिया।

पुलिस पूछताछ में चालक किशनाराम ने बताया कि उसके पास केवल कपड़े का बिल है। वह यह पूरा माल पाली के मंडिया रोड स्थित एम.आर. इंटरप्राइजेज ले जा रहा था। हालांकि, उसके पास ई-वे बिल और अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस के अनुसार, सामान के साथ जरूरी दस्तावेज नहीं होने और रसायनों को जोजरी नदी में बहाकर प्रदूषण फैलाने की आशंका के चलते कार्रवाई की गई। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 106(1) के तहत सारा सामान जब्त कर लिया। वहीं बोलेरो पिकअप को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया।

इस पूरी कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक सुखदास के साथ कॉन्स्टेबल जगदीश, गोपाल और ओमप्रकाश की विशेष भूमिका रही। पुलिस अब जब्त सामान, उसके परिवहन और उसके संभावित इस्तेमाल को लेकर आगे की जांच कर रही है।

भीषण सड़क हादसा

चार लोगों की मौत, कार पूरी तरह चकनाचूर

नागौर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले में गुरुवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। हादसा नावां क्षेत्र के मिठड़ी बाइपास पर सुबह करीब 5 बजे हुआ। यहां मुरड़ से भरे डंपर और कार में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसा इतना जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई और उसमें सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनकी बेटी समेत कार चालक शामिल है। हादसे की सूचना मिलते ही नावां पुलिस मौके पर पहुंची। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण शव अंदर फंस गए थे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला। इसके बाद सभी शवों को डीडवाना-कुचामन जिले के नावां उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया।

स्कूल व्याख्याता भर्ती पेपर लीक

आरोपी शिक्षक गिरफ्तार, 7 लाख में खरीदा था पेपर

डीडवाना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भर्ती परीक्षाओं में धांधली की जांच कर रहे विशेष जांच समूह (एसओजी) ने स्कूल व्याख्याता (अर्थशास्त्र) भर्ती-2022 के पेपर लीक मामले में आरोपी श्रवण कुमार विश्नोई को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि श्रवण ने पहले अपनी जगह डमी अभ्यर्थी बैठाकर द्वितीय श्रेणी शिक्षक की नौकरी हासिल की थी। इसके बाद उसने पेपर लीक माफिया से सात लाख रुपये में सौदा किया और अपने दोस्त गोपाल को लीक पेपर पढ़वाकर स्कूल व्याख्याता बनवा दिया। डमी अभ्यर्थी के जरिए नौकरी हासिल करने का मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग आरोपी शिक्षक को पहले ही निलंबित कर चुका है। एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने कार्रवाई की जानकारी दी है। जांच के अनुसार, बालोतरा जिले के नेड़ी नाडी निवासी श्रवण कुमार विश्नोई ने वर्ष 2022 में हुई स्कूल व्याख्याता भर्ती परीक्षा में अपने दोस्त गोपाल के लिए अर्थशास्त्र का लीक पेपर खरीदा था। इसके लिए उसने पेपर लीक माफिया से सात लाख रुपये में सौदा किया था। पेपर हासिल करने के बाद श्रवण ने अपने ही गांव के रहने वाले गोपाल को अपने घर बुलाया। परीक्षा से पहले उसने गोपाल को दोनों दिनों के लीक पेपर पढ़वाए। एसओजी के अनुसार, इसी लीक पेपर की मदद से गोपाल का स्कूल व्याख्याता (अर्थशास्त्र) के पद पर चयन हो गया। स्कूल व्याख्याता भर्ती परीक्षा अक्तूबर 2022 में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की ओर से आयोजित की गई थी। जांच में सामने आया कि आयोग के तत्कालीन सदस्य बाबूलाल कटारा ने अन्य विषयों के साथ अर्थशास्त्र का पेपर भी लीक किया था। जांच के मुताबिक, कटारा ने लीक पेपर शेरसिंह उर्फ अनिल मीणा को दिया था।

मछली पकड़ने के दौरान युवक के हाथ में फटा बम

दोनों हाथ बुरी तरह जख्मी, चेहरा भी झुलसा; गंभीर हालत में उदयपुर रेफर

उदयपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के खेरवाड़ा तहसील क्षेत्र में मछली पकड़ने के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। नदी में मछली पकड़ने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे टोटा बम के अचानक फटने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि युवक के दोनों हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि उसका चेहरा भी झुलस गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, युवक नदी में मछली पकड़ने के लिए गया था। इसी दौरान वह टोटा बम का इस्तेमाल कर रहा था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान बम अचानक उसके हाथ के पास ही फट गया। विस्फोट की चपेट में आने से युवक के दोनों हाथ गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उसके चेहरे पर भी चोट आई और झुलसने के निशान बताए जा रहे हैं।

धमाके की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल युवक को संभाला और तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की। युवक की हालत गंभीर होने के कारण उसे डूंगरपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार किया जा रहा है।

हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मामले की जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक के पास टोटा बम कहां से आया और नदी में मछली पकड़ने के दौरान इसका इस्तेमाल क्यों किया जा रहा था। घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

रिश्वत लेते सहायक अभियंता गिरफ्तार: घर से 43 लाख नकदी मिली, 20 किलोग्राम चांदी की सिल्लियां बरामद

भरतपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने पंचायत समिति भुसावर के सहायक अभियंता गोविंद प्रसाद को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार करने के बाद उनके आवास पर छापा मारा। जांच के दौरान आरोपी अभियंता के घर से 43,38,500 रुपये की नकद राशि और लगभग 20 किलोग्राम चांदी की सिल्लियां बरामद हुई हैं। इसके अलावा, आरोपी के पास से जयपुर और हिंडौन सहित विभिन्न स्थानों पर स्थित कई अचल संपत्तियों के दस्तावेज भी मिले हैं। इस बड़ी बरामदगी के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम आरोपी अधिकारी की संपत्ति और आय के स्रोतों का पता लगा रही है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की भरतपुर इकाई को भुसावर पंचायत समिति में कार्यरत सहायक अभियंता गोविंद प्रसाद के खिलाफ शिकायत मिली थी। आरोपी ने एक संवेदक से उसकी माप पुस्तिका और कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र का सत्यापन करने के बदले 30 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत का सत्यापन कराने के बाद जांच एजेंसी की विशेष टीम ने को जाल बिछाया। पुलिस निरीक्षक महेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने संवेदक को रिश्वत की राशि देकर भेजा।

17 साल से फरार 25 हजार का इनामी चरस तस्कर गिरफ्तार

सिरोही, 16 सितंबर (एजेंसियां)। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने 17 साल से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी चरस तस्कर हाजी उर्फ शबीर अहमद खान को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कश्मीर से गुजरात और राजस्थान तक चरस की सप्लाई करने वाले नेटवर्क से जुड़ा था। उसे पकड़ने के लिए भेष बदलकर रेकी की गई थी। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने 'ऑपरेशन विषधरासीम' के तहत अनंतनाग में इस कार्रवाई को अंजाम दिया। आरोपी राजस्थान के सिरोही जिले में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मामले में वांछित था।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार के अनुसार वर्ष 2009 में दिल्ली से अहमदाबाद जा रही ट्रेन में चरस की बड़ी खेप पकड़ी गई थी। जांच आगे बढ़ी तो तस्करी के तार जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग से जुड़े मिले। इसी जांच में शबीर अहमद खान का नाम सामने आया था। पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही वह फरार हो गया। इसके बाद वह 17 साल तक लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचता रहा। आरोपी के खिलाफ राजस्थान के सिरोही जिले के जीआरपी आबू रोड थाने में एफआईआर नंबर 09/2009 दर्ज है। यह मामला नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटांसेज एक्ट के तहत दर्ज किया गया था।

जांच में सामने आया कि शबीर के पिता सिविल ठेकेदार थे। कम उम्र में ही आरोपी चरस के कारोबार से जुड़ गया था। बाद में उसने मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के तौर पर काम किया। इसी दौरान चरस के ग्राहकों से उसके संपर्क बढ़ते गए।

दानम नागेंद्र की अयोग्यता याचिका पर फैसला अब शुक्रवार को

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद के दलबदलू विधायक दानम नागेंद्र की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर बुधवार को फैसला आने की उम्मीद थी, लेकिन तेलंगाना उच्च न्यायालय ने फैसला शुक्रवार तक टाल दिया है।

इस मामले को लेकर राजनीतिक हलकों में काफी उत्सुकता बनी हुई थी। भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल के नेता एलेटी महेश्वर रेड्डी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के हुजूराबाद विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने दानम नागेंद्र के खिलाफ दलबदल के आधार पर विधानसभा सदस्यता से अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। मामले में दोनों पक्षों की दलीलें पूरी हो चुकी हैं और बुधवार दोपहर फैसला आने की संभावना जताई जा रही थी। हालांकि, न्यायालय ने अब फैसला शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया। दानम नागेंद्र ने 2023 के विधानसभा चुनाव में खैरताबाद सीट से बीआरएस के टिकट पर जीत हासिल की थी। बाद में उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया और 2024 के लोकसभा चुनाव में सिकंदराबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा। हालांकि, उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने के उनके फैसले के बाद दलबदल को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हुआ और बीआरएस की ओर से उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की गई। इस मामले में 31 जुलाई 2025 को उच्चतम न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष जी. प्रसाद कुमार को दलबदल के आरोपों का सामना कर रहे विधायकों की अयोग्यता संबंधी याचिकाओं पर निर्णय लेने का निर्देश दिया था। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने 10 विधायकों के मामलों में सुनवाई की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने दानम नागेंद्र के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिका खारिज कर दी थी। अध्यक्ष के इस निर्णय को चुनौती देते हुए एलेटी महेश्वर रेड्डी और पाडी कौशिक रेड्डी ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। अब इस पर उच्च न्यायालय का फैसला शुक्रवार को आने की संभावना है।

ड्यूटी पर होमगार्ड से मारपीट में 15 दिन की सजा

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुलसुमपुरा थाना क्षेत्र में ड्यूटी कर रहे होमगार्ड से मारपीट करने के मामले में अदालत ने आरोपी को 15 दिन के कारावास और 3,050 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। आरोपी की पहचान जियागुड़ा निवासी 40 वर्षीय पल्लापु श्रीनिवास के रूप में हुई है। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ई-पेटी केस दर्ज किया था।

पुलिस के अनुसार 15 सितंबर को होमगार्ड एम. भास्कर नेहरू स्कूल के पास यातायात व्यवस्था में ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान श्रीनिवास निर्धारित सड़क डायवर्जन को पार कर आगे निकल गया। होमगार्ड द्वारा पूछताछ करने पर आरोपी ने कथित रूप से गाली-गलौज की और उसके साथ मारपीट की। घटना की शिकायत मिलने के बाद कुलसुमपुरा ट्रैफिक पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 15 सितंबर को एसटीसी संख्या 4821/2026 के तहत ई-पेटी केस दर्ज किया। पुलिस ने मामले की कार्रवाई पूरी कर आरोपी को अदालत के समक्ष पेश किया।

एलबी नगर में खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापे 20 जगहों पर मिलीं अनियमितताएं

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी फॉर फूड एंड एसेंशियल ड्रग्स (टीजी सेफ) की प्रवर्तन टीमों ने एलबी नगर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर 20 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। दस टीमों ने रेस्टोरेंट, होटल और खाद्य निर्माण इकाइयों की जांच की। अधिकारियों ने 20 खाद्य नमूने संदेह के आधार पर जांच के लिए लिए। जांच के दौरान कई प्रतिष्ठानों में सड़ा-गला मांस और सब्जियां, तिलचट्टे, मक्खियों व चूहों का प्रकोप, अस्वच्छ परिसर, एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री तथा खाद्य पदार्थों में कीट पाए गए। कई स्थानों पर रेफ्रिजरेटर की सफाई और शाकाहारी तथा मांसाहारी खाद्य पदार्थों को अलग रखने की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली।

टीजी सेफ ने सड़ी सब्जियां, बासी मांस और कीटग्रस्त कच्ची सामग्री मौके पर नष्ट कराई। रामकृष्णा ऑयल मिल, ग्रीन लैंड ढाबा, केफी कैफे और वन लाउंज बार एंड किचन को सुधार नोटिस जारी किए जाएंगे। सात प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में संगीत ग्रैंड, बहार बिरयानी कैफे, बालाजी फेनी एंड नमकीन, भुवनेश्वरी ऑयल इंडस्ट्रीज, होटल सिंधुरा ईस्ट कोर्ट, केमिस्ट्री बार एंड किचन, न्यू लिमरा होटल, एन विलेज मल्टीक्यूजिन रेस्टोरेंट और किनारा ग्रैंड के खाद्य सुरक्षा लाइसेंस निलंबित कर तत्काल कारोबार बंद करने के निर्देश दिए गए हैं।

भुवनेश्वरी ऑयल इंडस्ट्रीज में 6,120 किलोग्राम मूंगफली, जिसकी कीमत करीब 5.50 लाख रुपये बताई गई है, जब्त की गई।

के.बी.आर. पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा के तीसरे दिन प्रसाद में मूंगदाल हलवा एवं आलूबोड़ा दिया गया। यजमानों में नील सुंदर, विभा अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, नारायण काकानी, रोहित अग्रवाल, संजय गुप्ता, कृष्णा अग्रवाल, राज रेड्डी, बी. एस. रेड्डी, अजीता कृष्णा, सुदर्शन रेड्डी, माया उमेश अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल ,राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, विठ्ठलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सराइवाला, अशोक लखोटिया, अशोक सराइवाला, के. एस. आर. मूर्ति, राहुल सिंघल, सुरेश कुमार, पवन अग्रवाल, राधा कृष्णा, विजया, संध्या रानी, विभा अग्रवाल, माया अग्रवाल एवं अन्य भक्तगण शामिल रहे।

भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित होगी : रेवंत

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को तेलंगाना विधानसभा में भूमि से जुड़े विभिन्न मुद्दों, धारा 22-ए के तहत प्रतिबंधित संपत्तियों की सूची और धरनी पोर्टल में सामने आई कमियों पर विस्तृत वक्तव्य दिया। उन्होंने भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने इंदिरम्मा आवास योजना के लाभार्थियों, धरनी पोर्टल की समस्याओं से प्रभावित लोगों और शहरी क्षेत्रों के निवासियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों की भी जानकारी दी।रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकारी भूमि पर इंदिरम्मा आवास प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को राहत देने का निर्णय लिया गया है। नियमों के अनुसार पांच वर्ष की रोक अवधि पूरी होने के बाद लाभार्थी इन संपत्तियों को बेच सकेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पंजीकरण शुल्क और लागू नाला शुल्क का भुगतान करने के बाद संपत्ति का पंजीकरण तत्काल पूरा किया जाएगा। प्रतिबंधित संपत्तियों की सूची में भूमि शामिल किए जाने के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद जिला कलेक्टरों से प्राप्त सूचियों के आधार पर वर्ष 2025 में संपत्तियों को सूची में शामिल किया गया था। उन्होंने बताया कि कई मामलों में एक ही सर्वेक्षण संख्या में सरकारी और निजी भूमि दोनों शामिल होने के कारण पंजीयकों और राजस्व अधिकारियों के समक्ष स्थिति स्पष्ट नहीं थी।

राष्ट्र को गुणवत्ता के दृष्टिकोण से सशक्त बनाने में उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका: डीडीजी

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो हैदराबाद शाखा कार्यालय द्वारा 15 सितंबर को नव-लाइसेंस प्राप्त निर्माताओं के लिए 'मानक संवाद' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्व मानक दिवस के अवसर पर आयोजित आउटरीच पहलों का हिस्सा था। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एम.ए.जे. विनोद, उप महानिदेशक (दक्षिणी क्षेत्र) ने कहा बीआईएस ने राष्ट्र को गुणवत्ता के दृष्टिकोण से सशक्त बनाने और एक मजबूत गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

इस अवसर पर पी.वी. श्रीकांत, निदेशक/वैज्ञानिक-ई एवं प्रमुख, बीआईएस हैदराबाद शाखा कार्यालय ने बीआईएस और उद्योग हितधारकों के बीच निरंतर संवाद एवं सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला।

तकनीकी सत्र का संचालन के. कविन, वैज्ञानिक-सी/उप निदेशक, बीआईएस हैदराबाद द्वारा किया गया। सत्र के दौरान बीआईएस लाइसेंस संचालन, उत्पाद पर मानक चिह्न लगाने की आवश्यकताओं, निगरानी गतिविधियों तथा अनुपालन संबंधी दायित्वों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को BIS Care App तथा शिकायत निवारण तंत्र के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई, जिससे वे बीआईएस की सेवाओं का प्रभावी उपयोग कर सकें और प्रमाणित निर्माताओं के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से समझ सकें।

'मानक संवाद' ने बीआईएस अधिकारियों और नव-लाइसेंस प्राप्त निर्माताओं के बीच प्रत्यक्ष संवाद एवं ज्ञान-विनिमय के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया। कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को बीआईएस प्रमाणन आवश्यकताओं, अनुपालन संबंधी जिम्मेदारियों तथा देश में गुणवत्ता और मानकीकरण को बढ़ावा देने में उद्योग की भूमिका के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

आयुर्वेद जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के तत्वावधान में आज आसमान गड़ के होली मदर्स ग्रामर हाई स्कूल में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस (23 सितंबर) के उपलक्ष में आयुर्वेद जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉक्टर अक्षय ने कहा कि आयुर्वेद प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति है जो जीवन के हर पहलू में बहुत उपयोगी है क्योंकि यह छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करती है।

इस अवसर पर डॉ. अक्षय ने छात्रों को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठने से लेकर रात को सोने तक पालन किए जाने वाले तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे हम मौसमी आहार के अनुसार संतुलित आहार अपनाकर और जंक फूड से दूर रहकर अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने छात्रों को तुलसी, हल्दी और अदरक जैसी प्राकृतिक जड़ी-बूटियों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देती हैं।

राजपूत समाज के कल्याण एवं उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल : कुंदन सिंह

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड अंबरपेट, के चेयरमैन ठाकुर कुंदन सिंह ने बताया कि समाज के कल्याण एवं उत्थान के उद्देश्य से विभिन्न पात्र लाभार्थियों को प्रदान की जाने वाली सहायता राशि उनके संबंधित बैंक खातों में सीधे जमा कर दी गई है। इसमें मेधावी विद्यार्थियों हेतु छात्रवृत्ति, वरिष्ठ नागरिकों हेतु पेंशन सहायता, दिव्यांगजनों हेतु पेंशन सहायता तथा विधवा एवं अन्य पात्र लाभार्थियों हेतु पेंशन सहायता की राशि जमा कराई गई। उन्होंने बताया कि समाज की यह पहल किसी प्रकार की सहायता को उपकार के रूप में नहीं, बल्कि समाज के प्रति दायित्व, कर्तव्य एवं सेवा भावना के रूप में देखी जाती है। समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहन मिले तथा आवश्यकता रखने वाले पात्र सदस्यों और परिवारों को सम्मानपूर्वक सहयोग प्राप्त हो। इसी संकल्प के साथ, राजपूत समाज के व्यापक हित, कल्याण एवं प्रगति के लिए भविष्य में भी विभिन्न जनकल्याणकारी कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे।

गुडीमल्लकापुर, न्यू साई नगर स्थित श्री गणेश की पूजा-अर्चना करते हुए पी. चरन तेजा, पी. अप्पाला नायुडु, पी. त्रिवेणी।

गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज महान की जयंती कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कवाड़पल्ली स्थित भगवान देवनारायण मंदिर पर पुजारी हेमराज सिराधना व समाज बन्धुओ के सानिध्य में 13 सितम्बर को गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज महान की जयंती मनाई गई। प्रात: वेला में पूजा-अर्चनाकर भगवान देवनारायण व मिहिर भोज की तस्वीर पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्वलितकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया । भक्तो ने श्रीफल व प्रसाद भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की ।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा प्रदेशाध्यक्ष बहादुर सिंह गुर्जर ने सम्राट मिहिर भोज के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे राष्ट्र एवं सनातन धर्म रक्षक थे उन्होंने 836 ई. से 885 ई. तक 49 वर्ष राज किया अनेकों मंदिर बनाए । हमें गुर्जर सम्राट मिहिर भोज के जीवनी से प्रेरणा लेकर धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे नाथुराम गुर्जर, विष्णुराम गुर्जर, कालूराम गुर्जर, नारायण सुथार, हाथीराम गुर्जर, छोटूराम गुर्जर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पधारे इंजीनियर प्रवीण कुमार बैंसला, महाराष्ट्र से नाथूराम गुर्जर, मध्य प्रदेश से पंकज सिंह राजपूत, भरतराम लोहार, अशोक गुर्जर, प्रिंस गुर्जर, मुन्ना लाल गुर्जर व समाज बन्धु उपस्थित रहे । प्रसाद की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी । आरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ ।

सीरवी समाज टेस्ट जवाहरनगर का बीज दूज महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बालाजी नगर स्थित सीरवी समाज की धार्मिक आस्था के केंद्र श्री आई माता मंदिर में श्री आई माताजी के 611वें अवतरण दिवस व 10 वां वार्षिक उत्सव का आयोजन दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में जयराम पंवार व सचिव हिरालाल चोयल ने बताया कि समाज बंधुओं के सान्निध्य में श्री आई माताजी का दो दिसवीय बीज (दूज) महोत्सव पूजा अर्चना कर आयोजित किया गया। 12 सितंबर को रात्रि 9.15 बजे से पूजा अर्चना, सांची ज्योत प्रज्वलित कर महाआरती के पश्चात जागरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गुरुदेव श्री श्री 1008 भवरगिरीजी महाराज का भव्य स्वागत किया। जिसमें भजन गायक सोहनदास निम्बली राजस्थान ,श्री हिरपुरजी महराज बालेसर राजस्थान ने आई माताजी के चरणों में राजस्थानी अंदाज में भजन प्रस्तुत किए। रविवार को पूजा अर्चना, ज्योत प्रज्ज्वलन व महाआरती के पश्चात समाज बंधुओं व भक्तों ने सपरिवार अवतरण दिवस पर आई माताजी के चरणों में आस्था के पुष्प व नारियल अर्पित कर परिवार की सुख शांति की कामना की।

समाज बंधुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गई। अध्यक्ष जयराम पंवार सचिव हिरालाल चोयल ने समाज में किए गए कार्यो से अवगत कराया। कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी ने लेखा जोखा किया। नवनिर्वाचित कार्यकारणी के पदाधिकारियों अध्यक्ष घेवरराम चोयल, उपाध्यक्ष हिराराम चोयल, अशोक कुमार काग, सचिव राजुराम चोयल, सहसचिव भंवरलाल हाम्बड़, कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी,सह कोषाध्यक्ष भंवरलाल सातपुरा , सलाहकार हिराराम काग , नारायणलाल बर्फा, शिक्षा समिति अध्यक्ष जयराम पंवार, उपाध्यक्ष महेन्द्र सानपुरा, सोहनलाल हाम्बड़, सचिव सोहनलाल पंवार,सह सचिव राजुराम बर्फा, कोषाध्यक्ष डुगाराम सोलंकी,सह कोषाध्यक्ष अनिलकुमार बर्फा, मिडिया प्रभारी सुखलाल काग,खेल मंत्री वेनाराम चोयल,सह खेल मंत्री कालुराम गेहलोत, एरिया मेमर बाबूलाल मुलेवा, पुनाराम बर्फा, अशोक देवड़ा, लालाराम काग, रमेश चोयल, महिला मंडल समिति अध्यक्षा कमला देवी चोयल, उपाध्यक्ष मोहनी देवी सोलंकी, सचिव जननी देवी बफा,सह सचिव ममता देवी मुलेवा, कोषाध्यक्ष पुष्पा देवी चोयल, सह कोषाध्यक्ष कमला देवी पवार, सलाहकार प्यारी देवीत चोयल, हन्जादेवी बर्फा, रुपादेवी सैणचा, रुपादेवी सैणचा, एरिया मेमर शाति देवी सोलंकी विमला देवी सानपुरा, संगीता देवी गेहलोत शिक्षा समिति महिला मंडल अध्यक्षा लक्ष्मीदेवी बर्फा, उपाध्यक्ष ममता देवी पवांर, सचिव रजना देवी पवांर,सह सचिव दामिनी देवी सोलंकी , खेल मंत्री कविता देवी काग,सह खेल मंत्री विमला देवी चोयल , मंच संचालन कुसुम देवी ,मितल देवी सीरवी को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाकर आगामी कार्यकाल के लिए समाज की जिम्मेदारी सौंपी गयी।

सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट का शपथ ग्रहण सम्पन्न

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में सोमवार शाम 4.15 बजे अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज चोयल की अध्यक्षता में आगामी कार्यकाल 2026-2029 तक नवनिर्वाचित पदाधिकारियो का शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया । श्री आईमाताजी की पूजा-अर्चनाकर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को गोपनीयता की शपथ दिलाकर कार्यो की जिम्मेदारी से अवगत कराया गया । जिसमें अध्यक्ष भारमल वरपा, उपाध्यक्ष राजाराम चोयल, पोकरराम गेहलोत, सचिव लालाराम हाम्बड़, सहसचिव चम्पालाल काग, कोषाध्यक्ष पोकरलाल सैंणचा, सहकोषाध्यक्ष बाबूलाल चोयल, खेल मंत्री स्वरुपराम वरपा, सहखेल मंत्री चुन्नीलाल चोयल, मीडिया प्रभारी रमेश भायल, सलाहकार चौथाराम पंवार, मगाराम परिहार, वेनाराम वरपा, हंसाराम आगलेचा, कार्यकारिणी सदस्य भरत पंवार, सोहनलाल चोयल, सुरेश, डायाराम वरपा, जयंतीलाल सैंणचा, नारायणलाल, जसाराम भायल, रामलाल सोनपुरा, गोविन्द पंवार, अशोक चोयल, मनोनित सदस्य चुन्नीलाल वरपा, प्रकाश आगलेचा, नेमाराम काग, हिरालाल सैंणचा, पुखराज चोयल, भाणाराम वरपा, राजुराम सेपटा, दौलतराम पंवार, मोतीलाल चोयल, डूंगाराम सोलंकी, सहयोगी सदस्य सोहनलाल चोयल, नत्थाराम सोलंकी, महेन्द्र हाम्बड़, पुनाराम गेहलोत, राकेश सोलंकी, पुनाराम परिहारिया, देवाराम, दिलीप आगलेचा, मुकेश चोयल व मानाराम काग चुने गये। अवसर पर वर्तमान पदाधिकारियों का सम्मानकर विदाई दी गयी। अध्यक्ष भारमल वरपा व सचिव लालाराम हाम्बड़ ने समाज बन्धुओं का आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया कि सभी के सहयोग से समाज हित में वे कार्य करेंगे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

सूचना सं. ईटी-एसआरडीएमइ-वीएसकेपी-12-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीआऱएम (यांत्रिक), दक्षिण तट रेलवे,विशाखापत्तनम, द्वारा निम्न कार्यो हेतु **वेबसाइट**:https://www.ieps.gov.in पर सिंगल पैकेट प्रणाली में ई-बोलियां आमंत्रित है।

कार्य विवरणः 12 महिनो की अवधि हेतु विशाखापत्तनम डिवीजन के मौजूदा सिंगल पाइन वैगानों में ट्वीन पाइप एयर ब्रेक सिस्टम का रिट्रोफिटमेन्ट कार्य।

कार्य का अनुमानित मूल्य रु.1,45,35,836.00 निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य, जमा किया जानेवाला जानेवाला अग्रधन रु.2,90,700.00 कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, निविदा बंद करने की तिथि & समयः 06-10-2026 के 15.00 बजे।

ऐसे ई-निविदाओं के प्रति बशर्ते जिसे फर्म के लेटर हेड पर प्रस्तुत किया गया हो & समय पर प्राप्त किया गया हो तथा जिसे डाक/कोरियर/फैक्स द्वारा प्रेषित किया गया हो या व्यक्तिगत रुप में सुपुर्द किया हो तो भी ऐसे मैन्युएल आफर्स या प्रस्तावों को अस्वीकार किया जायेगा। तत्संबंधित सभी मैन्युएल आफर्स पर कोई भी विचार नही किये बिना सरसरी तौर पर अमान्य किया जायेगा। ई-निविदा दस्तावेजों सहित उपरोक्त ई-निविदा का संपूर्ण विवरण वेबसाइटः https://www.ieps.gov.in पर उपलब्ध है।

टिप्पणीः भावी निविदाकार नोट करें कि निविदा बंद करने की तिथि के लिए वेबसाइटः https://www.ieps.gov.in देखें।

नोटः भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, इस निविदा हेतु जारी किसी भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रो को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से 15 दिन पहले वेबसाइटः https://www.ieps.gov.in पर रिविजिट करें।

विभागीय रेल प्रबंधक, (यांत्रिक), विशाखापत्तनम

खुली ई-निविदा सूचना सं. बी/इ.इजीएस/09/2026-27, दि.08-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु तत्संबंधित विवरित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः बी/इ.29/।/इजीएस/24/26-27, दि.07-09-2026, कार्य विवरणः

बीजेडए डिवीजन- 1) टीडीडी (100केएलडी) & एनडीडी (100केएलडी) स्टेशनों पर एनजीटी गाइडलाइनों, एपीपीसीबी & सीपीसीबी अनुपालन में सीवेज ट्रिटमेन्ट संयंत्र का प्रावधान। 2) बीजेडए डिवीजनः एसएलओ (100केएलडी), एएनवी (35केएलडी) & सीसीटी (35केएलडी) स्टेशनो पर एनजीटी गाइडलाइनों, एपीपीसीबी & सीपीसीबी अनुपालन में सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लांट या संयंत्र का प्रावधान। 3) बीजेडए डिवीजनः एकेपी (100केएलडी) & टुनी (35केएलडी) स्टेशनो पर एनजीटी गाइडलाइनों, एपीपीसीबी & सीपीसीबी के अनुपालन में सीवेज ट्रीटमेन्ट संयंत्र का प्रावधान-बिजली & पम्पिन्ग व्यवस्थाएं। पूरा करने की अवधिः 6 महिने, निविदा मूल्य रु.1,18,91,066.18, अग्रधन/बोली सुरक्षा रु.2,37,800.00 निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, बंद करने की तिथिः 29-09-2026

निविदा सूचना संख्याः बी/इ.29/।/इजीएस/25/26-27, दि.08-09-2026 कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन- 1) एडीइएन/आरजेवाय सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/डब्ल्यू/आरजेवाय में आरजेवाय पर नई पार्सल आफिस का निर्माण कार्य। 2) एपीटीः एसआर.डीइएन/उत्तर /बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/एसएलओ सब-डिवीजन में प्लेटफार्म नं.2 &3 पर आयआरएस प्रकार की सीओपी शेल्टर्स का प्रावधान। 3) आरजेवायः डीइएन/उत्तर /बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/आरजेवाय सब-डिवीजन तहत एसएसइ/वर्क्स/आरजेवाय सेक्शन में राजमण्ड्री स्टेशन पर कर्मचारियों के लिए 14 नंबर्स (टाइप -॥-8नंबर्स, टाइप-॥।-02 नंबर्स & टाइप-IV-04 नंबर्स) नये क्वार्टर्स का निर्माण कार्य। 4) आरजेवायः 50 बिस्तरों युक्त पुरुष या मेल बैरक का निर्माण कार्य-बिजली व्यवस्थाएं।

पूरा करने की अवधिः 6 महिने, निविदा मूल्य रु.1,76,88,138.84, अग्रधन/बोली सुरक्षा रु.3,53,800.00

निविदा दस्तावेज मूल्य रु शून्य, बंद करने की तिथिः 30-09-2026

वेबसाइटः www.ieps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे कार्य का संपूर्ण विवरण, उपरोक्त कार्य की तत्समान प्रकृति, योग्यता मानदंड आदि दिया गया है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनो/शुध्दिपत्र को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले **वेबसाइटः** www.ieps.gov.in देखें।

--विभागीय रेल प्रबंधक, (बिजली), विजयवाडा

निविदा सूचना संख्याः जी/इ.29/टीआर./टेंडर नोटिस/17/2026-27

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-61-2026-27, कार्य विवरणः गुन्टकल डिवीजन-ओएचइ से संबंधित निम्न परिवर्तन कार्य जैसे (।) एनएच 544जी (एचएवस-एसबीसी) (किमीःसीएचः122.131) के विस्तार सहित तत्संबंधित एनएचएआय द्वारा पूर्ण की गयी भारती सीमेन्ट्स साइडिंग पर (2 X15एम) सहित 6 लेन आरयुबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। (॥) डीएमएम -पीएके सेक्शन पर मुदीगुबा-कला समुद्रम के बीच रेलवे किमीः 47/255 पर नई 6 लेन आरओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। (॥।) गुंटकल — नंद्याल सेक्शन पर रंगापुरम & बेथमचेर्ला स्टेशनों के बीच रेलवे किमी 304/2-3 (अप) पर एलसीः161 के स्थान पर टू लेन आरओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। (IV) जीवाय-आरयु सेक्शन पर येर्रागुन्टला जंक्शन-येर्रागुडीपाडू स्टेशन के बीच रेलवे किमीः294+144.5 पर 6 लेन रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य। (V) धर्मावरम-पाकाला सेक्शन पर पिलेरु-पुलीचेर्ला स्टेशनो के बीच रेलवे किमी 188/1-2 पर लेवल क्रासिंग नं.119 के एवज में टू लेन आरओबी का निर्माण। (VI) डीएमएम-पीएके सेक्शन पर मुदीगुब्बा-कला समुद्रम स्टेशनों पर एलसी-26 के स्थान पर पीयर स्टील कम्पोजिट गिर्डर के स्पैन (1 x20+1x46.00+1 x20) के रेलवे किमी 35/8-9 पर टू लेन आरओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.68,93,150.15, अग्रधन रु.1,37,900.00

निविदा बंद करने की तिथि& समयः 06-10-2026 के 15.00 बजे

निविदाकार, निविदा दस्तावेज को **वेबसाइटः** www.ieps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं।

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग & अन्य विवरण हेतु https://www.ieps.gov.in पर लाग इन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई होतो उसे केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुन्टकल

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी & निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ieps.gov.in या www.scor.indianrailways.gov.in देखें।

रोहित शर्मा के क्लब में शामिल हुए संजू सैमसन

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। मैच में फिफ्टी लगाने वाले भारतीय ओपनर संजू सैमसन अब रोहित शर्मा के क्लब में शामिल हो गए हैं। वे बतौर ओपनर टी-20 इंटरनेशनल मैचों में हजार रन बनाने वाले पांचवे भारतीय बन गए।

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ लगातार 10वां टी-20 मैच जीता। यह भारत का किसी एक टीम के खिलाफ लगातार सबसे ज्यादा टी-20 जीत का रिकॉर्ड है।

मोमेंट्स भी देखने को मिले। राशिद खान के एक ही ओवर में अभिषेक शर्मा और सैसमन छक्का लगाने के बाद अगली ही गेंद पर आउट हो गए।

संजू सैमसन टी-20 इंटरनेशनल में बतौर ओपनर हजार रन पूरे करने वाले पांचवे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनके नाम अब 1,026 रन हैं। रोहित शर्मा 3750 रन के साथ इस मामले में पहले स्थान पर हैं।

अफगानिस्तान ने एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह भारत के खिलाफ लगातार सबसे ज्यादा टी-20 मैच हारने वाली टीम बन गई है। अफगानिस्तान ने 2010 से 2026 के बीच भारत के खिलाफ लगातार 10 मैच गंवाए हैं।

मोहम्मद नबी टी-20 इंटरनेशनल में 2,500+ रन बनाने और 100 से ज्यादा विकेट लेने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। साथ ही वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले अफगान क्रिकेटर भी हैं। उनके नाम 2,501 रन और 111 विकेट हैं।

बुमराह ने मैच के पहले ओवर में कोई रन नहीं दिया। उनके सामने स्ट्राइक ले रहे इब्राहिम जादरान पहली गेंद पर बीट हो गए। ऐसे ही अगली 5 गेंद पर भी रन नहीं बना। आखिरी गेंद बुमराह ने यॉर्कर डाली, जिसपर जादरान सिर्फ बल्ला ही लगा सके। उन्होंने बैक टू द बॉलर खेला।

अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज लगातार दूसरे मैच में शून्य पर आउट हुए। दूसरे ओवर में अर्शदीप सिंह ने उन्हें कैच आउट कराया। अर्शदीप सिंह ने ओवर की तीसरी गेंद धीमी और शॉर्ट लेंथ डाली। गुरबाज ने फ्लैट-बैट शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन टॉप-एज लगा और गेंद मिड-ऑन पर गई। वहां खड़े रवि बिश्नोई ने आसानी से कैच कम्प्लीट किया। गुरबाज सिर्फ 3 गेंद खेल सके। पिछले मैच में भी वे 2 गेंद पर बिना रन बनाए आउट हुए थे। नौवें ओवर में नीतीश कुमार रेड्डी ने अपनी पहली ही गेंद पर इब्राहिम जादरान को आउट किया। उनकी शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद पर जादरान ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद डीप मिड-विकेट की ओर गई। वहां खड़े रवि बिश्नोई ने बाउंड्री के पास शानदार कैच पकड़ा। जादरान 33 गेंद पर 37 रन बनाकर आउट हुए।

मुजीब उर रहमान के पहले ओवर में अभिषेक ने दूसरी और तीसरी गेंद पर चौका लगाया। ऑफ-स्टंप से बाहर की गेंद पर अभिषेक ने बैकवर्ड पॉइंट पर चौका जड़ा। इसकी अगली ही गेंद पर उन्होंने पॉइंट पर गेंद को चार रन के लिए भेज दिया। इस ओवर में 12 रन बने।

पारी के छठे ओवर में मोहम्मद नबी की गेंदों पर 3 छक्के और 2 चौके लगे। इस ओवर में कुल 27 रन बने। अभिषेक ने पहली गेंद पर 93 मीटर का छक्का लगाया। दूसरी गेंद पर सिंगल आया। इसके बाद संजू सैमसन ने तीसरी गेंद पर छक्का, फिर लगातार 2 चौके लगाए और आखिरी गेंद पर छक्का जड़ दिया।

रैंक	खिलाड़ी	रन	स्ट्राइक रेट
1	रोहित शर्मा	3,750	143.02
2	केएल राहुल	1,826	136.98
3	शिखर धवन	1,759	126.36
4	अभिषेक शर्मा	1,726	191.56
5	संजू सैमसन	1,026	181.59

पारी का छठा ओवर काफी रोमांचक रहा। इस ओवर में 17 रन बने, लेकिन 2 विकेट भी गिरे। राशिद खान के इस ओवर की पहली गेंद पर अभिषेक छक्का लगाया, लेकिन अगली ही गेंद पर सेदीकुल्लाह अटल को कैच दे बैठे। इसी ओवर की पांचवी गेंद पर सैमसन ने भी छक्का लगाया। अगली ही गेंद पर मोहम्मद नबी ने बाउंड्री लाइन पर कैच पकड़ लिया। 11वें ओवर में इब्राहिम जादरान ने भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर का जबरदस्त कैच पकड़ा। राशिद खान के ओवर की चौथी गेंद पर श्रेयस ने ऑफ-साइड में शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर स्लिप में गई। वहां खड़े इब्राहिम कैच पकड़ने गए, लेकिन गेंद उनके हाथ से छिटक गई। हालांकि दूसरी कोशिश में उन्होंने कैच पकड़ लिया।

अभिषेक शर्मा ने पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ा

टी-20 रैंकिंग में नंबर-2 बल्लेबाज बने

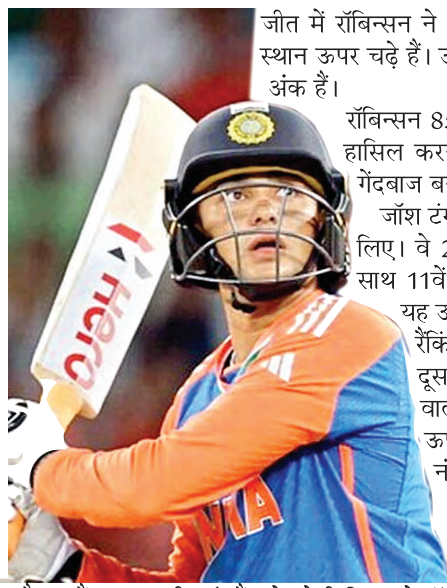

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के खिलाफ शुरुआती दो टी-20 मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ताजा आईसीसी टी-20 बैटिंग रैंकिंग में नंबर-2 पहुंच गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ा है। ईशान किशन पहले की तरह नंबर-1 पर बने हुए हैं। यानी अब टी-20 इंटरनेशनल रैंकिंग में टॉप-2 बल्लेबाज भारत के हो गए हैं।

भारत के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज तिलक वर्मा आठवें स्थान पर हैं। इस तरहल टॉप-10 में भारत के तीन बल्लेबाज मौजूद हैं। भारत की तरह इंग्लैंड के भी तीन बल्लेबाज टॉप-10 में हैं।

भारतीय गेंदबाजों में वरुण चक्रवर्ती पांचवें नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने दो स्थान की बढ़त बनाई है।

जसप्रीत बुमराह सात स्थान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गए हैं। अर्शदीप सिंह को 11 स्थान का फायदा हुआ है। वे अब 14वें स्थान पर हैं।

अक्षर पटेल भी छह पायदान ऊपर चढ़े हैं। वे 27वें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

पाकिस्तान के खिलाफ 3-0 की WTC सीरीज जीत में रॉबिन्सन ने 21 विकेट लिए। वे 23 स्थान ऊपर चढ़े हैं। उनके खाते में 856 रेटिंग अंक हैं।

रॉबिन्सन 850 से ज्यादा रेटिंग अंक हासिल करने वाले इंग्लैंड के 16वें गेंदबाज बन गए हैं।

जॉश टंग ने सीरीज में 19 विकेट लिए। वे 22 स्थान की छलांग के साथ 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं। यह उनकी भी करियर की बेस्ट रैंकिंग है। बर्मिंघम टेस्ट की दूसरी पारी में 76 रन बनाने वाले बाबर आजम दो स्थान ऊपर चढ़े हैं। वे अब 13वें नंबर पर हैं।

सऊद शकील 16वें और शान मसूद 37वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के जेमी स्मिथ ने टॉप-20 में वापसी की है।

टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में डेब्यू करने वाले रजाउल्लाह 91वें स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में उन्हें 120वां स्थान मिला है। वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में मैट रेनशॉ ने 54 स्थान की छलांग लगाई है। जिम्बाब्वे के खिलाफ 109 रन की पारी के बाद वे 68वें नंबर पर पहुंच गए हैं। टोनी डी जॉर्जी 54वें, क्रेग एर्विन 72वें और कूपर कॉनोली 77वें स्थान पर हैं। नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी 84वें नंबर पर पहुंच गए हैं। नाथन एलिस ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 31 रन देकर पांच विकेट लिए। वे पहली बार वनडे गेंदबाजों की टॉप-20 रैंकिंग में शामिल हुए हैं।

भुवनेश्वर बोले- 2019 वर्ल्ड कप की हार चुभती है

टारगेट चेज किया जा सकता था

कहा- भारतीय टीम में दोबारा खेला, तो खुशी होगी

मेरठ, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि 2019 वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली हार उनके करियर का सबसे दुखद पल था। उन्होंने जतिन सप्रू के यूट्यूब शो में कहा- '240 रन का टारगेट हासिल किया जा सकता था, इसलिए वह हार ज्यादा चुभती है।'

भारत 2019 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल न्यूजीलैंड से 18 रन से हार गया था। टीम 240 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 49.3 ओवर में 221 रन पर ऑलआउट हो गई थी।

36 साल के भुवनेश्वर नवंबर 2022 से भारतीय टीम से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि अब वह वापसी की उम्मीद में नहीं बैठे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर दोबारा देश के लिए खेलने का मौका मिला, तो यह उनके लिए बेहद खुशी की बात होगी।

भुवनेश्वर ने स्वीकार किया कि 2022 टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल की तुलना में 2019 की हार पचाना कहीं ज्यादा मुश्किल था। ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए उस मैच में भारतीय टीम ने रनचेज में 5 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। तब रवींद्र जडेजा (77) और महेंद्र सिंह धोनी (50) की पारियों से भारत लक्ष्य के करीब पहुंचा था।

बारिश की वजह से यह मैच 2 दिन खेला गया था। इससे भारतीय टीम पर मैदान की नमी का भी असर पड़ा। हालांकि, उन्होंने माना कि शायद जीत भारत की किस्मत में ही नहीं थी।

भुवनेश्वर ने आईपीएल के पिछले 2 सीजन में शानदार प्रदर्श किया। उन्होंने लगातार दो आईपीएल टाइटल जीतने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 2025 सीजन में 17 विकेट और 2026 में 28 विकेट लिए थे।

इन परफॉर्मेंस के बावजूद भुवनेश्वर ने कहा कि उन्हें अब भारतीय टीम में वापसी की उम्मीद नहीं है।उन्होंने कहा- 'मैं किसी को कुछ साबित करने के लिए नहीं खेल रहा हूं।'

भुवनेश्वर ने बताया कि उन्हें 2022 टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान ही लग गया था कि भारतीय टीम में उनका समय खत्म हो सकता है। टीम इंडिया एडिलेड में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच हार गई थी।

भुवनेश्वर ने कहा- 'अपने अनुभव से मुझे लगा कि जब आप ऐसा टूर्नामेंट हारते हैं, तो चयनकर्ता आगे देखना चाहते हैं। यह सही भी है।'

आखिरी बार भारत की टीम चुन रहे अजीत अगरकर

चयन समिति से छुट्टी तय, अब लक्ष्मण की बारी?

बीसीसीआई चयन समिति की बैठक दिल्ली में चल रही है। बैठक खत्म होने के बाद वेस्टइंडीज के साथ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया जाएगा। वनडे टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का खेलना तय है, लेकिन मुख्य चयनकर्ता अगली बार इस मीटिंग में नहीं होंगे। अजीत अगरकर मुख्य चयनकर्ता के रूप में आखिरी बार चयन समिति की बैठक में शामिल हो रहे हैं और टीम चुन रहे हैं। बीसीसीआई के साथ अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट इसी महीने खत्म हो रहा है।

अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट आगे बढ़ाया जा सकता है और वह 2027 वनडे विश्व कप तक चयन समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे। हालांकि, वनडे टीम में रोहित शर्मा की जगह को लेकर अजीत अगरकर और बीसीसीआई के अधिकारियों के बीच असहमति हुई। इसके बाद चयन समिति से उनकी छुट्टी हो रही है।

कयास लगाए जा रहे हैं कि अजीत अगरकर के बाद एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को मुख्य चयनकर्ता बनाया जा सकता है। लक्ष्मण लंबे समय से एनसीए हेड के रूप में काम कर रहे हैं। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी बैकअप कोच की भी होती है। वह एशियन गेम्स के दौरान भी भारत की टी20 टीम के साथ नजर आएंगे, क्योंकि इसी समय दूसरी टीम वेस्ट इंडीज के खिलाफ वनडे मैच खेलेगी। मुख्य कोच गंभीर वनडे टीम के साथ होंगे।

अजीत अगरकर 4 जुलाई 2023 को भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता बने थे। इसके बाद से भारत ने 2024 टी20 विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 विश्व कप जीता है। इस दौरान टीम इंडिया दो बार एशिया कप जीतने में भी सफल रही है, लेकिन टेस्ट में भारत का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। खासकर घरेलू सीरीज में स्पिन के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों को परेशानी आ रही थी। वहीं, गेंदबाज भी विपक्षी टीमों की तुलना में फीके साबित हो रहे थे। ऐसे में नए चयनकर्ता के सामने टेस्ट टीम को बेहतर करने की जिम्मेदारी होगी।

भारत में फॉर्मूला वन रेसिंग दोबारा कराने की तैयारी

सरकार ने बनाया टास्क फोर्स

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में फॉर्मूला वन की वापसी और मोटरस्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए खेल मंत्रालय ने टास्क फोर्स बनाया है। इसमें 10 मेंबर्स शामिल हैं। टास्क फोर्स देश के मोटरस्पोर्ट्स इकोसिस्टम का आकलन करेगी। 2028 में भारत में एफ1 ग्रां प्री कराने की संभावना भी तलाशी जाएगी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य देश के मौजूदा मोटरस्पोर्ट्स इकोसिस्टम का आकलन करना है। सबसे बड़ी चुनौती टैक्स से जुड़े उन मुद्दों का हल ढूंढना है, जिनके कारण पहले फॉर्मूला वन भारत से चला गया था। टास्क फोर्स में नीति आयोग के प्रोग्राम डायरेक्टर युगल किशोर जोशी अध्यक्ष होंगे। इसमें जॉइंट सेक्रेटरी कुनाल भी शामिल होंगे।

वाणिज्य और पर्यटन मंत्रालयों के जॉइंट सेक्रेटरी भी टीम का हिस्सा होंगे। बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट और मद्रास इंटरनेशनल सर्किट के प्रतिनिधि भी इसमें शामिल रहेंगे। फॉर्मूला-1 के मौजूदा कैलेंडर के अनुसार हर साल 24 ग्रां प्री रेस होती है। इनमें से 9 रेस यूरोप में, 8 एशिया में, 5 नॉर्थ अमेरिका में और 1-1 रेस साउथ अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया-ओशियाना में होती है। भारत में 2011 से 2013 तक तीन साल फॉर्मूला-1 रेस हुई। इसे इंडियन ग्रां प्री के नाम से जाना जाता था। ये रेस ग्रेटर नोएडा के बुद्धा इंटरनेशनल सर्किट में हुई थी। उस समय सरकार ने एफ1 रेसिंग को खेल मानने से इनकार कर दिया था और इसे एंटरटेनमेंट की कैटेगरी में रखा गया था। F1 रेसिंग पर 40% टैक्स लगा दिया गया।

फॉर्मूला-1 खिलाड़ी के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं

लंदन, 16 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के फॉर्मूला-1 के खिलाड़ी अरविड लिंडब्लाड ने ड्राइविंग थ्योरी टेस्ट पास कर लिया है। वह अब फुल ड्राइविंग लाइसेंस पाने से एक कदम दूर हैं। 19 साल के रेसिंग बुल्स ड्राइवर ने इंस्टाग्राम पर रिजल्ट शेयर किया। लिंडब्लाड ने यह टेस्ट स्पेनिश ग्रां प्री की 14वीं रेस के बाद दिया। वह मैड्रिड से ब्रिटेन लौटे थे और रेस में नौवें स्थान पर रहे थे। रेस से कुछ दिन पहले मैड्रिड के मैड्रिंग सर्किट पर प्रैक्टिस के दौरान उनकी कार टर्न-13 पर क्रैश हो गई थी। लिंडब्लाड ने टेस्ट के मल्टीपल चॉइस सेक्शन में 50 में से 46 अंक हासिल किए। वहीं हेजर्ड परसेप्शन सेक्शन में उन्हें 75 में से 52 अंक मिले। हालांकि उन्हें ब्रिटेन की सड़कों पर सामान्य कार चलाने के लिए अभी फुल लाइसेंस नहीं मिला है। लिंडब्लाड ने मैड्रिड के मैड्रिंग सर्किट पर प्रैक्टिस के दौरान रेसिंग बुल्स कार को टर्न-13 पर टक्कर मार दी थी।

मेसी की इंटरनेशनल फुटबॉल से विदाई

6 अक्टूबर को अर्जेंटीना के लिए आखिरी मैच खेलेंगे

ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना), 16 सितंबर (एजेंसियां)। लियोनेल मेसी इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास के बाद एक बार फिर अर्जेंटीना की जर्सी में नजर आएंगे। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने उन्हें 6 अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स के मॉन्यूमेंटल स्टेडियम में बेनिन के खिलाफ होने वाले फ्रेंडली मैच के लिए टीम में शामिल किया है। यह मुकाबला मेसी की राष्ट्रीय टीम के साथ आधिकारिक विदाई के तौर पर खेला जाएगा। एएफए के अध्यक्ष क्लॉडियो तापिया ने सोशल मीडिया पर मेसी की विदाई की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मेसी को वह सम्मानजनक विदाई देने के लिए बुलाया गया है, जिसके वे हकदार हैं।

तापिया ने यह भी बताया कि मेसी ने इस मुकाबले में शामिल होने का न्योता स्वीकार कर लिया है। अर्जेंटीना के 2022 वर्ल्ड कप विजेता खिलाड़ियों और उनके परिवारों को भी इस खास मैच में आमंत्रित किया जाएगा।

मेसी ने 31 अगस्त को हाथ से लिखे 230 शब्दों के नोट को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लेने की जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा था कि यह फैसला लेना तकलीफदेह था। मैदान से दूर होने का विचार उन्हें अंदर तक दुख देता है, लेकिन उन्हें लगता है कि अब ऐसा करने का समय आ गया है।

मेसी ने उस अर्जेंटीना की जर्सी को याद किया, जिसके लिए उन्होंने हमेशा संघर्ष किया। उन्होंने लिखा कि अब समय कम बचा है। हर चैप्टर खत्म होता है और नेशनल टीम का चैप्टर भी अब खत्म हो रहा है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना की टीम का हिस्सा बनना उन्हें पसंद था, पसंद है और हमेशा रहेगा। मेसी ने यह भी कहा कि उन्होंने अपने पास मौजूद सब कुछ दे दिया है। अब उनके पास देने के लिए कुछ और नहीं बचा है।

डब्ल्यूपीएल 2027 का ऑक्शन 29 अक्टूबर को कोच्चि में संभव

ब्रेबॉर्न में मैच तय, वाराणसी के नए स्टेडियम का मुआयना करेगी बीसीसीआई

मुंबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग 2027 का ऑक्शन 29 अक्टूबर को कोच्चि में होने की संभावना है। हुई डब्ल्यूपीएल गवर्निंग काउंसिल की वर्चुअल बैठक में अगले सीजन के वेन्यू पर भी चर्चा हुई।

मुंबई के ब्रेबॉर्न स्टेडियम में मैच कराने का फैसला लिया गया है, जबकि दूसरे वेन्यू के लिए वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम और वाराणसी के नए स्टेडियम के नाम पर विचार चल रहा है।

बीसीसीआई की क्रिकेट ऑपरेशंस टीम वाराणसी के नए स्टेडियम का मुआयना करेगी। टीम स्टेडियम की सुविधाओं और मैच कराने की तैयारियों का जायजा लेगी।

यदि स्टेडियम जनवरी तक तैयार हो जाता है, तो वहां डब्ल्यूपीएल के मैच कराए जा सकते हैं। नए वेन्यू पर टूर्नामेंट से पहले कुछ घरेलू या प्रैक्टिस मैच कराने की भी योजना है। बैठक में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम को भी संभावित वेन्यू के तौर पर चर्चा में शामिल किया गया था। हालांकि, वहां स्थानीय अधिकारियों से कई अनुमतियां लेने की जरूरत है। मुंबई के ब्रेबॉर्न स्टेडियम ने डब्ल्यूपीएल के पहले सीजन 2023 और 2025 के फाइनल की मेजबानी की थी। पिछले सीजन में नई फ्लडलाइट्स लगाने के काम के कारण यहां मैच नहीं हो सके थे। यह स्टेडियम 2026-27 रणजी ट्रॉफी में रेलवे टीम का होम ग्राउंड भी होगा, जहां टीम के 3 मुकाबले खेले जाएंगे।

ब्रेबॉर्न और वडोदरा का कोटाम्बी स्टेडियम 14 से 28 फरवरी 2027 तक होने वाली 6 टीमों की आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सीजन की मेजबानी भी करेंगे। वडोदरा में 2026 डब्ल्यूपीएल का फाइनल हुआ था, जिसमें स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हराया था।

जोस बटलर ने रोहित को पीछे छोड़ा: ब्रूक का 42 गेंद में शतक

लंदन, 16 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने पहले टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 119 रन से हरा दिया। यह इंग्लैंड की श्रीलंका के खिलाफ टी-20 मैच में लगातार 13वीं जीत है।

हैरी ब्रूक ने साउथैम्पटन में खेले गए इस मुकाबले में 42 गेंद पर शतक जमाया। उन्होंने इस पारी में 10 चौके और 6 छक्के लगाए। जोस बटलर ने 80 रन की पारी खेली।

बटलर ने टी-20 इंटरनेशनल में सबसे अधिक रन बनाने के मामले में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। उनके 161 मैचों में 4,292 रन हैं। रोहित के नाम 4,231 रन हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम 4,596 रन के साथ इस लिस्ट में पहले स्थान पर हैं।

कप्तान ब्रूक और बटलर की बदौलत इंग्लैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 254 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 19 ओवर में 135 रन पर ऑलआउट हो गई। ब्रूक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

हैरी ब्रूक ने 49 गेंदों में नाबाद 114 रन बनाए। उन्होंने 42 गेंद में शतक पूरा किया, जो इंग्लैंड के लिए टी-20 इंटरनेशनल में जॉइंट दूसरा सबसे तेज शतक है। लियाम लिविंगस्टोन भी 42 गेंदों में सेंचुरी लगा चुके हैं। फिल सॉल्ट के नाम 39 गेंदों में शतक का रिकॉर्ड है।

हैरी ब्रूक का यह इस साल व्हाइट-बॉल क्रिकेट में उनका तीसरा शतक है। उन्होंने फरवरी में टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ 50 गेंदों में सेंचुरी लगाई थी। जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे में नाबाद 136 रन बनाए थे।

इंग्लैंड ने पावरप्ले में 90 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में उसका दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इंग्लैंड का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर 91 रन है, जो उसने 2022 में ट्रेंट ब्रिज में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था।

23 साल के सॉनी बेकर ने अपने डेब्यू टी20 मैच में मेडन ओवर से शुरुआत की। उन्होंने 145 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी की और 12 रन देकर 3 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को 59 रन से हराया : रेनशॉ का पहला वनडे शतक, एलिस के 5 विकेट

हरारे (जिम्बाब्वे), 16 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने हरारे में खेले गए पहले वनडे में जिम्बाब्वे को 59 रन से हरा दिया। मैट रेनशॉ के पहले वनडे शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने 294 रन बनाए।

जवाब में नाथन एलिस के करियर बेस्ट 5 विकेट के सामने जिम्बाब्वे की टीम 235 रन पर ऑलआउट हो गई।

मैट रेनशॉ ने 88 गेंदों में अपना पहला वनडे शतक पूरा किया। उन्होंने 55 गेंदों में अर्धशतक लगाया और अगली 33 गेंदों में दूसरा अर्धशतक पूरा कर शतक तक पहुंचे। उनकी पारी में दो बड़े छक्के भी शामिल रहे, जिनमें से एक स्टेडियम की छत पर जा गिरा।

रेनशॉ ने एलेक्स कैरी और ओली पीक के साथ पार्टनरशिप की। उन्होंने कैरी के साथ पांचवें विकेट के लिए 83 गेंदों पर 72 रन की साझेदारी की। जबकि पीक के साथ छठे विकेट लिए 69 गेंदों पर 75 रन की पार्टनरशिप की।

पीक ने 30 गेंदों में 40 रन बनाए, जबकि रेनशॉ आखिरी ओवर में 104 रन बनाकर आउट हुए। 295 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही। टीम ने 46 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद क्रेग एर्विन और सिकंदर रजा ने 98 रन की साझेदारी कर पारी संभाली।

नाथन एलिस ने अपने दूसरे स्पेल में एर्विन को बोल्ड कर साझेदारी तोड़ी। एर्विन ने 52 रन बनाए। इसके बाद स्पेंसर जॉनसन ने रजा को शानदार यॉर्कर पर बोल्ड किया। रजा ने 51 रन की पारी खेली।

एलिस ने 8.3 ओवर में 31 रन देकर 5 विकेट लिए। यह वनडे में उनका करियर बेस्ट प्रदर्शन है। स्पेंसर जॉनसन और जेवियर बार्टलेट को भी दो-दो विकेट मिले।

तेलंगाना में सेमीकंडक्टर उद्योग लगाने के लिए सिंगापुर तैयार

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगापुर के व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय के ऊर्जा एवं व्यापार विभाग के स्थायी सचिव ऑगस्टिन ली के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को विधानसभा में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। इस दौरान सिंगापुर के प्रतिनिधियों ने तेलंगाना में सेमीकंडक्टर उद्योग स्थापित करने में रुचि व्यक्त की और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को मूसी नदी के पुनर्जीवन और भारत फ्यूचर सिटी के विकास की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले चरण में मूसा और ईसा नदियों के संगम से गांधी सरोवर तक मूसी नदी के पुनर्जीवन का कार्य प्रस्तावित है। नदी के किनारे रिवर फ्रंट विकसित करने के साथ-साथ नाइट इकोनॉमी को बढ़ावा देने की योजनाएं भी तैयार की गई हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार हैदराबाद को केवल पर्यटन केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि एक ज्ञान केंद्र के रूप में भी विकसित कर रही है।

उन्होंने बताया कि हार्वर्ड, ऑक्सफोर्ड, एमआईटी और लंदन स्कूल ऑफ बिजनेस जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने हैदराबाद में अपने ऑफशोर कैंपस स्थापित करने पर सहमति जताई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत फ्यूचर सिटी को नेट-जीरो सिटी के रूप में विकसित करने की योजना तैयार की गई है। उन्होंने सिंगापुर के प्रतिनिधियों से तेलंगाना में निवेश करने के साथ-साथ राज्य के विकास में आर्थिक सहयोग देने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि निवेशकों को राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। बैठक के दौरान सिंगापुर के प्रतिनिधियों ने तेलंगाना में निवेश की संभावनाओं पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को दिसंबर में फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाले 'तेलंगाना ग्लोबल समिट-2026' में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। बैठक में सरकार के सलाहकार रामकृष्ण राव, दक्षिण एशिया के वरिष्ठ निदेशक डॉ. फ्रांसिस चोंग, कांसुल-जनरल विलियम चिक तथा सिंगापुर के अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पूर्व सांसद आर. सुरेंद्र रेड्डी ने महेश कुमार गौड़ को टीपीसीसी अध्यक्ष के तौर पर दो साल पूरे करने पर बधाई दी। इस मौके पर महेश कुमार गौड़ उनसे मिलने उनके घर गए थे। सुरेंद्र रेड्डी 1990 से ही महेश कुमार गौड़ के बहुत करीबी रहे हैं।

17 सितंबर तेलंगाना के इतिहास का अविस्मरणीय दिन : महेश गौड़

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ ने तेलंगाना विलय दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 17 सितंबर तेलंगाना के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय दिन है।

17 सितंबर 1948 को हैदराबाद रियासत के भारतीय संघ में विलय के साथ लोकतांत्रिक शासन का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने कहा कि निजाम की निरंकुश शासन व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करने वाले वीरों, किसानों, मजदूरों, विद्यार्थियों, महिलाओं और आम लोगों के बलिदानों को इस अवसर पर स्मरण किया जाना चाहिए। तेलंगाना की जनता की स्वतंत्रता के लिए हुआ संघर्ष किसी एक राजनीतिक दल, वर्ग या क्षेत्र तक सीमित नहीं था, बल्कि यह अधिकार, आत्मसम्मान और लोकतंत्र के लिए हुआ ऐतिहासिक संघर्ष था। महेश कुमार गौड़ ने संघर्ष में प्राणों का बलिदान देने वाले अमरवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता, समानता, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के इतिहास को राजनीतिक लाभ के लिए विकृत करने के बजाय संघर्ष में शामिल सभी वर्गों के त्याग का सम्मान किया जाना चाहिए। इतिहास को विभाजन का माध्यम नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

शहरों के विकास के लिए त्वरित नहीं समग्र समाधान जरूरी : केटीआर

अंतरदलीय संवाद में भारतीय शहरों को बेहतर बनाने पर चर्चा

नई दिल्ली, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के शहरों को आम लोगों के लिए अधिक सुविधाजनक और बेहतर बनाने के लिए नेताओं को तात्कालिक प्रतिक्रियाओं के बजाय समग्र और दीर्घकालिक समाधान तलाशने चाहिए। यह बात पूर्व मंत्री एवं भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटैट सेंटर में आयोजित 'शहरों पे चर्चा' कार्यक्रम में कही। आयोजित इस अंतरदलीय संवाद में भारतीय शहरों को बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा हुई। पैनल चर्चा में सांसद महुआ माजी, एस. निरंजन रेड्डी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीकांत विश्वनाथन ने भी हिस्सा लिया। केटीआर ने तेलंगाना में बीआरएस शासन के दौरान अपनाई गई विभिन्न नीतियों और कार्यों की जानकारी साझा की। केटीआर ने कहा कि जब नागरिक अपनी समस्याएं लेकर जनप्रतिनिधियों के पास आते हैं, तो नेताओं को केवल तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय समस्या का व्यापक और स्थायी समाधान तलाशना चाहिए। त्वरित प्रतिक्रियाओं से समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। उन्होंने हैदराबाद पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए तत्कालीन केसीआर सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक जिला मुख्यालय में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की पहल की गई।

इसके अलावा दूसरे स्तर के शहरों में सूचना प्रौद्योगिकी टावर स्थापित किए गए, जिससे रोजगार और विकास के अवसरों का विकेंद्रीकरण हो सके।शहरी परिवहन पर केटीआर ने कहा कि तेज गति वाली रेल नेटवर्क के विस्तार से बड़े शहरों पर बढ़ते दबाव को कम करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले दशक में इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। उन्होंने कहा कि शहरों के सामने पूंजी की उपलब्धता बड़ी चुनौती है। इसके लिए नवाचारपूर्ण और समावेशी समाधान तलाशने की जरूरत है। कार्यक्रम के दौरान केटीआर ने 'भारत एआई एक्सपीरियेंशियल सेंटर' का भी दौरा किया और जनहित के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित समाधान विकसित करने वाले विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से बातचीत की।

बीआरएस नेताओं का आरोप- सरकार विपक्ष की आवाज दबा रही

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में बीआरएस नेताओं दिनेश चौधरी, पुट्टा विष्णुवर्धन रेड्डी और हरीश रेड्डी ने कांग्रेस सरकार पर विपक्ष के विधायकों को विधानसभा से निलंबित करने, पुलिस का दुरुपयोग करने और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप लगाए।

दिनेश चौधरी ने कहा कि बीआरएस विधायकों को बिना उचित कारण विधानसभा से निलंबित किया गया तथा महिला विधायकों के साथ भी कथित रूप से अमानवीय व्यवहार किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बोइनपल्ली पुलिस थाने में केटीआर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमला करने का प्रयास किया। उन्होंने बलमूरी वेंकट के बयानों पर आपत्ति जताते हुए डीजीपी सी.वी. आनंद और पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार से मामले में हस्तक्षेप करने तथा स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई की मांग की।

पुट्टा विष्णुवर्धन रेड्डी ने कहा कि बीआरएस क हजार दिन के शासन की विफलताओं के खिलाफ आंदोलन को जनता का समर्थन मिलने से कांग्रेस परेशान है। उन्होंने विधानसभा में काले टी-शर्ट पर रोक को लेकर भी सवाल उठाया।

हरीश रेड्डी ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी गारंटियां लागू करने में विफल रहने पर विपक्ष पर मामले दर्ज करा रही है। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी सवाल उठाए और कहा कि पुलिस अधिकारियों को अपनी सीमा में रहकर काम करना चाहिए। बीआरएस नेताओं ने दावा किया कि आगामी चुनाव में जनता का समर्थन उनकी पार्टी के साथ रहेगा।

निजामपेट तहसीलदार ऑफिस में किसानों का विरोध प्रदर्शन

संगारेड्डी, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामपेट मंडल के गांवों के किसानों और ज़मीन मालिकों ने निजामपेट तहसीलदार ऑफिस में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने रेवेन्यू विभाग के अधिकारियों पर एक एकड़ ज़मीन के रजिस्ट्रेशन के लिए 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि रेवेन्यू अधिकारी किसानों से रिश्वत वसूलने के लिए मंडल मुख्यालय पर मौजूद 'मी सेवा' सेंटर ऑपरेटर के साथ मिले हुए थे। किसानों ने खास तौर पर तहसीलदार को निशाना बनाते हुए उनके खिलाफ नारे लगाए। किसान संगारेड्डी के कलेक्टर प्रतीक जैन के पास शिकायत दर्ज कराने की तैयारी कर रहे थे।

उन्होंने सरकार से पूरे रेवेन्यू ऑफिस के कामकाज और 'मी सेवा' ऑपरेटर की भूमिका की जांच करने की मांग की।

सरदार पटेल के संकल्प से ही भारत में शामिल हुआ हैदराबाद : राव

ऐतिहासिक फोटो प्रदर्शनी का विद्यार्थियों के साथ अवलोकन

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के दृढ़ संकल्प और 'ऑपरेशन पोलो' के कारण ही हैदराबाद रियासत 17 सितंबर 1948 को भारतीय संघ में शामिल हो सकी। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी को तेलंगाना के मुक्ति संघर्ष और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से अवगत कराना जरूरी है। रामचंदर राव ने सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में तेलंगाना मुक्ति दिवस के अवसर पर आयोजित ऐतिहासिक फोटो प्रदर्शनी का विद्यार्थियों के साथ अवलोकन किया और उन्हें निजाम शासन के खिलाफ हुए संघर्ष के विभिन्न घटनाक्रमों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 1947 को देश स्वतंत्र हुआ, लेकिन तत्कालीन हैदराबाद रियासत 17 सितंबर 1948 को भारतीय संघ में शामिल हुई। उन्होंने कोमराम भीम, रांजी गोंड, वंदे मातरम् रामचंद्र राव और पी.वी. नरसिंह राव सहित संघर्ष में योगदान देने वाले अनेक लोगों को याद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से 'वंदे मातरम्' के महत्व को समझने और इतिहास से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। रामचंदर राव ने कहा कि इतिहास की नींव पर ही भविष्य का निर्माण होता है। उन्होंने 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर लोगों से अपने घरों के सामने दीप जलाने की भी अपील की। यह अपील भाजपा द्वारा घोषित 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम का हिस्सा है।

50 हजार विद्यार्थियों को मिलेगा पौष्टिक नाश्ता : पोन्नम प्रभाकर

नवनिर्मित विशाल केंद्रीकृत सामुदायिक रसोई का उद्घाटन

करीमनगर, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार और हरे कृष्ण मूवमेंट चैरिटेबल फाउंडेशन इंडिया के संयुक्त प्रयास से सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए शुरू किए गए नाश्ता कार्यक्रम के तहत करीमनगर कृषि बाजार परिसर में नवनिर्मित विशाल केंद्रीकृत सामुदायिक रसोई का उद्घाटन परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और विधायक गंगुला कमलाकर ने किया। इस अवसर पर मंत्री ने आधुनिक तकनीक से सुसज्जित रसोई का निरीक्षण किया और विभिन्न मशीनों की कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

मंत्री ने इडली, डोसा, पूरी, सांभर और बोंडा तैयार करने वाली मशीनों के साथ बर्तन साफ करने की मशीन, दूध केंद्र, खाद्य पदार्थों की जांच प्रयोगशाला, सब्जियां काटने और धोने वाली मशीन तथा चटनी पाउडर तैयार करने वाली मशीनों का उद्घाटन किया। उन्होंने अधिकारियों और फाउंडेशन के प्रतिनिधियों से इनके संचालन तथा भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता के संबंध में जानकारी ली। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि करीमनगर में स्थापित इस केंद्रीकृत रसोई से प्रतिदिन 49,025 विद्यार्थियों को निःशुल्क नाश्ता उपलब्ध कराया जाएगा। करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस रसोई में प्रतिदिन लगभग 50 हजार विद्यार्थियों के लिए नाश्ता तैयार करने की क्षमता है। राज्य में यह छठी सामुदायिक रसोई है। यहां से 17 मंडलों के 669 सरकारी स्कूलों और 11 सरकारी कनिष्ठ महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को नाश्ता पहुंचाया जाएगा। इससे करीमनगर, हुस्नाबाद, चोप्पदंडी और मानकोंडूर विधानसभा क्षेत्रों के विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सरकारी स्कूलों को मजबूत बनाना और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। विद्यार्थियों को सुबह भूखे पेट कक्षाओं में न आना पड़े, इसके लिए पौष्टिक नाश्ता उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे उनकी एकाग्रता, ज्ञानात्मक क्षमता, कक्षा में सहभागिता, उपस्थिति और समयपालन में सुधार आने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों, विशेषकर सुबह काम पर जाने वाले अभिभावकों के लिए यह कार्यक्रम आर्थिक और समय की दृष्टि से भी राहत देगा। साथ ही शिक्षकों को भोजन तैयार करने और उसके प्रबंधन की जिम्मेदारी से मुक्ति मिलेगी, जिससे वे पूरी तरह शिक्षण कार्य पर ध्यान दे सकेंगे। मंत्री ने बताया कि दिसंबर 2024 में कोडंगल में पायलट परियोजना के रूप में स्कूल नाश्ता कार्यक्रम शुरू किया गया था। वहां विद्यार्थियों की उपस्थिति 75 प्रतिशत से बढ़कर 90 प्रतिशत होने की जानकारी मिली है। विद्यार्थियों की एकाग्रता, कक्षा में सहभागिता और समयपालन में भी सुधार तथा देर से स्कूल आने वाले विद्यार्थियों की संख्या में कमी दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि हरे कृष्ण मूवमेंट चैरिटेबल फाउंडेशन इंडिया को इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन साझेदार के रूप में शामिल किया गया है। फाउंडेशन दुनिया भर में विभिन्न सामाजिक सेवा कार्य कर रहा है। सरकार कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व निधि के तहत उसके साथ सहयोग कर रही है।

तापमान 40ओC तक पहुंचा

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सितंबर का मध्य है, लेकिन बुधवार को हैदराबाद का मौसम मई की भीषण दोपहर जैसा महसूस हुआ। उमस भरे मौसम में लोगों को पसीना आ रहा था, जिससे अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया, लेकिन कई इलाकों में यह 40 डिग्री सेल्सियस जैसा 'महसूस' हुआ।

तेलगाना राज्य विकास योजना सोसायटी के तापमान डेटा से पता चला कि बुधवार शाम 4 बजे तक शहर के विभिन्न हिस्सों में अधिकतम तापमान लगातार बढ़ रहा था।

हाईटेक सिटी कॉरिडोर में गर्मी रही, जिसमें गाचीबोवली इलाके में अधिकतम तापमान 37.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद कपरा में 36.7 डिग्री सेल्सियस और बालानगर में 36.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

अन्य क्षेत्रों में अधिकतम तापमान (डिग्री सेल्सियस में) इस प्रकार था: चंदनगर/सेरिलिंगमपल्ली (36.4), उप्पल (36.2) और मियापुर (36.1)। वहीं, खैराताबाद (35), अमीरपेट (34.1) और यूनिवर्सिटी ऑफ़ हैदराबाद कैंपस एरिया में तापमान थोड़ा कम, यानी 33.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नकली नोट के नाम पर धोखाधड़ी और अपहरण के आरोप में छह लोग पकड़े गए

आदिलाबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नकली नोट देने के वादे के साथ धोखाधड़ी का शिकार हुए तीन लोगों के मामले में अपहरण के आरोप में छह लोगों को पकड़ा गया। पुलिस ने इन छह लोगों से एक कार, दो मोबाइल फोन और 30,000 रुपये नकद ज़ब्त किए। पांच अन्य लोग अभी भी फरार हैं।

आदिलाबाद के डीएसपी एल. जीवन रेड्डी ने बताया कि महाराष्ट्र के चंद्रपुर ज़िले के शेख शकीब, मोहम्मद सिथर और प्रथम रवींद्र को यवतमाल के दीपक श्रीराम और मावला के सरकार आलोक और एलछलावर सुरेंद्र का अपहरण करने के आरोप में पकड़ा गया।

दीपक, आलोक और सुरेंद्र को भी शकीब, सिथर और प्रथम से 20 लाख रुपये के नकली नोट के बदले 5 लाख रुपये लेकर धोखाधड़ी करने में शामिल होने के आरोप में हिरासत में लिया गया। महाराष्ट्र का प्रतीक और नागपुर के नकली नोट गैंग के चार सदस्य अभी भी फरार हैं।

पूछताछ के दौरान, शकीब और उसके साथियों ने दीपक, आलोक और सुरेंद्र के अपहरण की बात कबूल की। उन्होंने यह अपहरण 5 लाख रुपये वसूलने की कोशिश में किया था, जो पहले नागपुर के एक अज्ञात नकली नोट गैंग ने पुलिसकर्मी बनकर 10 सितंबर को दसनापुर चौराहे पर उनसे छीन लिए थे।

पुलिस ने बताया कि शकीब और उसके साथियों ने सुरेंद्र की पत्नी को फोन किया और 5 लाख रुपये की मांग की। वह मावला पुलिस के पास गईं, जिन्होंने अपहरण का मामला दर्ज किया और बाद में नकली नोट के रैकेट का पर्दाफाश किया। शकीब की मुलाकात प्रतीक के ज़रिए दीपक, आलोक और सुरेंद्र से हुई; प्रतीक के तार नकली नोट छापने वाले गैंग से जुड़े थे।

शकीब और उसके साथी दीपक, आलोक और सुरेंद्र को 5 लाख रुपये देने वाले थे। ये तीनों एक चौराहे पर नकली नोटों से भरा डिब्बा लेकर खड़े थे। तभी कुछ अनजान लोग वहाँ पहुँचे, पैसे छीने और दो कारों में नागपुर की तरफ़ भाग गए। प्रतीक और गैंग के चार सदस्यों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

पाइपलाइन के काम की वजह से किसानों को सब्ज़ी बाज़ार छिनने का डर

सिद्दिपेट, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पाथुर सब्ज़ी बाज़ार में सब्ज़ी बेचने वाले किसान परेशान हैं क्योंकि हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वॉटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड बाज़ार को तोड़कर पाइपलाइन बिछाने की तैयारी कर रहा है।

गजवेल मंडल के पाथुर गाँव और आस-पास के गाँवों के किसान 2017 तक व्यस्त राजीव राहदारी के किनारे सब्ज़ी, फल और मक्के की बालियाँ बेचते थे। उस जगह पर सड़क दुर्घटनाओं में कई किसानों की मौत के बाद, पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने वहाँ का दौरा किया और किसानों से बात की। उन्होंने मार्केटिंग विभाग से उनके लिए एक बाज़ार बनाने को कहा, जब बीआरएस सत्ता में थी।

हुसैन सागर में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विनायक चतुर्थी के त्योहार के तीसरे दिन, बुधवार को हुसैन सागर में कुछ प्रतिमाओं का विसर्जन देखा गया। हालांकि आज किसी पंडाल की प्रतिमा विसर्जन के लिए नहीं ले जाई गई, लेकिन भक्त अपने घरों से प्रतिमाएं विसर्जन के लिए लाते हुए देखे गए।

पारंपरिक रूप से लोग त्योहार के तीसरे, पांचवें, सातवें या ग्यारहवें दिन गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन करते हैं; इस साल ज्योतिषीय कैलेंडर के अनुसार त्योहार की अवधि बढ़ गई है, जिसका अर्थ है कि अनंत चतुर्दशी पर अंतिम भव्य गणेश विसर्जन 12वें दिन होगा।

भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि हैदराबाद में मुख्य प्रतिमा विसर्जन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन होगा। सुबह-सुबह प्रतिमा विसर्जन के लिए परिवार हुसैन सागर के किनारे जमा हुए और आध्यात्मिक उत्साह के बीच छोटी प्रतिमाओं को विदा किया।

टैंक बंड के आसपास के लोकप्रिय इलाके, जिनमें एनटीआर गार्डन, नेकलेस रोड, पीपल्स प्लाजा और आईमैक्स थिएटर लेन शामिल हैं, सुबह से ही व्यस्त रहे। जीएचएमसी की सफाई टीमों के साथ-साथ, टैंक बंड इलाकों में सफाई बनाए रखने और भक्तों की सहायता के लिए निजी कर्मचारियों को भी बड़ी संख्या में तैनात किया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.